THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 345 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.9, 2082 गुरुवार, 12 मार्च-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

नशा तस्करों पर कार्रवाई

सिरमौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। अवैध नशे के खिलाफ सिरमौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले में अलग-अलग मामलों में मां और दो बेटों सहित कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इतना ही नहीं आरोपियों के कब्जे से 15.75 ग्राम चिट्टा व 10,450 नकदी तथा 3600 कैप्सूल व 600 नशीली गोलियां भी बरामद की गई हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कंप मच गया है। एसपी एनएस नेगी ने बताया कि जिला सिरमौर की एसआईयू टीम को गुप्त सूत्र से सूचना मिली कि एक गाड़ी में लतिका तथा उसके बेटे व अन्य लोग चिट्टा की सप्लाई लेकर कोटड़ी अपने किराये के घर की तरफ जा रहे हैं।

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लतिका निवासी दुर्गा कालोनी कालाअंब, जिला अम्बाला, हरियाणा व उसके बेटों राघवन कुमार उर्फ रोक्स एवं निखिल कुमार और पिंकी उर्फ नेन्सी निवासी गांव गलोग नगाली, जिला सोलन के कब्जे से 15.73 ग्राम चिट्टा/ स्मैक बरामद की है।

31 वर्षीय मरीज को अदालत से मिली इच्छामृत्यु की अनुमति

12 साल से कोमा में है शख्स

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 31 वर्षीय एक व्यक्ति के लिए निषक्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी। यह शख्स 12 वर्षों से अधिक समय से कोमा की स्थिति में था।

अब उसकी कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटा दिया गया। निषक्रिय इच्छामृत्यु किसी मरीज को जीवित रखने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक उपकरणों या उपचार को रोककर या वापस लेकर जानबूझकर मरने देने का काम है।

हरीश राणा 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद सिर में गंभीर चोटों का शिकार हो गए थे और एक दशक से अधिक समय से कोमा में हैं।

माता-पिता से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी

न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने एम्स को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया, ताकि चिकित्सा उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उपचार बंद करने की प्रक्रिया एक सुनियोजित योजना के साथ हो ताकि राणा की गरिमा बनी रहे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 31 वर्षीय युवक के माता-पिता से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी। कोर्ट ने एम्स-दिल्ली के डॉक्टरों के एक द्वितीयक मेडिकल बोर्ड द्वारा तैयार की गई राणा की मेडिकल हिस्ट्री वाली रिपोर्ट का अध्ययन किया था और टिप्पणी की थी कि यह एक दुखद रिपोर्ट है।

रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति की हालत दयनीय

प्राथमिक चिकित्सा समिति ने मरीज की हालत की जांच करने के बाद उसके ठीक होने की संभावना नगण्य होने पर जोर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर को कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति की हालत दयनीय है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2023 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, कोमा में पड़े मरीज के लिए कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने के संबंध में विशेषज्ञ की राय लेने के लिए एक प्राथमिक और एक द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड का गठन करना होगा।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जमानत नहीं

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारी भेजने की आरोपी हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जमानत देने से पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोप देश की संप्रभुता व अखंडता से जुड़े हैं। मामले की गंभीरता और उपलब्ध प्रथम दृष्टया साक्ष्यों को देखते हुए उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि जहां देश की संप्रभुता व अखंडता का मामला हो वहां जमानत से पहले अत्यधिक सावधानी बरतना आवश्यक है।

एफआईआर के विवाद में फंसे छात्रों को जेकेएसए की मदद से राहत, 17 कश्मीरी छात्र रिहा

श्रीनगर, 11 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) द्वारा गृह मंत्रालय को एफआईआर वापस लेने के लिए लिखे गए पत्र के बाद 17 कश्मीरी छात्रों को रिहा कर दिया गया। छात्रों को कुछ समय पहले किसी स्थानीय विवाद के सिलसिले में हिरासत में लिया गया था। जेकेएसए ने छात्रों की ओर से हस्तक्षेप करते हुए प्रशासन और गृह मंत्रालय को पत्र लिखा, जिसमें मामले को सुलझाने और छात्रों की रिहाई की मांग की गई। इसके तुरंत बाद प्रशासन ने छात्रों को मुक्त कर दिया।

हथियार के साथ रील बनाने वाला युवक पकड़ा गया

इंदौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में हथियार के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के मामले में पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। परदेशीपुरा क्षेत्र के नंदानगर निवासी शुभम खटीक ने गंडासे के साथ रील बनाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की थी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसकी पहचान कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार शुभम ने यह रील अपने घर की छत पर बनाई थी। देर रात पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी जुटाई जा रही है। रील में शुभम खटीक गंडासे के साथ गाना गाते हुए 'पुष्पा स्टाइल' में हथियार घुमाते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक की पहचान कर उसे पकड़ लिया।

कानून दिल टूटने को अपराध नहीं मानता

रेप मामले पर कर्नाटक हाई कोर्ट की टिप्पणी

बेंगलूरू, 11 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि आपसी सहमति से बने रिश्तों का अंत अगर शादी में न हो, तो उसे 'रेप' की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कानून दिल टूटने को अपराध नहीं मानता। दरअसल, एक महिला ने अपने पूर्व साथी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (रेप) के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों की मुलाकात आयरलैंड में हुई थी और वे लगभग दो साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे थे। महिला पहले से तलाकशुदा थी और उसका एक बच्चा भी था। जब आरोपी भारत लौटा और उसने महिला से संपर्क तोड़ दिया, तब महिला ने धोखाधड़ी और रेप का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। न्यायमूर्ति एम। नागप्रसन्ना ने मामले की सुनवाई करते हुए कई अहम बातें कहीं। कोर्ट ने कहा कि जब दो वयस्क अपनी मर्जी से लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाते हैं, तो बाद में शादी से इंकार करना उस रिश्ते को 'रेप' में नहीं बदल देता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शादी का झूठा वादा केवल तब माना जाता है, जब पुरुष की नीयत शुरू से ही धोखा देने की हो। अगर रिश्ते के दौरान भावनात्मक तालमेल की कमी या पारिवारिक विरोध के कारण शादी नहीं हो पाती, तो इसे आपराधिक मंशा नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति ने कहा, आपराधिक न्याय प्रणाली राज्य की शक्ति का साधन है। इसे विफल रिश्तों के निजी विवादों में हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

एलओसी के पास पहाड़ों से सड़क पर गिरे बड़े-बड़े पत्थर; उरी-बारामूला मार्ग बंद

श्रीनगर, 11 मार्च (एजेंसियां)। सीमावर्ती क्षेत्र उरी को जिला मुख्यालय बारामूला से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर आज भारी भूस्खलन से यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। यह भूस्खलन एनएस ब्रिज के समीप हुआ है, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा मलबे की चपेट में आ गया है।

सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।

लैंडस्लाइड इतना भीषण था कि मार्ग को साफ करने में काफी समय लग सकता है। गनीमत यह रही कि इस घटना के दौरान किसी जानी नुकसान की तत्काल सूचना नहीं मिली है, लेकिन मार्ग बंद होने से स्थानीय निवासियों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासनिक कार्रवाई संबंधित विभाग और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सूचित कर दिया गया है। मलबा हटाने के लिए भारी मशीनरी (जेसीबी) को मौके पर रवाना किया जा रहा है।

एनसीईआरटी की सभी बुक की समीक्षा हो : सुप्रीम कोर्ट

कहा- सरकार विशेषज्ञ समिति बनाए तो अच्छा लगेगा; अब सभी किताबें रिव्यू करें

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी है कि उसने एनसीईआरटी को सभी कक्षाओं की किताबों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि एनसीईआरटी से ऐसा करने के लिए कहने के बजाय, अगर केंद्र पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए एक विशेषज्ञ कमिटी बनाता तो अच्छा होता। सुप्रीम कोर्ट एनसीईआरटी की क्लास आठ की सोशल साइंस की किताब से जुड़े एक सुओ मोटो केस की सुनवाई कर रहा था, जिसमें ज्यूडिशियरी में को लेकर आपत्तिजनक कंटेंट प्रकाशित किया गया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार ने एनसीईआरटी से सिर्फ कक्षा आठ की नहीं, बल्कि सभी क्लास की टेक्स्टबुक्स का समीक्षा करने को कहा है। उन्होंने बेंच को भरोसा दिलाया कि पाठ्यक्रम की जांच के लिए डोमेन विशेषज्ञ का एक पैनल बनाया जाएगा। तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि एनसीईआरटी में व्यवस्था को सुधारने के लिए बड़े बदलाव शुरू हो गए हैं। अब विशेषज्ञों की मंजूरी के बिना कोई भी नई सामग्री प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसके साथ ही एनसीईआरटी के डायरेक्टर ने कोर्ट में हलफनामा देकर बिना शर्त माफी भी मांग ली है। इससे पहले 26 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इस किताब की छपाई और इंटरनेट पर इसके वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी थी।

कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि किताब में लिखी बातें न्यायपालिका पर गोली चलाने जैसी हैं और इससे संस्थान को गहरा जख्म मिला है। कोर्ट ने इसे न्यायपालिका की गरिमा गिराने की एक गहरी साजिश और सोची-समझी चाल करार दिया। अदालत ने आदेश दिया है कि बाजार में मौजूद इस किताब की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त किया जाए और उन्हें सार्वजनिक पहुंच से पूरी तरह हटाया जाए।

चुनाव में एसटी प्रमाणपत्र अनिवार्य करने का फैसला खारिज

अदालत के आदेश के बाद घाडसी की अधिसूचना रद्द

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। मेघालय उच्च न्यायालय ने गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (घाडसी) की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया है, जिसमें चुनाव लड़ने के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्र अनिवार्य करने का प्रावधान किया गया था। अदालत ने यह पाया कि इसमें उचित विधायी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया है। यह अधिसूचना पिछले महीने जीएचएडीसी की कार्यकारी समिति के प्रस्ताव के बाद मुख्य कार्यकारी सदस्य की ओर से जारी की गई थी। इसके तहत आगामी परिषद चुनावों में गैर-जनजातीय उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने का प्रावधान किया गया था। मामले में एक मतदाता ने याचिका दायर कर इस अधिसूचना को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि यह नियम असम और मेघालय स्वायत्त जिले (जिला परिषदों का गठन) नियम, 1951 का उल्लंघन करता है, जो मतदाताओं और उम्मीदवारों की योग्यता तय करता है।

याचिकाकर्ता ने क्या दलील दी?

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि इस अधिसूचना के जरिए बिना नियमों में संशोधन किए वैध गैर-जनजातीय मतदाताओं और उम्मीदवारों के अधिकार छीन लिए गए। साथ ही, नियम 72 के तहत जिला परिषद और राज्यपाल की मंजूरी भी नहीं ली गई। घाडसी की ओर से कहा गया कि यह कदम जनसंख्या में बदलाव के बीच जनजातीय हितों की रक्षा के लिए उठाया गया था और इसे कार्यकारी समिति की आपात शक्तियों के तहत जारी किया गया।

हाईकोर्ट का तर्क

हालांकि हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्यकारी समिति केवल नियमों में बदलाव का प्रस्ताव दे सकती है। ऐसे किसी भी बदलाव को लागू होने से पहले जिला परिषद और राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है। अदालत ने कहा कि अधिसूचना कानूनी जांच में टिक नहीं सकती और इसे निरस्त किया जाता है। इसके साथ ही अदालत ने याचिका का निस्तारण कर दिया।

युवक की मौत,परिजन ने पुलिस पर लगाए आरोप

इंदौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में ताप्ती परिसर निवासी 23 वर्षीय राज मकवाना की मल्टी से कूदकर मौत के मामले में परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज के परिजन कलेक्टोरेट में जनसुनवाई में पहुंचे और घटना की जांच की मांग की। जनसुनवाई के बाद लौटते समय राज की मां रेखा की तबीयत अचानक बिगड़ गई।

उन्हें एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां करीब दो घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। राज मकवाना के परिजन कलेक्टोरेट पहुंचे और अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। परिजनों का कहना है कि घटना से पहले पुलिसकर्मियों ने राज को धमकाया था। राज की मां रेखा, पिता मनोज मकवाना और बहन निकिता ने आरोप लगाया कि दो पुलिसकर्मियों ने राज को मर्डर केस में फंसाने की धमकी दी थी। परिवार का कहना है कि इसी डर से उसने मल्टी की पांचवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी।

नादिया में अफगान नागरिक गिरफ्तार

बिना दस्तावेज भारत में प्रवेश करने की कर रहा था कोशिश

कोलकाता, 11 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक अफगानिस्तान नागरिक को बिना वैध दस्तावेज भारत में प्रवेश करने के प्रयास के दौरान गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। गिरफ्तार होने वाले व्यक्ति की पहचान अलजाही मुसाफर के रूप में की गई है। वह अफगानिस्तान के निम्रोज प्रांत का निवासी है।

पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के अधिकारियों के अनुसार, मुसाफर भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा को फतेपुर बॉर्डर इलाके से पार करने की कोशिश कर रहा था। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात की गश्त के दौरान हमारे कर्मियों ने उसे फतेपुर सीमा के पास देखा। उसे तुरंत रोका और हिरासत में ले लिया। उसके पास भारत में प्रवेश के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं थे और न ही उसके पास बांग्लादेशी पहचान पत्र मौजूद थे। जानकारी के प्रारंभिक पूछताछ के बाद, अफगान नागरिक को हांसखाली थाने सौंपा गया,

ताकि पुलिस मामले की आगे जांच कर सके। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह कोई वैध यात्रा दस्तावेज पेश नहीं कर सका। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने सीमा क्षेत्र में कैसे प्रवेश किया और क्या किसी ने उसे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने में मदद की। मामले में अफगान नागरिक को रणघाट के एक अदालत ने मंगलवार को पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने भारत में प्रवेश करने से पहले बांग्लादेश तक कौन सा रास्ता लिया।

सिग्नेचर ग्लोबल प्रोजेक्ट हादसा केस, 7 मौतों की छिपाने की हुई कोशिश

गुरुग्राम, 11 मार्च (एजेंसियां)। निर्माणाधीन परियोजना में मिट्टी धंसने से सात श्रमिकों की मौत के मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को शिकायत भेजकर मामले की जांच की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि गुरुग्राम के बिलासपुर थाना क्षेत्र के सिधरावली गांव में स्थित सिग्नेचर ग्लोबल के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए चल रही खोदाई के दौरान बेसमेंट में अचानक मिट्टी धंसने से बड़ा हादसा हो गया।

इस दुर्घटना में सात श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। शिकायत में कहा है कि करीब 60 फीट गहरे बेसमेंट में श्रमिक काम कर रहे थे, लेकिन निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण श्रमिकों की जान गई है, जो मानव अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

एलपीजी गैस संकट बढ़ने पर केजरीवाल का सरकार पर हमला

बोले- ऐसा लग रहा जैसे ट्रंप के दबाव में काम हो रहा है

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते झगड़े की वजह से इम्पोर्टेड गैस सप्लाई में रुकावटों के बीच आपूर्ति की समस्या अब देश में भी महसूस होने लगी है। ऐसे में दिल्ली के कई हिस्सों में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लत सामने आ रही है, जिससे गैस एजेंसियों के साथ-साथ होटल और रेस्टोरेंट कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। सप्लाई में देरी और सीमित उपलब्धता के कारण कई जगहों पर सिलिंडर की डिलीवरी प्रभावित हो रही है। इसने आम लोगों की समस्या और परेशानियां दोनों बढ़ा दी है।

गहराते एलपीजी गैस संकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'पूरे देश में एलपीडी सिलेंडर की भारी किल्लत हो गई है। देश में एलपीजी का उत्पादन लगभग 50% तक घट चुका है। एलपीजी पर निर्भर कई उद्योगों की फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं, जिसकी वजह से लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। सरकार ने आदेश जारी किया है कि रेस्टोरेंट और होटल को एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे। इस फैसले के कारण देश के बड़े शहरों में कई रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। इस समय देशभर में शादी-ब्याह का सीजन चल रहा है, और अगर यही हालात रहे तो लोगों को अपनी शादियां तक टालनी पड़ सकती हैं।'

केजरीवाल ने कहा, 'मोदी जी ने भारत को एक गंभीर संकट में डाल दिया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में काम कर रहे हैं। हालात ऐसे दिख रहे हैं मानो भारत जैसे महान देश को अमेरिका का उपनिवेश बना दिया गया हो।

गैस संकट

के दौर में रिटायर्ड शिक्षक के घर से मिले 25 सिलेंडर; प्रशासन ने रात में मारा छापा

छतरपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शहर की विश्वनाथ कॉलोनी में देर रात घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण का बड़ा मामला सामने आया है। प्रशासन ने एक रिटायर्ड शिक्षक के घर छापेमारी कर बड़ी संख्या में घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोग मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार, शहर में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। इसी बीच प्रशासन को सूचना मिली कि विश्वनाथ कॉलोनी में रहने वाले एक रिटायर्ड शिक्षक, जिन्हें स्थानीय लोग अहिरवार सर के नाम से जानते हैं, उनके घर में बड़ी संख्या में घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल छापेमारी की कार्रवाई की।

सीएम नीतीश कुमार ने अररिया में की 545 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत

फारबिसगंज में बनेगा एयरपोर्ट

अररिया, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को समृद्धि यात्रा पर अररिया पहुंचे। यहां उन्होंने सरकार की अलग-अलग लगभग 545.88 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और योजना का कार्यारंभ किया। मुख्य कार्यक्रम स्थल अररिया कॉलेज स्टेडियम में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए बिहार के अगले पांच वर्षों में विकास की रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष में बिहार देश के टॉप राज्यों में शामिल होगा।

इन वर्षों में सबसे ज्यादा काम होगा। बिहार के विकास में केंद्र का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। एक-एक काम पहले से करते आ रहे हैं। यहां बराबर आते रहे हैं। बिहार का खूब अच्छा होने वाला है। सब तरह से काम हुआ है।

फारबिसगंज में बनेगा हवाई हड्डा

सभा में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि अररिया के फारबिसगंज में 150 एकड़ में हवाई अड्डा बनेगा। आज सुपौल के वीरपुर में हवाई अड्डा के लिए टेंडर निकालने का कार्य केंद्र सरकार द्वारा हुआ है। मुख्यमंत्री हेलिकाप्टर से दिन के लगभग 10 .25 मिनट में हड़ियाबाड़ी स्थित न्यू पुलिस लाइन पहुंचे। जहां वे 54 करोड़ की लागत से बने अत्याधुनिक पुलिस लाइन का उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से अररिया आरएस में 29 .6 करोड़ की लागत से बने एएनएम प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन और विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके अलावा कोसी डेयरी के मिल्क चिलिंग प्लांट नवीकरण का शिलान्यास किया। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला अररिया कालेज स्थित स्टेडियम पहुंचा। जहां उन्होंने जनसंवाद को संबोधित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री लगभग 12 .25 मिनट में वहां से किशनगंज के लिए रवाना हो गए।

लालू राज की दिलाई याद

सीएम ने अपने करीब 40 मिनट के संबोधन में लोगों को बार-बार 2005 के पहले के बिहार का याद दिलाया। संबोधन के अंत में लोगों से खड़ा कर पूछा की बताइये सब अच्छा रहेगा न। मंचासीन उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री लेसी सिंह और भाजपा विधायक देवंती यादव और विजय कुमार मंडल की तरफ इशारा करते हुए कहा, इ सब लोग मिलकर काम करेंगे। हथवा उठा के बताओ जरा ठीक है न। केंद्र सरकार ने जुलाई 2024 के बजट में बिहार को आर्थिक पैकेज के तहत बड़ी राशि दी। फरवरी 2025 के बजट में बिहार को मखाना बोर्ड, पश्चिमी कोसी नहर की सफाई आदि के लिए पैसे दिए। हम प्रधानमंत्री को नमन करते हैं। वे बिहार में अनेकों जगह गए हैं। नीतीश ने कहा कि 2025-30 का रोड मैप बनाकर बिहार के विकास के लिए काम हो रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 345 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.9, 2082 गुरुवार, 12 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में दो भारतीयों की गई जान, एक लापता

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब भारतीय नागरिकों पर भी पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को जानकारी दी कि व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में दो भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। एक अन्य भारतीय नागरिक अभी भी लापता है। ये लोग उन जहाजों पर काम कर रहे थे जिन्हें संघर्ष के दौरान निशाना बनाया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद कर रही है और स्थिति पर नजर रखे हुए है।

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

हो सकता है कि अपनी पार्टी के प्रचार के लिए राहुल जी को देशभर में कहीं भी जाना पड़ता हो। यह स्वाभाविक है। सिर्फ राहुल जी के साथ ऐसा नहीं होता। अनेक नेताओं के साथ ऐसा होता है, लेकिन इसमें 'रहस्यप्रद' यह है कि (राहुल गांधी) यहां नहीं थे तो कहां थे?

अमित शाह, लोकसभा स्पीकर के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव पर

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में बुधवार को स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने वाला अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। उन पर सदन की कार्यवाही के दौरान भेदभाव करने का आरोप था। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने 56 मिनट तक जवाब दिया। उन्होंने इस दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और गिनाया कि 14वीं, से 18वीं लोकसभा में बोलने के लिए कितना समय मिला। उन्होंने साफ कहा कि सदन नियम से चलेगा। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे,उनका माइक बंद होगा।

शाह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, अरे भाई यहां नियमों से बोलना पड़ता है, यहां इतने वरिष्ठ सदस्य बैठे हैं, मुझे तो अभी भी नहीं मालूम पड़ता कि शशि थरूर, बालू साहब बैठे हैं, क्यों नहीं सिखाते उन्हें। ये पीएम मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं। मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। किसी के भी सामने हम एक अंगुली दिखाते हैं तो 4 अंगुलियां अपनी तरफ भी दिखती है।

शाह बोले-आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे विपक्ष ने माफी मांगो के नारे लगाए

विपक्ष ने अमित शाह माफी मांगो के नारे लगाए। कितना बोलना है इसके लिए कुछ नियम बने हैं। 17वीं लोकसभा कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया। जबकि उनके 52 सदस्य थे। कांग्रेस को भाजपा से 6 गुना ज्यादा समय दिया गया। 18वीं लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुना समय मिला। नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। मगर बोलने का मौका आता है तो जर्मनी में होते हैं इंग्लैंड में होते हैं। फिर शिकायत करते हैं। 18वीं लोकसभा में 157 घंटे 55 मिनट कांग्रस के सदस्य बोले। मैं विपक्ष नेता से पूछना चाहता हूं कि आप तब क्यों नहीं बोले। किसने रोका था। वो तो आपका अधिकार है कि आपकी पार्टी से कौन बोलेगा। विपक्ष के नेता स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर भी कुछ नहीं बोलते। फिर प्रस्ताव लाते क्यों है। एक तो बोलना नहीं चाहते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की कवायद

विपक्ष ने संसद में प्रस्ताव लाने को जुटाए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए सांसदों के हस्ताक्षर जुटा लिए गए हैं और नोटिस गुरुवार या शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में दिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, अब तक लोकसभा के लिए करीब 120 सांसदों और राज्यसभा के लिए करीब 60 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

कांग्रेस के युवराज छोटे दायरे में सिमटे, उन्हें विकास नहीं दिखेगा : पीएम मोदी

खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा के लिए हमने पूरी ताकत लगाई

केरल का नाम बदलकर केरलम किया जाना 'मलयाली' भाइयों के लिए खुशी का क्षण है। केरल में 2018 की बाढ़ के दौरान मछुआरा समुदाय की भूमिका सराहनीय रही।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

चेन्नई/कोच्चि, 11 मार्च (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को केरलम (केरल) दौरे पर हैं। उन्होंने एर्नाकुलम के कोच्चि में 10,800 रुपये करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद एनडीए की एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान लोकसभा सांसद राहुल गांधी की आलोचना की।

प्रधानमंत्री ने कहा-कांग्रेस के युवराज को यह नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में कमाल कर रहे हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपने छोटे दायरे में सिमटा हो, उसे देश का विकास कभी नहीं दिखेगा। पीएम ने कहा-खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है, लेकिन आज देश में बीजेपी की सरकार है। जब भी हमारा कोई देशवासी मुसीबत में फंसा है, हमने उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। मोदी ने कहा-चाहे इराक से नर्सों को निकालना हो या यमन में आतंकवादियों के चंगुल से फादर टॉम को छुड़ाना हो, संकट के समय भारत अपने नागरिकों को कभी नहीं छोड़ता। आज भी हमारी कोशिश यही है कि युद्धग्रस्त देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षित निकाला जाए। खाड़ी में जारी युद्ध ने हमें एक बार फिर आत्मनिर्भरता के महत्व का सबक सिखाया है। हमने देखा है कि कोविड संकट, यूक्रेन संकट और मौजूदा संकट के दौरान आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है। कांग्रेस जानबूझकर भड़काऊ और गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रही है ताकि हालात और बिगड़ें। ताकि हमारे लोग उसी संकट में फंसे रहें और फिर ये लोग मोदी को गाली देने वाले रील बनाकर अभियान चला सकें। केरलम के पास नेचर, कल्चर, टैलेंट, टेक्नोलॉजी और विशाल सागर का आशीर्वाद है। इसके बावजूद राज्य का विकास उस गति से नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था।

स्पीकर ने दो विधायकों की अयोग्यता याचिकाएं खारिज कीं

> कादियम श्रीहरी और दानम नागेंद्र को मिली राहत

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद राव ने बुधवार को बीआरएस के विधायक दानम नागेंद्र और कादियम श्रीहरि के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दायर याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि दोनों विधायकों ने दल-बदल विरोधी नियमों का उल्लंघन किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि दोनों विधायकों ने आधिकारिक रूप से पार्टी बदली है। उपलब्ध सामग्री और सुनवाई के दौरान दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर याचिकाओं को खारिज कर दिया गया। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई से ठीक एक दिन पहले आया। इससे पहले अध्यक्ष ने इसी तरह के मामलों में आठ अन्य विधायकों को भी क्लीन चिट दी थी। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दानम नागेंद्र और कादियम श्रीहरि को क्लीन चिट देना लोकतंत्र पर हमला है।

शिव प्रताप शुक्ल ने तेलंगाना के पाँचवें राज्यपाल के रूप में शपथ ली

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शिव प्रताप शुक्ल ने बुधवार को हैदराबाद स्थित लोक भवन में तेलंगाना राज्य के पाँचवें राज्यपाल के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

उन्हें यह शपथ तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने दिलाई। इस समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्का सहित कई मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी तथा अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी इस समारोह में उपस्थित थे।

ट्रम्प बोले-ईरान के साथ जंग जल्द खत्म होगी

हमने सब तबाह कर दिया, वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद वहां हमला करने के लिए लगभग कुछ भी नहीं बचा है।

अमेरिकी मीडिया एक्सिओस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान को उम्मीद से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। उनके मुताबिक कई अहम सैन्य और रणनीतिक ठिकाने तबाह कर दिए गए हैं। ट्रम्प ने कहा कि सैन्य अभियान तय समय से आगे चल रहा है। शुरुआती योजना छह हफ्तों की थी, लेकिन अमेरिका ने इससे पहले ही अपने कई लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान को उम्मीद से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। एक्सिओस को दिए एक फोन इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद ईरान में निशाना बनाने के लिए अब लगभग कुछ भी नहीं बचा है। ट्रम्प के मुताबिक सैन्य अभियान तय समय से आगे चल रहा है। उन्होंने कहा कि अनुमानित छह हफ्ते के ऑपरेशन की तुलना में अमेरिका ने पहले ही ज्यादा नुकसान पहुंचा दिया है। ईरान के शिक्षा मंत्री अलीरेजा काजेमी ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों में अब तक 206 छात्र और शिक्षक मारे गए हैं। इसके अलावा 161 अन्य लोग घायल हुए हैं। काजेमी ने यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी से बातचीत में दी। 28 फरवरी को ईरान के मीनाब शहर के एक गर्ल्स स्कूल पर मिसाइल हमला हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राएं और शिक्षक मारे गए थे। ईरान युद्ध के कारण अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं। देश में पेट्रोल की औसत कीमत 3.58 डॉलर प्रति गैलन पहुंच गई है, जो पिछले 21 महीनों का सबसे ज्यादा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक यह कीमत एक दिन में 4 सेंट बढ़ी है। पिछले एक हफ्ते में पेट्रोल की कीमत 38 सेंट और पिछले एक महीने में 64 सेंट बढ़ चुकी है।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदेगा इंडोनेशिया

> 3800 करोड़ की डील फाइनल

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा उद्योग के क्षेत्र में भारत को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। फिलीपींस के बाद अब दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया ने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली खरीदने का समझौता किया है। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत ने इसकी पुष्टि की। इस समझौते के साथ इंडोनेशिया, फिलीपींस के बाद ब्रह्मोस खरीदने वाला दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा देश बन गया है।

450 मिलियन डॉलर की डील

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर भारत-इंडोनेशिया के बीच हुई इस डील की कीमत 450 मिलियन डॉलर यानी 3,800 करोड़ रुपये है। इंडोनेशिया ने कहा कि यह सौदा उसके हथियारों के आधुनिकीकरण और तटीय सुरक्षा क्षमता को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत के मुताबिक, इंडोनेशिया ने भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की खरीद में साझेदारी की है। यह हमारे शस्त्रों के आधुनिकीकरण, विशेष रूप से तटीय रक्षा को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। रिको के अनुसार, यह खरीद रक्षा क्षेत्र में जकार्ता-नई दिल्ली की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करती है।

इस नई प्रणाली से राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा में प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रूस की मदद से 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित ब्रह्मोस मिसाइल को खरीदने के लिए कई अन्य देशों ने भी रुचि दिखाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वियतनाम भी 700 मिलियन डॉलर की संभावित डील को अंतिम रूप देने के काफी करीब है। इसके अलावा थाईलैंड, सऊदी अरब, यूएई, ओमान, मिस्र और कुछ लैटिन अमेरिकी देश भी भारत के साथ ब्रह्मोस सौदे को लेकर बातचीत के चरणों में हैं।

'संसद भारत की जनता की आवाज'

राहुल गांधी बोले-कई बार मुझे बोलने से रोका जाता है

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में बोलते हुए कहा कि कई बार सदन में उन्हें बोलने से रोका गया। राहुल गांधी ने कहा कि सदन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्पीकर की भूमिका पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार उनका नाम लेकर उनके बारे में गलत बातें कही जाती हैं, लेकिन जब वह जवाब देने या अपनी बात रखने के लिए खड़े होते हैं तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि पिछली बार जब उन्होंने बोलने की कोशिश की थी, तब उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कुछ 'समझौतों' पर बुनियादी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन उन्हें बार-बार रोक दिया जाता है। यहां चर्चा डेमोक्रेटिक प्रोसेस और स्पीकर की भूमिका के बारे में है। कई बार मेरा नाम लिया गया है और मेरे बारे में अजीब बातें कही गई हैं। यह सदन भारत के लोगों की आवाज है। यह किसी एक पार्टी को नहीं, बल्कि पूरे देश को रिप्रेजेंट करता है। हर बार जब हम बोलने के लिए उठते हैं, तो हमें बोलने से रोक दिया जाता है।

बीजेपी की तरफ से राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दिया। राहुल गांधी के दावों को गलत बताते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं एलओपी को याद दिलाना चाहता हूं कि पीएम नरेंद्र मोदी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। मैं एक और बात कहूंगा: क्या पॉइंट ऑफ ऑर्डर में बहस की इजाजत है? नहीं है।

इसके बाद रविशंकर प्रसाद ने ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के लाए गए नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, मुझे यह मोशन समझ नहीं आ रहा है। गौरव गोगोई ने पूछा कि किताब को कोट करने में क्या दिक्कत है। किताब, जो कभी पब्लिश नहीं हुई, सर्कुलेट हो गई। कोई इसे कैसे ऑथेंटिकेट कर सकता है?

सिविल सेवा में 5 साल में चयनित 389 एसटी उम्मीदवारों में से 159 मीणा

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई 2025) के नतीजे छह मार्च को जारी हुए। इस वर्ष यूपीएससी ने कुल 958 उम्मीदवारों को सफल घोषित किया। इस परीक्षा के द्वारा आईएएस, आईएफएस और आईपीएस समेत केंद्र सरकार की प्रथम श्रेणी की 23 सेवाओं के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

सीएसई 2025 के नतीजे जारी होते ही सोशल मीडिया पर यह बहस चल पड़ी कि क्या अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के उम्मीदवारों में मीणा सरनेम वाले उम्मीदवारों की संख्या उनकी जनसंख्या के अनुपात से कई गुना ज्यादा है। मीणा सरनेम को लेकर यह बहस पहली बार नहीं चली है। पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया पर यह मुद्दा विभिन्न परीक्षा परिणामों के जारी होते ही चर्चा में आ जाता है। मीणा समुदाय को लेकर चलने वाली इन चर्चाओं के बारे में आंकड़े क्या कहते हैं? इस सवाल का जवाब पाने के लिए जनसत्ता ने सीएसई के पिछले पाँच साल के नतीजों को खंगाला और यह जानने का प्रयास किया कि एसटी वर्ग के तहत चुने जाने वाले उम्मीदवारों में मीणा या मीना सरनेम वाले कितने उम्मीदवार थे। यहाँ यह स्पष्ट कर दें कि कुछ मामलों में मिलते-जुलते सरनेम वाले उम्मीदवार अन्य समुदायों के भी हो सकते हैं। आगे बढ़ने से पहले यह जान लेते हैं कि सीएसई 2025 में चुने हुए गये उम्मीदवारों की वर्गवार संख्या क्या है।

सीएसई 2025 में जनरल कैटेगरी (जीसी) के 317,अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 306, अनुसूचित जाति (एससी) के 158, आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) के लिए 104 और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 73 उम्मीदवार सफल घोषित किये गये। इस तरह कुल 958 उम्मीदवारों का चयन हुआ।

ढाई दिन में मिलेगा सिलिंडर

सरकार का दावा-एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह नियंत्रण में, नहीं होगी कोई किल्लत

गलत जानकारी के कारण कुछ लोग घबराकर सिलिंडर बुक करा रहे। मैं साफ करना चाहती हूं कि घरेलू एलपीजी की हमारी सामान्य डिलीवरी साइकिल लगभग ढाई दिन की है, इसलिए जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है।

सुजाता शर्मा, संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति बिना किसी बाधा के और पूरी तरह से सुरक्षित रूप से जारी है। घरेलू उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद ढाई दिनों में सिलिंडर मिल जा रहा है और यह डिलिवरी की सामान्य साइकिल है।

मंत्रालय ने देशवासियों से अपील की है कि वे एलपीजी सिलेंडर की किल्लत की किसी भी प्रकार की आशंका के चलते 'पैनिक बुकिंग' बिल्कुल न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक ब्रीफिंग में पत्रकारों को बताया कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'फीडबैक से पता चलता है कि गलत जानकारी के कारण कुछ लोग घबराकर सिलिंडर बुक करा रहे हैं और जमाखोरी कर रहे हैं। मैं साफ करना चाहती हूं कि घरेलू एलपीजी की हमारी सामान्य डिलीवरी साइकिल लगभग ढाई दिन की है, इसलिए मैं अनुरोध करती हूं ग्राहकों को सिलिंडर बुक कराने के लिए जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है घबराकर बुकिंग कराने की कोई जरूरत नहीं है।'

पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी ने बताया कि दो एलएनजी कार्गो भारत की ओर चल पड़े हैं। कुछ ही दिनों में देश पहुंच जाएंगे। हमारी रिफाइनरी अधिकतम क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। कुछ रिफाइनरी 100% से अधिक की क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह मजबूत है, लेकिन अफवाहों के चलते हो रही 'पैनिक बुकिंग' को रोकने के लिए ही सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव किया है।

दो बुकिंग के बीच के अंतर को 21 से बढ़ाकर 25 दिन किया गया

मंत्रालय ने साफ किया है कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स पूरी तरह से सामान्य और सुचारू तरीके से काम कर रहे हैं। वर्तमान में घरेलू परिवारों के लिए एलपीजी सिलेंडर का सामान्य डिलीवरी चक्र मात्र ढाई दिन पर स्थिर बना हुआ है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद अधिकतम ढाई दिन में सिलिंडर मिल जा रहा है। इसके साथ ही, सरकारी नीतिगत उपायों के सकारात्मक परिणामस्वरूप तरलीकृत पेट्रोलियम गैस के उत्पादन में 25% वृद्धि दर्ज की गई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने आम उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि गैस आपूर्ति की कोई कमी नहीं है, इसलिए बाजार में किसी भी प्रकार की घबराहट या पैनिक बुकिंग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। शर्मा ने बताया कि मांग को मैनेज करने के लिए अस्थायी तौर पर दो एलपीजी बुकिंग के बीच के न्यूनतम अंतर को 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की हेराफेरी रोकने के लिए 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' (डीएसी) सिस्टम लागू किया गया है।

अल्पसंख्यक शब्द की परिभाषा तय करने की मांग करेगी विहिप

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विएचपी) अल्पसंख्यक शब्द की परिभाषा तय करने की मांग करेगी। वह देश के विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से मिलकर यह मुद्दा संसद के पटल पर उठाने और इससे संबंधित कानून पास कराने की मांग करेगी। इसके लिए विहिप का एक प्रतिनिधि मंडल 9 मार्च से 27 मार्च के बीच विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से मुलाकात करेगा।

विहिप नेता बजरंग लाल बागड़ा ने बुधवार को कहा कि अल्पसंख्यक शब्द की परिभाषा तय न होने से समाज में विपरीत परिस्थिति पैदा हो रही है। किसी राज्य या स्थान विशेष में एक समुदाय की आबादी बहुत अधिक होने के बाद भी वे अल्पसंख्यक माने जाते हैं और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाते हैं, जबकि उसी स्थान पर जनसंख्या में बहुत कम होने के बाद भी हिंदू समुदाय के लोगों को इसका लाभ नहीं मिलता।

कई राज्यों और जिलों में हिंदुओं की आबादी बहुत कम है, लेकिन वे अपने बच्चों के लिए दूसरे वर्गों की तरह स्कूल-कॉलेज में शिक्षा देने में वह लाभ नहीं ले पाते जो दूसरे अल्पसंख्यक वर्ग ले रहे हैं। वहीं, कुछ समुदाय कुछ राज्यों में भारी आबादी होने के बाद भी अल्पसंख्यक होने का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक शब्द की परिभाषा तय होने से यह विसंगति दूर हो सकेगी। विहिप नेता सांसदों से मिलकर जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की मांग भी करेंगे। इसमें अलग-अलग समुदायों की जनसंख्या में पैदा हो रहे असंतुलन का मुद्दा भी उठाया जाएगा जिससे सभी समुदाय का विकास संतुलित दर से हो।

बस और कार की भिड़ंत, तीन की मौत

शाहजहांपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के अल्हागंज थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। बरेली फर्रुखाबाद हाईवे पर सुगसुगी मोड़ से पहले रोडवेज बस और कार की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 30 वर्षीय अरुण, 32 वर्षीय ऋषभ और 30 वर्षीय संजय की मौत हो गई। तीन युवक लखीमपुर खीरी के थाना मोहम्मदी क्षेत्र के मुड़ा खालसा अमीन नगर के निवासी थे। दो लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो नए ब्रिज के निर्माण को कैबिनेट की मिली मंजूरी

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। और कानपुर के बीच यात्रा को सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी परियोजना को मंजूरी दी है। कैबिनेट की बैठक में सरसैया घाट से शुक्लागंज (उन्नाव) के बीच लगभग 4200 मीटर लंबाई के दो-दो लेन वाले दो नए ब्रिज बनाने के प्रस्ताव को स्वीकृत दी गई है। इस परियोजना की कुल लागत करीब 753.13 करोड़ रुपये है, जिससे निर्माण कार्य के लिए 460 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की निगरानी में पूरी की जाएगी। निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य पुल निगम को सौंपी गई है और इसे 36 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कैबिनेट ने मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे इंटीग्रेटेड कंस्ट्रक्शन एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। करीब 200 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनने वाले इस क्लस्टर के लिए 213.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह परियोजना अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत विकसित की जाएगी और इसे 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है।

14 किलोमीटर की दूरी करीब 4 किलोमीटर रह जाएगी

ब्रिज बनने के बाद कानपुर नगर की वीवीआईपी रोड सीधे ट्रांसगंगा सिटी से जुड़ जाएगी। इससे अभी लगभग 14 किलोमीटर की दूरी करीब 4 किलोमीटर रह जाएगी और गंगा बैराज पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। शुरुआत में यहां चार लेन का एक पुल बनाने की योजना थी, लेकिन शहर में जहां पुल उतरता वहां भारी ट्रैफिक जाम की धमकी को देखते हुए अब दो-दो लेन के दो अलग सेतुओं के निर्माण का फैसला लिया गया है। इन सेतुओं को रानीघाट और घोवीघाट के पास जोड़ा जाएगा, जिससे जाजमऊ पुल पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। भविष्य में इन पुलों को गंगा रिवर फ्रंट से जोड़ने की भी योजना है।

तीन कंपनियों को 82.65 करोड़ की सब्सिडी

कैबिनेट ने विदेशी निवेश और तुरंत निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत 82.65 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। जागरण की खबर के मुताबिक, इसके तहत टीआई मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड को मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश पर 14.77 करोड़ रुपये, विजन सोर्स एलएलपी को 65.35 करोड़ रुपये और यूनिलीवर इंडिया लिमिटेड को जीएसटी के रूप में 2.53 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी दी जाएगी।

उपभोक्ता संरक्षण परिषद के गठन को भी मंजूरी

कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश राज्य और जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद (प्रथम संशोधन) नियमावली-2026 को भी मंजूरी दी है। नए नियमों के तहत जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद के गैर-सरकारी सदस्यों को डीएम द्वारा नामित किया जाएगा।

निकायों और प्राधिकरणों को मिलेंगे 1000 करोड़ से अधिक

सरकार ने शहरी निकायों और विकास प्राधिकरणों को दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप शुल्क से मिलने वाली सब्सिडी को अब तिमाही के बजाय निकायों किस्तों में जारी करने का फैसला किया है। इससे नगर निगमों, नगर पालिकाओं और विकास प्राधिकरणों को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जल्द उपलब्ध हो जाएगी।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर 5.75 करोड़ की ठगी

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। इन दिनों सोशल मीडिया पर एडवरटाइजमेंट निकालकर आम लोगों से ठगी हो रही है। खासकर पढ़े लिखे नौकरीपेशा वाले लोग इसके शिकार बन रहे हैं। पिछले जनवरी महीने से अब तक 2 महीने के भीतर 19 मामले सामने आए हैं। इसमें 5,75,81,608 (5.75 करोड़) रुपये की ठगी हुई है। इसमें लोगों से क्रिप्टो करेंसी, म्यूचुअल फंड, गेमिंग एप, शेयर मार्केट, ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की गई है।

इसमें से अधिकतर निवेश करने वाले नौकरी पेशे से जुड़े हैं। साइबर एसएचओ नीतिश चंद्र धारिया(डीएसपी) ने बताया कि, 'इन दिनों कम समय में ज्यादा मुनाफा देने के नाम पर इन्वेस्टमेंट के लिए सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए एडवर्टाइजमेंट निकाले जा रहे हैं। इनके टेलीग्राम, व्हाट्सएप? ग्रुप वगैरह भी है, जिसमें जो लोग एडवर्टाइजमेंट के जरिए संपर्क करते हैं, उन्हें जोड़ा जाता है।

'युवाओं के बाद बिहार से मुख्यमंत्री का भी पलायन'

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर पीके का तंज

रोहतास, 11 मार्च (एजेंसियां)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर तंज कसते हुए कहा कि पहले सिर्फ बिहार से युवाओं का पलायन होता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री भी पलायन कर रहे हैं। सरकार ने चुनाव के समय अपराध पर लगाम लगाने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने एवं पलायन रोकने जैसे बड़े-बड़े वादे किए थे और आज स्थिति यह है कि सब कुछ पहले से ज्यादा बढ़ गया है।

उन्होंने पलायन के मुद्दे पर जोर देकर कहा कि पिछले वर्ष नवंबर के बाद से

बिहार के 50 से ज्यादा लोगों की अन्य राज्यों में मौत हो चुकी है। अगर लोग इसी तरह धर्म, जाति एवं पैसों के लालच में वोट देंगे, तो बिहार की स्थिति कभी नहीं सुधरेगी। बता दें कि प्रशांत किशोर सासाराम आगमन के दौरान एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

प्रशांत किशोर ने पिछले विधानसभा चुनाव में मिली हार पर कहा कि उन्होंने हिंदू मुस्लिम, ऊंच नींच, जाति एवं पैसे के प्रलोभन वाली राजनीति ना करके बहुत बड़ी गलती कर दी। उन्होंने ईमानदारी से बिहार के बच्चों के नाम पर वोट देने की अपील की, लेकिन लोगों को बात समझ में नहीं आई। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक बिहार में सुधार नहीं होगा, जनसुराज पूरी ईमानदारी से प्रयास करता रहेगा।

फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का शव

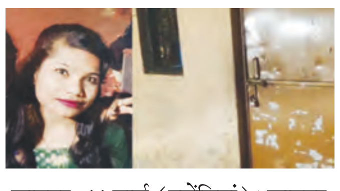

कानपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में गुजैनी थानाक्षेत्र के वरुण विहार में नवविवाहिता नीलम साहू (28) का सड़ा शव फंदे पर लटका मिला। पति की फोन कॉल न उठने पर पड़ोसी को भेजा गया, जिसने घर से बदबू आने की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। परिजन ने पति पर घरेलू कलह में हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आईएसआई का जासूस निकला इंडियन नेवी का लांस नायक

यूपी एटीएस ने आगरा से किया अरेस्ट

आगरा, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (यूपी एटीएस) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारतीय नौसेना के एक लांस नायक को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आदर्श कुमार उर्फ लकी के रूप में हुई है।

आरोपी आगरा जिले के कागारौल थाना क्षेत्र के चीतपुर गांव का निवासी है। 24 वर्षीय आदर्श कुमार वर्तमान में दक्षिणी नेवल कमांड, कोच्चि (केरल) में लांस नायक के पद पर तैनात था। एटीएस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि कोई व्यक्ति पाकिस्तानी

एजेंटों के संपर्क में रहकर भारत की संवेदनशील सैन्य जानकारी साझा कर रहा है। गहन जांच और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के बाद लकी का नाम सामने आया। जासूसी के आरोप और सबूत जांच में पाया गया कि लकी ने आईएसआई एजेंटों को भारतीय युद्धपोतों की गोपनीय तस्वीरें और विस्तृत जानकारी भेजी।

11 साल बाद जेल से जमानत पर बाहर आया हत्यारा

मेरठ, 11 मार्च (एजेंसियां)। 11 साल तक जेल की सलाखों के पीछे रहने के बाद जमानत पर घर लौटे युवक ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। मामूली कहासुनी के बाद उसने पहले अपनी भाभी पर तेजाब फेंकने की कोशिश की, लेकिन बीच-बचाव करने आईं उसकी दूसरी भाभी और दो भतीजियों पर तेजाब गिर गया। इस दर्दनाक घटना में तीनों गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और उसकी तलाश जारी है।

गोतस्करों ने पुलिस टीम पर की फायरिंग, मुठभेड़ के बाद 5 बदमाश दबोचे

गाजियाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गोतस्करी करने वाले गिरोह के पांच बदमाशों को पकड़ लिया। इनमें दो बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीन को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल के मुताबिक देर रात साढ़े 12 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में बीते दिनों गोकशी की घटना को अंजाम देने वाला गिरोह फिर से सक्रिय हो गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एबीईएस कट और चिपियाना अंडरपास के पास चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक संदिग्ध होंडा सिटी कार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन उसमें सवार बदमाश कार मोड़कर भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

भ्रम में न रहें, बिहार में कल भी एनडीए सरकार थी और आगे भी रहेगी

आखिर क्या कहना चाह रहे विजय सिन्हा?

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में अंचलाधिकारी और राजस्व कर्मचारियों की जारी हड़ताल के बीच राज्य सरकार का रुख सख्त होता नजर आ रहा है। उपमुख्यमंत्री और भूमि सुधार तथा राजस्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताल पर बैठे अधिकारियों को साफ चेतावनी दी है कि वे जल्द से जल्द काम पर लौट आएं। उन्होंने कहा कि हड़ताल के हर दिन की गिनती की जा रही है और अगर अधिकारी वापस नहीं आते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार जनहित से जुड़े कामों को रुकने नहीं देगी और किसी भी दबाव की राजनीति को स्वीकार नहीं

किया जाएगा। विजय सिन्हा ने अपने बयान में राजनीतिक संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी, आज भी वही सरकार है और आगे भी एनडीए की ही सरकार रहेगी।

एनडीए सरकार को लेकर भी दिया स्पष्ट संदेश

उन्होंने कहा कि जनता के मजबूत जनमत से बनी सरकार पूरी मजबूती के साथ काम कर रही है और किसी भी तरह की साजिश या भ्रम को सफल नहीं होने दिया जाएगा। डिप्टी सीएम ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि किसी को भी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले भी एनडीए की सरकार थी और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा, कुछ लोग सोच रहे हैं कि परिस्थितियां बदल जाएंगी और उन्हें राहत मिल जाएगी। वे इस गलतफहमी में न रहें। सरकार जनता के हित में काम कर रही है और किसी की साजिश सफल नहीं होगी।

हड़ताल के कारण प्रभावित हो रहे काम

बिहार में अंचलाधिकारी और राजस्व विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण कई जिलों में अंचल कार्यालयों का काम प्रभावित हो रहा है। जमीन से जुड़े दाखिल खारिज, प्रमाण पत्र और अन्य प्रशासनिक कार्यों में रुकावट आ रही है। सरकार का कहना है कि यह स्थिति आम लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रही है। इसलिए कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहिए।

भड़काने वालों को भी दी चेतावनी

डिप्टी सीएम ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोग हड़ताल कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें सफल नहीं होंगी। विजय सिन्हा ने कहा कि जो कर्मचारी काम कर रहे हैं, उन्हें भी धमकाया जा रहा है। ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एक दुल्हन, दो दूल्हे, फिर भी हाथ नहीं हुए पीले

मुजफ्फरनगर, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर जिले के खतौली इलाके के एक गांव में शादी की तैयारियां दो बरात पहुंच जाने के कारण खटाई में पड़ गई। घराती और बराती उलझे मसले को सुलझाने में जुटे थे इसी बीच चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम पहुंच गई। दुल्हन की उम्र को लेकर विवाद बढ़ गया। इस कारण दूल्हों को बिना फेरे लिए ही लौटना पड़ गया।

वहीं, दुल्हन को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया। चिकित्सीय परीक्षण के बाद दुल्हन की उम्र तय होगी। दुल्हन के पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी की शादी छह माह पहले शामली के गांव बाबरी निवासी प्रदीप उर्फ अनिल के साथ तय की थी। शादी से एक दिन पहले सोमवार को दूल्हे के भाई का निधन हो गया।

दुल्हन के साथ हुई खौफनाक घटना दबंगों ने की पिटाई; जेवर भी लूटे

कानपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात स्थित रसूलाबाद थाना क्षेत्र से एक बड़ी वारदात सामने आई है। औरैया से दुल्हन विदा कराकर लौट रहे दूल्हे की कार को बदमाशों ने रास्ते में रोककर हंगामा किया। इस दौरान दबंगों ने दूल्हे और कार चालक को बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं, इन्होंने दुल्हन के साथ भी मारपीट की और फिर उसके गहनों पर भी हाथ साफ कर दिया। जानकारी के मुताबिक, बारात औरैया जिले से रसूलाबाद आई थी। शादी की रस्में पूरी होने के बाद दूल्हा अपनी नई नवेली दुल्हन को विदा कराकर वापस लौट रहा था। जैसे ही उनकी कार भवनपुर भट्ठा के पास पहुंची, पहले से घात लगाए बैठे दबंगों ने रास्ता रोक लिया।

बताया जा रहा है कि हमलावरों ने गाड़ी रुकते ही हमला बोल दिया। दबंगों ने दूल्हे और कार चालक को गाड़ी से खींचकर बेरहमी से पीटा। विरोध करने पर दुल्हन के साथ भी अभद्रता और मारपीट की गई। हंगामा करते हुए बदमाशों ने दुल्हन द्वारा पहने गए कीमती जेवरात जबरन लूट लिए। इस वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वारदात के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची,

एक महीने में 900 नई अदालतों के गठन का आदेश, कल हाई कोर्ट फिर करेगा सुनवाई

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में 900 नई अदालतों के गठन को लेकर चल रहे मामले में प्रमुख सचिव विधि ने इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष उपस्थित होकर भरोसा दिलाया कि सक्षम स्तर पर आवश्यक औपचारिक प्रक्रिया एक माह के भीतर पूरी कर ली जाएगी। इस आश्वासन के बाद न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 अप्रैल की तिथि निर्धारित कर दी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज की गई जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में प्रदेश में लंबित मामलों को देखते हुए कुल 9149 अदालतों के गठन की आवश्यकता का मुद्दा उठाया गया है। राज्य सरकार की उच्च स्तरीय समिति ने अक्टूबर 2024 में पहले चरण में 900 नई अदालतों के गठन को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी।

प्रस्तावित अदालतों में 225 उच्च न्यायिक सेवा (एचजेएस) स्तर की, 375 सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और 300 सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालतें शामिल हैं। हालांकि लंबे समय तक प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने पर न्यायालय ने पिछली सुनवाई में नाराजगी जताते हुए प्रमुख सचिव विधि को व्यक्तिगत रूप से तलब किया था। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से एक माह में प्रक्रिया पूरी करने का आश्वासन दिया गया, जिस पर अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि तय कर दी।

सिलिंडर के लिए लंबी कतार में खड़ी युवती बेहोश

कानपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में गैस संकट का नजारा गुजैनी स्थित चंदेल गैस एजेंसी पर देखने को मिला। गैस सिलिंडर पाने की जद्दोजहद में घंटों से कतार में लगी एक युवती राधा अचानक गश खाकर गिर पड़ी और बेहोश हो गई। युवती के गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया।

लाइन में खड़े उपभोक्ताओं का दर्द छलक पड़ा। लोगों का कहना है कि वे पिछले 15 दिनों से बुकिंग कराने के बावजूद रोज सुबह से शाम तक कतार में लगते हैं, लेकिन उन्हें सिलिंडर नहीं मिल रहा। स्थिति यह है कि कई परिवारों को गैस लिए हुए डेढ़ महीने से अधिक का समय हो गया है और घर में चूल्हा जलना मुश्किल हो रहा है।

ओम प्रकाश राजभर ने शिवपाल को बताया बिच्छू

आजमगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी के गढ़ आजमगढ़ में पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहे हैं। आजमगढ़ पहुंचे राजभर ने ना केवल क्षेत्र की जर्जर सड़कों के निर्माण का श्रीगणेश किया, बल्कि सपा नेता शिवपाल यादव और अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। राजभर आजमगढ़ की बदहाल सिकंदरपुर-नारियांव सड़क का हाल जानने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने शिवपाल यादव को घेरते हुए कहा कि वे 5 साल तक लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने इस इलाके की सुध नहीं ली। राजभर ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने समस्या रखते ही सड़क निर्माण की मंजूरी मिल गई और काम भी शुरू हो गया। उन्होंने इसे डबल इंजन सरकार की असली ताकत बताया।

मीडिया से बातचीत के दौरान जब राजभर से शिवपाल यादव के बयानों पर सवाल किया गया, तो उन्होंने तीखा प्रहार किया। राजभर ने कहा कि हम शिवपाल जैसे छोटे लोगों की चर्चा नहीं करते। बिच्छू भले ही छोटा होता है, लेकिन जब वह डंक मारता है तो दर्द बहुत गहरा होता है। ये वही छोटे लोग हैं जिनके साथ आने पर ही कभी सपा की सरकार बनी थी। राजभर यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि अगर शिवपाल इतने ही बड़े नेता हैं तो प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन जाते? उन्होंने तंज कसा कि अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, तब उन्हें इन्हीं छोटे दलों की याद आई थी।

फर्जी फर्म से 1.73 करोड़ की जीएसटी चोरी

कानपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। फर्जी फर्म बनाकर 1.73 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी कर की गई। राज्यकर विभाग की जांच में मामला उजागर होने के बाद राज्यकर अधिकारी ने स्वरूप नगर थाने में फर्म मालिक महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राज्यकर अधिकारी दीपक सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि केंद्रीय क्षेत्राधिकार में पंजीकृत फर्म एसएस इंटरप्राइजेज को 15 दिसंबर को जीएसटी नंबर जारी किया गया था। फर्म की मालिक प्रतापगढ़ जनपद के पर्वतपुर निवासी सिम्मी सिंह का नाम दर्ज है। जांच के दौरान जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध दस्तावेजों की समीक्षा में कई संदिग्ध तथ्य सामने आए। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी 2026 के दौरान फर्म ने लगभग 6.50 करोड़ रुपये की आउटवर्ड सप्लाई दर्शाई।

26 शर्तों के बाद शंकराचार्य को मिली अनुमति पर बोले अखिलेश यादव

आंख और मुंह कितने सेंटीमीटर खुले?

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्वामी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के प्रस्तावित कार्यक्रम को प्रशासन ने सशर्त अनुमति दे दी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण की स्मारक समिति और पुलिस ने कुल 26 शर्तें तय करते हुए आयोजन की इजाजत दी है। अब इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा सरकार पर इसको लेकर तंज भी कसा है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर कन्नौज सांसद ने लिखा कि आंख और मुंह कितने सेंटीमीटर खुल सकते हैं, ये शर्त भी रख देते... किसी को 'हाता नहीं भाता', इसीलिए वो 'शर्तों' का है अंबार लगाता।

विनाशकाले विपरीत बुद्धि- अखिलेश

यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि भाजपाई सनातन का सम्मान नहीं कर सकते हैं तो भले न करें परंतु अपमान भी न करें। उप्र की अहंकारी सरकार जिस समाज विशेष के मान की बाँह मरोड़ रही है, वो बात उस समझदार समाज को समझ आ रही है। यहाँ तक कि उस समाज के जो लोग बीजेपी सरकार में मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद या कहें किसी और तरह के जनप्रतिनिधि हैं, वो भी इस मामले में अपने समाज से मुँह छिपा रहे हैं लेकिन बीजेपी की भट्ठी पर अपने स्वार्थ की रोटी सेंकनेवाले ऐसे भाजपाई जनप्रतिनिधि, अपने ही समाज में सम्मान खो चुके हैं। जनता अगले चुनाव में उनको सबक सिखाएगी। इन जनप्रतिनिधियों में से जो कुछ लोग अपने समाज के सच्चे शुभचिंतक हैं वो उन अन्य दलों के संपर्क में हैं जो सदैव सनातन और इस समाज का सम्मान भी करते रहे हैं और जिन्होंने उन्हें सदैव यथोचित मान-स्थान भी दिया है। उन्होंने लिखा कि और हां... 'कोविड-19' अभी भी चल रहा है क्या? अगर ये सच है तो सरकार की अपनी किस मीटिंग या बीजेपी के किस आयोजन में इसका आख़िरी बार अनुपालन हुआ, उसका प्रमाण दिया जाए।

भाजपाई और उनके संगी-साथियों की भूमिगत बैठकों में क्या ये लागू होता है। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसी कारण 'बाटी-चोखा' वाली बैठक पर पाबंदी लगाई गयी थी। अतार्किक बंदिशें लगाना कमज़ोर सत्ता की पहचान होती है। निंदनीय! घोर आपत्तिजनक!! विनाशकाले विपरीत बुद्धि!!!

सरकारी आदेश न मानना पड़ा भारी भागलपुर के 45 शिक्षकों का कटेगा वेतन

भागलपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। मूल्यांकन कार्य में अनुपस्थित रहने के मामले में स्पष्टीकरण देने के बावजूद 45 शिक्षकों की परेशानी कम नहीं हुई है। जिला शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक मानते हुए उनके वेतन से कटौती की कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। दरअसल बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से चल रहे इंटर और मैट्रिक उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य के लिए गोराडीह प्रखंड के 45 शिक्षकों की ड्यूटी सीएमएस स्कूल स्थित मूल्यांकन केंद्र पर लगाई गई थी। इस संबंध में विभाग द्वारा ड्यूटी चार्ट भी जारी किया गया था।

सुविचार: जहाँ सम्मान ना हो वहां कभी जाना नहीं चाहिए, जो अपमान करे उसे कभी बुलाना नहीं चाहिए!

वेलुगुमटला में गरीबों के लिए आदर्श बस्ती बनाई जाएगी : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि खम्मम जिले के मुख्यालय स्थित वेलुगुमटला में गरीबों के लिए ऐसी आदर्श बस्ती का निर्माण किया जाएगा, जिसे देखने के लिए देश के अन्य राज्यों के लोग भी आएंगे।

उन्होंने कहा कि वेलुगुमटला गांव में गरीबों को आवासीय भूखंड वितरित करने के बाद शेष 16 एकड़ भूमि का उपयोग तेलंगाना पब्लिक स्कूल और अन्य सरकारी शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के लिए किया जाएगा। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार भूदान भूमि पर गरीबों के लिए इंदिरम्मा आवासों का निर्माण ही नहीं करेगी, बल्कि बिजली, पेयजल, सड़क, अस्पताल, सामुदायिक भवन और शॉपिंग परिसर जैसी सभी मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंदिरम्मा आवासों का निर्माण गुरुवार से शुरू किया जाए और इस आदर्श बस्ती का निर्माण 9 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 412 पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें बिना किसी भेदभाव के आवासीय पट्टे दिए गए हैं और उनके लिए इंदिरम्मा आवास बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न जिलों के 101 गरीब लाभार्थियों को भी अपने-अपने गांवों में उपलब्ध भूमि पर इंदिरम्मा आवास बनाने की अनुमति पत्र प्रदान किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले के शासकों ने दस वर्षों तक गरीबों को घर देने का वादा किया, लेकिन एक भी घर नहीं बनाया, जिससे गरीब निराशा में जीते रहे। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कुछ लोग सरकार को बदनाम करने के लिए जानबूझकर गलत सूचनाएँ फैला रहे हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि गरीबों को इन योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने बताया कि वेलुगुमटला में वर्षों से एक माफिया नेटवर्क गरीबों से धन वसूल रहा था और समानांतर व्यवस्था चला रहा था, जबकि उन्हें मूलभूत सुविधाएँ भी नहीं मिल रही थीं। सरकार ने अब यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि गरीब सम्मान और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकें। उन्होंने गरीबों और अधिकारियों दोनों को सलाह दी कि गरीबों का शोषण करने वाली माफिया ताकतों को उनके पास भी न आने दिया जाए।

नारायण ने कावुरी संबासिव राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ सीपीआई नेता के. नारायण ने अनुभवी राजनेता कावुरी संबासिव राव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। अपने शोक संदेश में उन्होंने संबासिव राव को ईमानदारी और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित राजनीतिक नेता बताया। उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता को सभी दलों में आदर प्राप्त था और उन्होंने लोकतांत्रिक राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नारायण ने उनके साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनका निधन राजनीतिक क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अध्यक्ष का निर्णय लोकतंत्र के लिए आघातः बंडी संजय

नई दिल्ली / हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार द्वारा दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि के विरुद्ध दायर अयोग्यता याचिकाएँ खारिज किए जाने के निर्णय की कड़ी आलोचना की। दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णय लोकतंत्र की हत्या के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले से दलबदल को बढ़ावा मिला है और दलबदल विरोधी कानून कमजोर हुआ है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे इन विधायकों की रक्षा कर रहे हैं, जबकि वे भारत राष्ट्र समिति के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद खुले तौर पर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुनाव लड़ने के बाद भी अयोग्यता का नियम लागू न होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। बंडी संजय ने कहा कि इस फैसले से विधान व्यवस्था पर जनता का विश्वास कमजोर हुआ है और उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी इस निर्णय को तेलंगाना उच्च न्यायालय में चुनौती देगी और न्यायपालिका से न्याय मिलने का विश्वास व्यक्त किया।

सुधीर संघी को श्रद्धांजलि अर्पित

देश के जाने-माने उद्योगपति, सुधीर संघी का 8 मार्च को निधन हो गया था। बुधवार को बंजारा हिल्स के हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर में उनकी श्रद्धांजलि सभा रखी गई। इस मौके पर भक्ति गीतों के साथ भजन का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर उन भाई प्रसिद्ध उद्योगपति रवि संघी एवं वार्ता समाचार पत्र प्रकाशन समूह के प्रबंध निदेशक व पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी के साथ ही परिवार के सदस्य और रिश्तेदारों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर दिवंगत सुधीर संघी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

धूम्रपान मुक्त जीवनशैली के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता : श्रुति पाटिल

'धूम्रपान निषेध दिवस' पर पीआईबी ने संवाद सत्र आयोजित किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ''धूम्रपान निषेध दिवस'' के अवसर पर प्रेस सूचना ब्यूरो, हैदराबाद ने सीजीओ टावर्स में 'वार्ता' मीडिया संवाद सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पीआईबी हैदराबाद की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल ने धूम्रपान मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जागरूकता फैलाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। पीआईबी हैदराबाद के उपनिदेशक मानस कृष्णकांत ने कहा कि मार्च के दूसरे बुधवार को मनाया जाने वाला धूम्रपान निषेध दिवस धूम्रपान करने वालों को तंबाकू के सभी रूपों को छोड़ने की याद दिलाता है। मुख्य वक्तव्य देते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाहकार जी. श्रीगना ने तंबाकू सेवन और क्षयरोग के बीच संबंध पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भारत में क्षयरोग के मामले वैश्विक बोझ का लगभग 25 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा कि तंबाकू का उपयोग क्षयरोग महामारी को बढ़ावा देता है और इसके नियंत्रण के बिना क्षयरोग उन्मूलन संभव नहीं है। सूचना, शिक्षा और संचार अधिकारी जितेन्दर ने चेतावनी दी कि परोक्ष धूम्रपान भी उतना ही हानिकारक है और जनजागरूकता अभियानों में मीडिया की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

महिला छात्राएँ उद्यमी बनकर मजबूती प्रदान करें : कुलपति

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी. आर. आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति घंटा चक्रपाणि ने छात्राओं से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और उद्यमी के रूप में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने महिला शिक्षार्थियों में उद्यमशील सोच विकसित करने और रोजगार संबंधी कौशल बढ़ाने के लिए 'वी-एनेबल' पहल शुरू की है। मुख्य वक्ता प्रियंका वर्गीज, निदेशक, तेलंगाना वन अकादमी ने कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान की शुरुआत घर से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संसाधनों तक पहुंच महिलाओं को शैक्षणिक और आर्थिक सफलता प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक निदेशक जी. पुष्पा चक्रपाणि ने कहा कि महिलाएँ समाज की एक सशक्त शक्ति हैं और शिक्षा के माध्यम से भेदभाव समाप्त करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलसचिव एल. विजय कृष्णा रेड्डी ने विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए छात्राओं को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। महिला विकास एवं विस्तार केंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी और छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए।

एयर मार्शल राहुल भसीन ने वायुसेना अकादमी के कमांडेंट का पद संभाला

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एयर मार्शल राहुल भसीन ने 9 मार्च को दुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी के कमांडेंट का पदभार वायु मार्शल प्रवीण केशव वोहरा से ग्रहण किया। वायु मार्शल भसीन जून 1990 में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान शाखा में नियुक्त हुए थे। वे खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, सिकंदराबाद स्थित रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय तथा लंदन स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज के पूर्व छात्र हैं। वायु अधिकारी को संचालनात्मक उड़ानों, कमान तथा स्टाफ से संबंधित दायित्वों का व्यापक अनुभव है। उन्हें विभिन्न लड़ाकू विमानों पर उड़ान का 3500 से अधिक घंटों का अनुभव प्राप्त है।

वे योग्य उड़ान प्रशिक्षक तथा यंत्र आधारित उड़ान प्रशिक्षण के प्रशिक्षक और परीक्षक भी हैं। अपने सेवा काल में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें अग्रिम पंक्ति के एक लड़ाकू स्क्वाड्रन के कमांडिंग अधिकारी, मुख्य संचालन अधिकारी, एक लड़ाकू वायुसेना अड्डे के वायु अधिकारी कमांडिंग, कमान तथा वायु मुख्यालय में संचालन स्टाफ तथा सहायक वायुसेना प्रमुख (अंतरिक्ष संचालन) जैसे पद शामिल हैं। वायुसेना अकादमी के कमांडेंट का पदभार ग्रहण करने से पहले वे महानिदेशक (शस्त्र प्रणाली) के रूप में कार्यरत थे। उनकी विशिष्ट सेवाओं के सम्मान में भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2011 में उन्हें वायु सेना पदक से सम्मानित किया गया था।

कृषि क्षेत्र के लिए तेलंगाना में तीसरी बिजली वितरण कंपनी की स्थापना

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने बिजली क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तीसरी बिजली वितरण कंपनी के गठन का निर्णय लिया है। एक ऐतिहासिक कदम के रूप में राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र को बिजली आपूर्ति के अधिक कुशल प्रबंधन के लिए ''तेलंगाना रैतु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (टीजीआरपीडीसीएल)'' की स्थापना के आदेश जारी किए हैं। वर्तमान में राज्य में दो वितरण कंपनियां कार्यरत हैं तेलंगाना सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) और तेलंगाना नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (टीजीएनपीडीसीएल)। नई स्थापित टीजीआरपीडीसीएल को राज्य की तीसरी वितरण कंपनी के रूप में 11 मार्च 2026 को स्थापित किया गया है। सरकार ने टीजीआरपीडीसीएल का पंजीकृत कार्यालय हैदराबाद में टीजीएसपीडीसीएल कॉर्पोरेट कार्यालय परिसर के बी ब्लॉक में निर्धारित किया है। नई कंपनी के अधिकार क्षेत्र में राज्य के सभी कृषि बिजली कनेक्शन, लिफ्ट सिंचाई योजनाएं, सीपीडब्ल्यूएस / मिशन भागीरथा जल आपूर्ति प्रणालियां, हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के कनेक्शन तथा एलटी श्रेणी VI-B के अंतर्गत आने वाली नगर जल आपूर्ति कनेक्शन शामिल होंगे। कृषि क्षेत्र तथा मिशन भागीरथा, एचएमडब्ल्यूएसएसबी और लिफ्ट सिंचाई योजनाओं को बिजली आपूर्ति का विस्तार; विशेष डीटीआर के माध्यम से नगर जल आपूर्ति कनेक्शनों को बिजली उपलब्ध कराना; निर्धारित पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) के अनुसार बिजली की खरीद; नए कृषि बिजली कनेक्शन प्रदान करना; टीजीआरपीडीसीएल के अंतर्गत आने वाली परिसंपत्तियों जैसे डीटीआर और एलटी लाइनों का संचालन और रखरखाव; लिफ्ट सिंचाई, सीपीडब्ल्यूएस और एचएमडब्ल्यूएसएसबी की बिजली खपत का लेखा-जोखा; तथा नियामकीय प्रक्रियाओं और नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना।

सरकार ने इससे पहले तेलंगाना सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रहे मुशर्रफ फारूकी को टीजीआरपीडीसीएल का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। इसके साथ ही सरकार ने आदेश जारी कर वी. तिरुपति रेड्डी, पी. कृष्णा रेड्डी, वी. मोहन राव और डॉ. एन. नरसिम्हुलु, जो वर्तमान में तेलंगाना की दक्षिणी और उत्तरी वितरण कंपनियों में निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, को नई कंपनी के निदेशक मंडल का सदस्य नियुक्त किया है।

तेलंगाना के नए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कार्यभार संभालने के बाद माँ भाग्यलक्ष्मी का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया।

भीषण गर्मी में भी काम करने को मजबूर गिग वर्कर्स, स्वास्थ्य पर बढ़ा खतरा

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बढ़ती गर्मी के बीच गिग वर्कर्स को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है, लेकिन हैदराबाद के करीब चार लाख गिग वर्कर्स के लिए यही समय काम का सबसे व्यस्त समय होता है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह कुछ इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। ऐसे में बाहर काम करने वाले डिलीवरी और राइड सेवा से जुड़े लोगों के लिए आने वाले दिन काफी कठिन हो सकते हैं।

एक अध्ययन में सामने आया है कि गर्मियों के दौरान 52 प्रतिशत गिग वर्कर्स को अत्यधिक गर्मी के कारण थकान, चक्कर और कमजोरी जैसे लक्षण महसूस होते हैं।

इसके बावजूद कमाई के दबाव के कारण वे काम जारी रखने को मजबूर रहते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को तेज धूप से बचने और अधिक पानी पीने की सलाह दी है। लेकिन डिलीवरी से जुड़े श्रमिकों के लिए दोपहर का समय ही सबसे ज्यादा काम और कमाई का समय होता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कई जगहों पर श्रमिकों को ठंडा पानी, छाया या आराम करने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिलती। महिला श्रमिकों को भी सार्वजनिक शौचालयों की कमी के कारण स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। श्रमिक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि तेज गर्मी के दिनों में श्रमिकों को अतिरिक्त सुरक्षा भत्ता दिया जाए, हर घंटे कुछ समय आराम की व्यवस्था हो और शहर में पेयजल व छायादार विश्राम स्थल उपलब्ध कराए जाएं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14670695Y, Hony Hav, Lakkappa F Halabanavar, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Daughter's name from Shreya L H to Shreya Lakkappa Halabannavar vide Affidavit No.284912 dt. 10.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14670695Y, Hony Hav, Lakkappa F Halabanavar, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Son's name from Pradeep L H to Pradeep Lakkappa Halabannavar vide Affidavit No. 284913 dt. 10.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Sareeta Thakur, W/o, JC 775067M, Sub, Sanjeev Kumar, R/o, Dist: Solan, Himachal Pradesh changed my name from Sareeta Thakur to Sarita Thakur vide Affidavit No.284914 dt. 10.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana .

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

विदेश से पढ़कर आए चिकित्सा स्नातकों के लिए इंटर्नशिप की 43,250 सीटें घोषित

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विदेशों से चिकित्सा की पढ़ाई पूरी कर चुके विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप सीटों की कमी को दूर करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने वर्ष 2026-27 के लिए देशभर में 43,250 अनिवार्य रोटेटिंग चिकित्सा इंटर्नशिप सीटों की घोषणा की है। इस निर्णय से चिकित्सा स्नातकों को प्रशिक्षण के अधिक अवसर मिलेंगे। तेलंगाना में स्वीकृत 9,440 एमबीबीएस सीटों में से 4,871 सीटें विदेश से पढ़कर आए चिकित्सा स्नातकों के लिए इंटर्नशिप हेतु उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं आंध्र प्रदेश में 7,090 स्वीकृत सीटों में से 2,271 इंटर्नशिप सीटें ऐसे स्नातकों के लिए निर्धारित की गई हैं। तेलंगाना में संगारेड्डी और महबूबाबाद स्थित सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में 100 से अधिक इंटर्नशिप सीटें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी तरह आंध्र प्रदेश में मछलीपट्टनम, राजामहेंद्रवरम और एलुरु के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में लगभग 150 सीटें उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश 5,034 इंटर्नशिप सीटों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद तेलंगाना 4,871 सीटों के साथ दूसरे और कर्नाटक 4,652 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र में 3,662 और तमिलनाडु में 3,126 इंटर्नशिप सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने राज्य चिकित्सा परिषदों को निर्देश दिया है कि वे चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के साथ समन्वय कर इंटर्नशिप आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू करें, ताकि प्रशिक्षण में कोई देरी न हो।

इस फैसले से उन योग्य चिकित्सा स्नातकों को राहत मिलने की उम्मीद है जिन्होंने स्क्रीनिंग परीक्षा पास कर ली है, लेकिन इंटर्नशिप सीटों की कमी के कारण उनका पेशेवर करियर रुका हुआ था। नए नियम के अनुसार स्थापित चिकित्सा महाविद्यालयों को अपनी कुल इंटर्नशिप सीटों का 7.5 प्रतिशत हिस्सा विदेश से पढ़कर आए चिकित्सा स्नातकों के लिए आरक्षित करना होगा।

ऑनलाइन सट्टेबाजी से 1.5 करोड़ की ठगी, चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए एक व्यक्ति से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मोहम्मद सईद उद्दीन उर्फ फरीद, मोहम्मद ताजुद्दीन, मोहम्मद यूनिस उर्फ अरबाज और एमडी अयूब बताए गए हैं। ये सभी चारमीनार क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर लिए गए सिम कार्ड उपलब्ध कराए थे। इन सिम कार्डों का इस्तेमाल एक बड़े आपराधिक गिरोह द्वारा अवैध सट्टेबाजी चलाने और लोगों को फंसाने के लिए किया जाता था। इन नंबरों से लोगों को संदेश भेजकर सट्टेबाजी के बारे में जानकारी दी जाती थी। जांच में सामने आया कि सईद उद्दीन पहले दुबई में क्रिकेट सट्टेबाजी से जुड़े एक कॉल केंद्र में काम करता था। बाद में उसने अन्य आरोपियों की मदद से करीब 600 रुपये में सिम कार्ड जुटाए और उन्हें आगे बेच दिया। पुलिस के अनुसार उसने गुजरात के मुदस्सिर नाम के व्यक्ति को लगभग 250 सिम कार्ड दिए, जिसके बदले उसे प्रति सिम कार्ड 1200 रुपये मिले। इन सिम कार्डों का इस्तेमाल लोगों को फंसाकर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए ठगी करने में किया गया।

शहर का एक 36 वर्षीय व्यक्ति भी इस गिरोह का शिकार बन गया। उसे 2025 में संदेश और कॉल के माध्यम से सट्टेबाजी में निवेश करने के लिए उकसाया गया। शुरुआत में उसने 20,001 रुपये लगाए और थोड़ा लाभ मिलने के बाद वह लगातार पैसे लगाता गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने कई बार अलग-अलग खातों के माध्यम से पैसे जमा किए और अंत में अपने तथा अपनी पत्नी के खातों से मिलाकर लगभग 1.5 करोड़ रुपये लगा दिए। शुरुआत में उसे करीब 20 लाख रुपये वापस मिले, लेकिन बाद में आरोपियों ने पैसे निकालने की सुविधा बंद कर दी और पूरी रकम हड़प ली। पीड़ित की शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और धन के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने स्क्रैप बिक्री से कमाए रिकॉर्ड 602 करोड़ रुपये

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान स्क्रैप की बिक्री से रिकॉर्ड 602.06 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। यह राशि रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 510 करोड़ रुपये के लक्ष्य से काफी अधिक है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण मध्य रेलवे ने ई-नीलामी के माध्यम से कुल 1,32,583 मीट्रिक टन स्क्रैप की बिक्री की। इस प्रक्रिया से पारदर्शिता बनी रही और रेलवे परिसरों को साफ रखने में भी मदद मिली, जिससे स्वच्छ भारत मिशन को भी समर्थन मिला। इस वर्ष की आय पिछले वर्ष के 501.72 करोड़ रुपये की तुलना में 100 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में स्क्रैप बिक्री से प्राप्त अब तक की सबसे अधिक आय मानी जा रही है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी के प्रयासों से यह रिकॉर्ड आय संभव हो पाई है।

निर्माणाधीन इमारत की दीवार गिरने से छह साल की बच्ची घायल

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामनाथपुर के राम रेड्डी नगर कॉलोनी में मंगलवार शाम निर्माणाधीन इमारत की दीवार गिरने से छह साल की एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, मकान मालिक रामुलु ने कॉलोनी में अपने 80 वर्ग गज के भूखंड पर पेंटहाउस सहित बहुमंजिला इमारत का निर्माण शुरू किया था। निर्माण कार्य के दौरान ईंट की दीवार का एक हिस्सा अचानक गिर गया और पास में स्थित एस्बेस्टस शीट की छत वाले घर पर जा गिरा। दीवार गिरने से घर में मौजूद विनया नाम की बच्ची घायल हो गई। उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल बच्ची को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

मिडिल ईस्ट में फंसे 90 लाख भारतीयों को बचाना चुनौती

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के अनंतनाग में रहने वाले बिलाल अहमद भट्ट की बेटी ईरान की राजधानी तेहरान में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। 9 मार्च की रात 3 बजे बिलाल के पास उसका फोन आया। वो रो रही थी। बिलखते हुए बोली- 'अब्बू, मेरे हॉस्टल के पास मिसाइलें गिरने की आवाज आ रही हैं, बमबारी हो रही है। पता नहीं आज रात बचूंगी या नहीं। मुझे बचा लो।'

बिलाल कहते हैं, 'ऐसे फोन कॉल ईरान में रहने वाले भारतीयों की नियति बन गए हैं। हर सुबह इस सुकून से होती है कि रात गुजर गई, लेकिन हर पल फिक्र रहती है कि आगे क्या होगा।'

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध का आज 12वां दिन है। ईरान में करीब 1300 मौतें हो चुकी हैं। युद्ध थमने के आसार नजर नहीं आ रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान से कहा है कि वो बिना शर्त सरेंडर करे। वहीं, ईरान लगातार इजराइल और मिडिल ईस्ट के देशों में बने अमेरिकी बेस पर हमले कर रहा है। इस युद्ध में भारत ने आधिकारिक तौर पर किसी पक्ष का समर्थन नहीं किया है, लेकिन उसके हित दांव पर लगे हैं। मिडिल ईस्ट के देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और उन्हें बाहर निकालना।

इन देशों में करीब 90 लाख भारतीय रहते हैं। इनमें से करीब 12 हजार ने भारत सरकार के पास देश लौटने की अर्जी लगाई है। वापसी के लिए सबसे ज्यादा एप्लीकेशन संयुक्त राज्य अमीरात यानी यूएई से आए हैं।

ईरान में दो हजार कश्मीरी स्टूडेंट

कश्मीर के रहने वाले बिलाल अपनी बेटी का नाम और पहचान उजागर नहीं करना चाहते। उन्हें डर है कि मीडिया पर दिखने की वजह से बेटी को निशाना बनाया जा सकता है। बिलाल बताते हैं, 'बेटी नाजिया (बदला हुआ नाम) का 25 फरवरी को एग्जाम था। हम एग्जाम खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। 3 मार्च को उसकी वापसी की टिकट थी। उससे पहले ही जंग शुरू हो गई।'

देश	लौटने वाले भारतीय
सऊदी अरब, ओमान, बहरीन	33 हजार
कुवैत	25 हजार
ईरान	4 हजार
UAE, कतर	3 हजार
इजराइल	1,200
लेबनान	200

भारतीयों की कुल आबादी: 90 लाख

UAE 43 लाख	सऊदी अरब 27 लाख	कुवैत 10 लाख
कतर 8.3 लाख	ओमान 6.6 लाख	बहरीन 3.4 लाख
इजराइल 26 हजार	इराक 25 हजार	जॉर्डन 16.5 हजार
ईरान 4 हजार	यमन 4 हजार	लेबनान 4 हजार
तुर्किये 3 हजार	सीरिया 39	

नाजिया जिस बिल्डिंग में रहती है, वहां भी मिसाइल अटैक हुए थे। उसके बाद से हम बहुत डर गए हैं। हमारे पास आखिरी जानकारी यही है कि भारतीय दूतावास ने नाजिया और उसकी भारतीय दोस्तों को हॉस्टल से निकाल लिया है। 24 साल की महक हसन ईरान की उरमिया यूनिवर्सिटी एंड मेडिकल साइंस में चौथे सेमेस्टर में पढ़ रही हैं। जम्मू-कश्मीर के बडगाम की रहने वाली हैं। महक कहती हैं कि ईरान में अब रहने लायक हालात नहीं हैं। हर पल खौफ में गुजर रहा है। हमसे ज्यादा फैमिली हमारी जान की फिक्र कर रही है।

महक बताती हैं, 'एंबेसी ने कहा है कि जैसे निकल सकते हो, निकल जाओ। अब ये तो हमारे हाथ में नहीं है। हमें नहीं पता कि कैसे निकलें।' श्रीनगर के रहने वाले राजा आसिफ की बेटी तेहरान में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। ईरान के हालात के बारे में बात करते हुए सांसें फूलने लगती हैं। राजा आसिफ कहते हैं, 'हमारे बच्चे पढ़ने के लिए गए थे। अब मौत के मुंह में हैं। बेटी से बात होती है, तो वो कहती है कि चारों तरफ बारूद ही बारूद है।

'भारतीय छात्र डरे हुए

उरमिया शहर में अभी हवाई हमले हुए हैं। इसके बाद से दहशत का माहौल है। उन्होंने बताया कि मिसाइल हमला उनके हॉस्टल से सिर्फ 300 मीटर दूर हुआ था। धमाके से पूरी बिल्डिंग हिल गई। आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग हमलों के डर से शहर छोड़कर जा रहे हैं।

सरकार ने खाड़ी देशों में अपने दूतावासों से डेटा इकट्ठा करने के लिए कहा था। करीब 12 हजार लोगों ने अर्जी दी है। सरकार उन्हें निकालने के अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रही है। ईरान में न एयरपोर्ट काम कर रहे हैं, न एयरस्पेस खुला है। ईरान से निकलने के लिए पहले जमीनी रास्ते से अजरबैजान जाना होगा। इसके अलावा इराक वाला रास्ता है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान का रास्ता सुरक्षित नहीं होगा। ईरानी नागरिक भी अजरबैजान के रास्ते देश छोड़ रहे हैं।

हालांकि, मोहसिन रजा खान कहते हैं, 'ये युद्ध अब ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जंग से बाहर निकलने के रास्ते देख रहे हैं। अमेरिका दो वजहों से जंग में है। पहला, ईरान कोई एग्जिट ऑप्शन नहीं दे रहा। दूसरा- न्यूक्लियर मटीरियल अब तक हासिल नहीं हो सका है।'

1990 में खाड़ी युद्ध के वक्त भी भारत के लिए अपने नागरिकों को निकालना सबसे बड़ी चुनौती बन गया था। फिलहाल ईरान में रहने वाले लोगों को तुरंत निकालना जरूर है। ईरान के अलावा यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब की सरकारें भारत के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं। हालांकि, एयरस्पेस बंद है। होर्मूज की खाड़ी पर ईरान का कंट्रोल है। कोई भी जहाज खाड़ी से नहीं गुजरने दिया जा रहा।' यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच भारत ने दोनों सरकार से स्पेशल परमिशन ली थी। हालांकि, यूक्रेन और रूस में भारतीयों की संख्या बहुत कम थी।' भारत को खाड़ी देशों को एकजुट कर युद्ध रोकने की मांग करनी चाहिए। भारत ईरान युद्ध में रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह व्यवहार नहीं कर सकता। उसे एक्टिव भूमिका निभानी होगी। अगर खाड़ी में काम करने वाले लोग स्थायी तौर पर वापस आते हैं, तो उनके रोजगार की बड़ी दिक्कत खड़ी हो सकती है।

तेहरान शहर की आबादी लगभग 96 लाख है। पूरे मेट्रो रीजन को मिला दें तो आबादी करीब 1.6 करोड़ हो जाती है। ये दिल्ली की कुल आबादी 2.2 करोड़ से 60 लाख ही कम है। इजराइल और अमेरिका ने ईरान के तेल भंडारों पर हमले किए हैं। तेहरान की रिफाइनरी पर हमलों के बाद आग लग गई। रिफाइनरी से निकला तेल शहर की नालियों में पहुंच गया। इससे सड़कों के किनारे आग लग गई। आसमान में बादल छा गए। तेहरान में काली बारिश हुई। तेल मिला होने की वजह से पानी काला दिखाई दिया। लाखों गैलन कच्चा तेल जलता है, तो वह भारी मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) और कालिख पैदा करता है। आमतौर पर धुआं ऊपर जाकर बिखर जाता है, इसकी वजह से उठने वाली तेज हवा ने धुएं और अधजले तेल के कणों को बादलों के भीतर खींच लिया।

बादलों में मौजूद नमी तेल के कणों के चारों ओर जमा हुई, तो वे भारी होकर बारिश बनकर गिरने लगे। इन बूंदों में कार्बन और हाइड्रोकार्बन (तेल) मिला हुआ था, इसलिए इनका रंग काला हो गया।

ईरान की टॉप लीडरशिप खत्म, फिर कैसे जंग लड़ रहा

7 टुकड़ों में ताकत बांट रखी, हर पद के लिए 4 उत्तराधिकारी पहले से तय

तेल अवीव/तेहरान, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच 12 दिनों से जंग जारी है। पहले ही दिन सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद अब तक करीब 50 टॉप अधिकारी हमले में मारे गए हैं। इसके बावजूद ईरान दावा कर रहा है कि वह लंबे समय तक जंग लड़ सकता है।

अल जजीरा के मुताबिक इसके लिए ईरान ने एक खास स्ट्रेटजी बनाई है, जिसमें सेना का कमान किसी के पास नहीं बल्कि 7 छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दी गई है। इसके अलावा हर पद के लिए 4 संभावित उत्तराधिकारी पहले से तय कर दिए गए हैं।

ईरान ने लंबी जंग लड़ने के लिए खास स्ट्रेटजी बनाई

1 मार्च को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि देश ने दो दशकों तक अमेरिका के युद्धों का अध्ययन किया है। इससे सीख कर ऐसा सुरक्षा ढांचा बनाया गया, जिससे राजधानी पर हमला होने के बाद भी लड़ाई जारी रहे।

इसके लिए ईरान ने एक खास स्ट्रेटजी बनाई, जिसका नाम रखा 'डिसेंट्रलाइज्ड मोजेक डिफेंस'।

मोजेक का मतलब टाइल्स (छोटे-छोटे टुकड़ों) से बना हुआ डाइग्राम होता है। ठीक वैसे ही इस रणनीति में ईरान की पूरी सैन्य कमान और क्षमता को केंद्रीकृत नहीं रखा जाता, बल्कि 7 छोटे-छोटे, स्वतंत्र हिस्सों में बांट दिया जाता है।

इससे अगर दुश्मन टॉप लीडरशिप, सेंट्रल कमांड सेंटर, या बड़े हेडक्वार्टर पर हमला करके उन्हें नष्ट भी कर दे, तब भी बाकी सिस्टम टूटता नहीं है और लड़ाई जारी रख सकता है।

'डिसेंट्रलाइज्ड मोजेक डिफेंस' इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से सबसे ज्यादा जुड़ी हुई है। यह पूर्व कमांडर मोहम्मद अली जाफरी (2007-2019) के समय विकसित हुई। इस ढांचे में आईआरजीसी, बसीज मिलिशिया, नियमित सेना, मिसाइल यूनिट, नौसेना और स्थानीय कमांड संरचनाएं एक नेटवर्क की तरह काम करती हैं।

संचार टूटने की स्थिति में भी स्थानीय यूनिट्स को कार्रवाई की स्वतंत्रता रहती है।

ईरान ने अलग-अलग संस्थाओं को अलग-अलग रोल दिए हैं।

रेगुलर आर्मी (आर्टेश): पहले झटके को सहन करती है। आर्मर्ड, मैकेनाइज्ड और इन्फैंट्री यूनिट्स दुश्मन के एडवांस हमलों को स्लो करती हैं। फ्रंट को स्टेबलाइज करती हैं।

एयर डिफेंस यूनिट्स: छिपाव, धोखा और डिस्पर्सल (फैलाव) से दुश्मन की एयर सुपीरियरिटी को जितना हो सके रोकती हैं।

आईआरजीसी: मुख्य रोल दूसरे स्टेज में। डिसेंट्रलाइज्ड ऑपरेशंस, घात, लोकल रेसिस्टेंस, सप्लाई लाइन्स डिसरप्ट करना, शहरों, पहाड़ों और रिमोट इलाकों में फ्लेक्सिबल गोरिल्ला वॉर।

बसिज मिलिशिया: इसे 31 प्रांतों में डिवाइड किया गया है, लोकल कमांडरों को ज्यादा ऑटोनॉमी (स्वायत्तता) मिली है।

नौसेना: फारस की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एंटी-एक्सेस टैक्टिक्स, फास्ट अटैक क्राफ्ट, माइंस, एंटी-शिप मिसाइल्स से दुश्मन के जहाजों को महंगा और खतरनाक बनाना।

मिसाइल फोर्स (आईआरजीसी कंट्रोल): डिटरेंट और डीप स्ट्राइक - दुश्मन के इंफ्रास्ट्रक्चर और मिलिट्री टारगेट्स पर हमला।

ईरान जंग-लोग पालतू कुत्ते-बिल्ली छोड़कर भाग रहे

बिना खाना-पानी दिए खंभे से बांधा नोट लिखा- सॉरी देश छोड़ रहा हूं

तेल अवीव/तेहरान, 11 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते इजराइल-ईरान तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में लोग देश छोड़ने की तैयारी में अपने पालतू कुत्तों, बिल्लियों और दूसरे जानवरों को सड़कों या शेल्टर में छोड़ रहे हैं।

रेस्क्यू संगठनों के अनुसार, लोग जानवरों को बिना खाना-पानी के भीषण गर्मी में रास्ते में पोल से बांध कर छोड़ रहे हैं। एनिमल वेलफेयर वर्कर्स का कहना है कि उन्हें घरों या आश्रयों के बाहर पिंजरों में बंद बिल्लियां और पिल्ले भी मिले हैं।

अबू धाबी के एनिमल वेलफेयर वर्कर ऐन्सो स्टैंडर ने इसे स्वार्थी और निर्दयी कदम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके शेल्टर के पास इलाके में दो छोड़े गए कुत्तों को गोली मारने की खबर मिली है।

सैटेलाइट से अमेरिकी लोकेशन ट्रैक कर रहा था चीन

ईरान पर पहली मिसाइल गिरने से पहले ही चीनी कंपनी ने दी थी हमले की जानकारी

बीजिंग, 11 मार्च (एजेंसियां)। 28 फरवरी को ईरान पर पहली मिसाइल चलने से पहले ही चीनी सोशल मीडिया पर संकेत मिलने लगे थे कि अमेरिका बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है। इंटरनेट पर अमेरिकी सैन्य तैयारियों से जुड़ी सैटेलाइट तस्वीरें तेजी से फैलने लगी थीं।

इन तस्वीरों में रनवे पर खड़े लड़ाकू विमान, रेगिस्तानी एयरफील्ड पर उतरते ट्रांसपोर्ट प्लेन और भूमध्यसागर में किसी विमानवाहक पोत के डेक पर तैनात फाइटर जेट दिखाई दे रहे थे। इन तस्वीरों की खास बात यह थी कि इनमें असामान्य रूप से बहुत ज्यादा जानकारी दी गई थी और यह जानकारी अंग्रेजी में नहीं बल्कि मंदारिन (चीनी भाषा) में लिखी हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तस्वीरों में अलग-अलग विमानों के नाम बताए गए थे, मिसाइल रक्षा सिस्टम को साफतौर पर चिह्नित किया गया था और सैनिकों की तैनाती को सटीक लोकेशन के साथ दिखाया गया था। इन सैटेलाइट तस्वीरों को एक चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने ऑनलाइन साझा किया था। एक तस्वीर में इजराइल के ओवदा एयरबेस पर लॉकहीड मार्टिन के F-22 स्टेल्थ फाइटर खड़े दिखाई दे रहे थे। दूसरी तस्वीर में सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर विमानों और सपोर्ट सिस्टम की बढ़ती तैनाती दिखाई गई थी।

इसके अलावा कतर, जॉर्डन और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी नक्शे पर चिह्नित किया गया था। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान पर हवाई हमले शुरू किए। इसके जवाब में तेहरान ने मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

लेकिन इस संघर्ष के बीच एक और चीज समानांतर रूप से चल रही थी। इंटरनेट पर लगातार सैटेलाइट तस्वीरें सामने आ रही थीं, जिनमें अमेरिकी विमानों, मिसाइल रक्षा सिस्टम और नौसैनिक गतिविधियों को दिखाया जा रहा था। ये सभी तस्वीरें शंघाई स्थित जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी मिजार विजन द्वारा साझा की जा रही थीं।

सऊदी अरब की तिजोरी या ईरान से दोस्ती ?

कंगाली के बीच धर्मसंकट में फंसा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमले के बाद बदले हालात के कारण पाकिस्तान बड़ी मुश्किल में फंसा है। पाकिस्तान को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह ईरान का साथ दे या सऊदी अरब का। ईरान ने अपने ऊपर हुए हमलों के जवाब में मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाया है। इसमें सऊदी अरब भी शामिल है, जिसे ईरानी हमलों में भारी नुकसान पहुंचा है। सऊदी अरब और पाकिस्तान ने रक्षा समझौता किया है, जिसमें एक देश पर हमला दूसरे पर भी हमला माना जाएगा। ऐसे में पाकिस्तान को सऊदी अरब की मदद तो करनी ही है, साथ में ईरान पर हमला भी करना है। लेकिन, पाकिस्तान इसके लिए तैयार नहीं दिख रहा है।

7 मार्च को पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से मुलाकात की और ईरानी हमलों के खिलाफ रियाद के डिफेंस मैकेनिज्म पर चर्चा की। प्रिंस खालिद बिन सलमान ने बताया कि दोनों के बीच इस बाद पर चर्चा हुई कि सऊदी अरब पर ईरानी हमलों को रोकने के लिए हाल ही में साइन किए गए पाकिस्तान-सऊदी अरब जॉइंट सिक्योरिटी फ्रेमवर्क को कैसे लागू किया जाए।

लंदन के किंग्स कॉलेज में डिपार्टमेंट ऑफ वॉर स्टडीज में सीनियर फेलो आयशा सिद्दीका ने दि प्रिंट में लिखा कि इस बैठक के बहुत बड़े मतलब हैं। अगर रियाद ने कहा, तो पाकिस्तान को सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए किसी तरह की मिलिट्री तैनाती पर विचार करना होगा। इससे बहुत सारे पाकिस्तानी परेशान हैं, जो इजरायल-अमेरिका-ईरान युद्ध में नहीं पड़ना चाहते। इससे पहले ही पाकिस्तान आर्थिक संकट को महसूस करने लगा है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईंधन की कमी का हवाला देते हुए बहुत सारे आपातकालीन कदमों का ऐलान किया है, जिसमें सरकारी मुलाजिमों की वेतन कटौती से लेकर सरकारी गाड़ियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध शामिल हैं।

मुंबई के होटलों पर संकट: गैस खत्म, 2000 रेस्तरां बंद

क्या दो दिन में ठप हो जाएगा आधा शहर?

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इस्राइल-ईरान के बीच चल रहे संघर्ष की वजह से कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने के हालात बने हैं। हालांकि, सरकार ने घरेलू इस्तेमाल की गैस की आपूर्ति हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की बात करें तो आपूर्ति में रुकावट की खबरें आ रही है। इसका असर मुंबई सहित कई राज्यों के होटल उद्योगों पर पड़ रहा है। मुंबई में मंझोले और छोटे आकार के 20 प्रतिशत रेस्तरां बंद हो गए हैं और होटल उद्योग ने कहा है यदि आपूर्ति बाधित रही तो दो दिन भीतर 50 प्रतिशत तक रेस्टोरेंट और होटल जल्द ही बंद हो सकते हैं।

बंगलूरू से भी ऐसी ही खबरें हैं।

कई गैस एजेंसियों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के लिए पूछताछ में घबराहट बढ़ गई है, हालांकि डीलरों ने बुधवार को कहा कि फिलहाल स्टॉक पर्याप्त है। दूसरी ओर एक एलपीजी डीलर ने पीटीआई को बताया, व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की भारी कमी है, जिसके कारण शहर के कई होटल और रेस्तरां दबाव में काम करने के लिए मजबूर हैं। होटल और रेस्तरां मालिकों ने दोहराया कि उनका स्टॉक खत्म हो जाने पर उन्हें बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इंडेन के वितरक गिरिधर एजेंसीज के एक प्रतिनिधि ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं आया है। नाम न बताने की शर्त पर प्रतिनिधि ने कहा, हमें प्रतिदिन माल की भारी मात्रा में आपूर्ति हो रही है। आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं है। हालांकि, ग्राहकों से हमें कई घबराए हुए फोन आ रहे हैं, जो यह जानना चाहते हैं कि पर्याप्त स्टॉक है या नहीं। बुकिंग के लिए भी फोन की संख्या बढ़ गई है। उन्होंने ग्राहकों को आश्वासन दिया कि पर्याप्त मात्रा में माल नियमित रूप से आ रहा है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और पश्चिम जोन के प्रवक्ता प्रदीप शेट्टी का कहना है, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कमी कई भारतीय शहरों में देखने को मिल रही है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला

नोज गियर टूटा, थाइलैंड में हार्ड लैंडिंग, 133 लोग सवार थे

बैंकॉक, 11 मार्च (एजेंसियां)। थाईलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बुधवार दोपहर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते ही उसका नोज गियर टूट गया और आगे का पहिया अलग हो गया। फ्लाइट हैदराबाद से फुकेट जा रही थी। थाई अखबार द नेशन के मुताबिक घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे बंद करना पड़ा, हालांकि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह फ्लाइट तय समय से पहले फुकेट पहुंच गई थी। विमान का निर्धारित लैंडिंग का समय सुबह 11:40 था, लेकिन यह 11:24 बजे ही उतर गया।

बताया जा रहा है कि विमान की लैंडिंग काफी तेज हुई, जिसकी वजह से उसके आगे वाले लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा। पहिया अलग हो जाने की वजह से विमान तुरंत रनवे से हटाया नहीं जा सका। एयरपोर्ट अधिकारियों ने स्थिति को जल्दी काबू में कर लिया। विमान में सात क्रू सदस्य, 131 यात्री और दो बच्चे सवार थे।

भारत, चीन, अमेरिका, बालेन शाह के राज में कैसी होगी नेपाल की विदेश नीति

काठमांडू, 11 मार्च (एजेंसियां)। रैपर से राजनेता बने बालेन शाह नेपाल के नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के बाद हुए चुनाव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने बहुत हासिल किया है। नेपाल में 35 साल के बालेन शाह की ऐसी लहर चली कि दिग्गज नेताओं और दशकों से जमी राजनीतिक पार्टियां हवा में उड़ गईं। हालत यह रही कि प्रचंड को छोड़कर कोई भी पूर्व प्रधानमंत्री संसद में भी नहीं पहुंच सका। 2008 के बाद नेपाल में पहली बार कोई पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने जा रही है। ऐसे में सबकी नजर इस तरह है कि पूर्ण बहुमत वाली बालेन शाह की सरकार में नेपाल की विदेश नीति क्या होगी।

नेपाल की विदेश नीति क्या होगी?

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के प्रमुख ने कहा है कि पार्टी नेपाल के मौजूदा विदेश नीति के फ्रेमवर्क में बड़ा बदलाव नहीं करेगी। बीबीसी नेपाली को दिए एक इंटरव्यू में खनाल ने कहा कि विदेश नीति गुट-निरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांत से निर्देशित होगी।

उन्होंने कहा कि नीति में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। पार्टी का घोषणापत्र संतुलित और डायनमिक कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रावण वध से पहले भगवान राम की अनोखी भक्ति

मां दुर्गा को चढ़ा दी थी अपनी आंख

बुराई पर अच्छाई की जीत के पर्व विजयदशमी के पीछे की गाथा केवल रावण वध तक सीमित नहीं है. लंकापति रावण को परास्त करने से पूर्व भगवान श्री राम ने मां दुर्गा की शक्ति पूजा की थी. यह वह समय था जब मर्यादा पुरुषोत्तम ने देवी को प्रसन्न करने के लिए अकाल बोधन किया था. क्या आप जानते हैं कि इस पूजा के दौरान एक समय ऐसा आया था जब श्री राम ने खुद को समर्पित करने का कठोर निर्णय ले लिया था?

हिंदू धर्मग्रंथों में भगवान श्रीराम की भक्ति, त्याग और मर्यादा के कई प्रेरणादायक प्रसंग मिलते हैं. ऐसा ही एक प्रसिद्ध प्रसंग उस समय का है जब भगवान राम ने लंका पर विजय प्राप्त करने से पहले मां दुर्गा की आराधना की थी. मान्यता है कि रावण जैसे शक्तिशाली योद्धा को पराजित करने के लिए भगवान राम ने शारदीय नवरात्रि में देवी दुर्गा का अकाल बोधन यानी खास पूजा की थी . कहा जाता है कि पूजा में एक नीलकमल कम पड़ जाने पर भगवान राम ने अपनी आंख तक अर्पित करने का निश्चय कर लिया था।

जब जागृत हुई मां दुर्गा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण भगवान शिव का परम भक्त था और वह महाशक्तिशाली था. उससे युद्ध में विजय प्राप्त करना सामान्य बात नहीं थी. ऐसे में विभीषण ने श्री राम को सलाह दी कि रावण को हराने के लिए मां दुर्गा की पूजा जरूरी है. भगवान राम ने शारदीय नवरात्रि के समय अकाल बोधन यानी असमय देवी को जागृत करके उनकी आराधना शुरू की. यह पूजा लंका विजय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण थी.

108 नीलकमल और देवी की परीक्षा

पूजा के संकल्प के अनुसार, प्रभु श्री राम को देवी को 108 नीलकमल अर्पित करने थे. पूजा अंतिम चरण में थी, तभी मां दुर्गा ने प्रभु राम की अटूट भक्ति की परीक्षा लेने का निर्णय लिया. देवी की माया से पूजा स्थल से एक नीलकमल गायब हो गया. जब राम ने देखा कि 108वें नीलकमल की कमी है, तो उन्होंने विचलित होने के बजाय अपना संकल्प पूरा करने का निश्चय किया. उन्हें कमल नयन (कमल जैसी आंखों वाला) कहा जाता था. उन्होंने सोचा कि अपनी एक आंख को ही नीलकमल के रूप में देवी को अर्पित कर देंगे।

जब प्रभु ने उठाया बाण

जैसे ही भगवान राम ने अपनी आंख निकालने के लिए अपना बाण उठाया, तभी मां दुर्गा प्रकट हो गईं. प्रभु राम की इस निस्वार्थ भक्ति और अटूट समर्पण को देखकर देवी बहुत ही प्रसन्न हुईं. उन्होंने प्रभु का हाथ थाम लिया और उन्हें रावण पर विजय प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया।

रावण की चूक और राम की जीत

एक ओर जहां प्रभु राम निस्वार्थ भाव से शक्ति की साधना कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर रावण भी अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए चंडी पाठ कर रहा था. लेकिन रावण का अहंकार और पूजा के दौरान मंत्रों के उच्चारण में हुई एक छोटी सी गलती उसकी हार का कारण बनी. देवी ने रावण का साथ छोड़कर धर्म के मार्ग पर चल रहे भगवान श्री राम का हाथ थामा और आखिर में रावण का विनाश हुआ।

जब तक हम अपने गुरु का मन से सम्मान नहीं करेंगे तब तक हमें ज्ञान का पूरा लाभ नहीं मिल सकता

एक लोक कथा है, पुराने समय में एक राज्य के राजा को नई-नई बातें सीखने और ज्ञान प्राप्त करना बहुत अच्छा लगता था। राजा चाहता था कि वह दुनिया की हर अच्छी और उपयोगी बात सीख ले। एक दिन उसने अपने मंत्रियों को बुलाया और कहा, "मेरे लिए एक ऐसे गुरु को खोजो जो मुझे दुनिया का सारा ज्ञान दे सके।"

मंत्री तुरंत काम पर लग गए। कुछ दिनों बाद उन्होंने एक बहुत ही विद्वान और ज्ञानी गुरु को ढूंढ लिया। राजा ने उनका सम्मान किया और उनसे शिक्षा लेना शुरू कर दिया। गुरु रोज राजमहल में आते और राजा को कई महत्वपूर्ण बातें सिखाते।

राजा भी मन लगाकर गुरु की बातें सुनता था। कई महीनों तक ऐसा ही चलता रहा, लेकिन एक दिन राजा को लगा कि उसे कोई खास लाभ नहीं हो रहा है। उसे लगने लगा कि वह उतना ज्ञान प्राप्त नहीं कर पा रहा है, जितनी उसने उम्मीद की थी।

राजा धीरे-धीरे परेशान रहने लगा। एक दिन उसने यह बात रानी को बताई। रानी बहुत समझदार थी। उसने राजा से कहा, "आपको यह बात अपने गुरु से ही पूछनी चाहिए। वही आपको सही कारण बता सकते हैं।"

अगले दिन जब गुरु पढ़ाने आए, तो राजा ने उनसे विनम्रता पूर्वक पूछा, "गुरुदेव, आप मुझे इतने दिनों से शिक्षा दे रहे हैं, लेकिन मुझे उसका पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। कृपया बताइए ऐसा क्यों हो रहा है?"

गुरु मुस्कुराए और बोले, "राजन, इसका कारण बहुत छोटा है, लेकिन बहुत महत्वपूर्ण है। आप बहुत बड़े राजा हैं। आपके पास शक्ति, धन और सम्मान सब कुछ है। इसलिए आप अपने सिंहासन पर बैठते हैं और मैं नीचे बैठकर आपको पढ़ाता हूं।"

राजा ध्यान से सुन रहा था।

गुरु ने आगे कहा, "लेकिन गुरु का स्थान हमेशा ऊंचा होता है। जब गुरु नीचे और शिष्य ऊपर बैठता है, तो ज्ञान का प्रवाह सही तरीके से नहीं हो पाता। यही कारण है कि आपको शिक्षा का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।"

राजा को अपनी गलती समझ में आ गई। अगले ही दिन से उसने गुरु के लिए ऊंचा आसन लगवाया और खुद नीचे बैठकर शिक्षा लेने लगा।

अब राजा को गुरु की हर बात समझ आने लगी और उसे पूरा ज्ञान मिलने लगा। इस तरह राजा ने समझ लिया कि गुरु का सम्मान करना बहुत जरूरी होता है।

प्रसंग की सीख

गुरु का सम्मान करें

जीवन में गुरु का महत्व सबसे अधिक है। गुरु हमें सही और गलत का फर्क समझाते हैं। चाहे वह स्कूल के शिक्षक हों, माता-पिता हों या कोई मार्गदर्शक- हमें उनका सम्मान हमेशा करना चाहिए।

अहंकार से बचें

अहंकार ज्ञान का सबसे बड़ा दुश्मन है। जब इंसान को लगता है कि वह सब कुछ जानता है, तब वह कुछ नया सीख ही नहीं पाता। इसलिए जीवन में हमेशा विनम्र बने रहना चाहिए।

सीखने की भावना बनाए रखें

जो व्यक्ति जीवन भर सीखने की इच्छा रखता है, वही आगे बढ़ता है। चाहे हम कितने भी बड़े पद पर क्यों न पहुंच जाएं, हमें सीखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

सही मार्गदर्शन स्वीकार करें

कभी-कभी हमें अपनी गलती समझ नहीं आती। ऐसे समय में अगर कोई अनुभवी व्यक्ति हमें सही रास्ता दिखाता है, तो हमें उसकी बात ध्यान से सुननी चाहिए।

सम्मान से ज्ञान बढ़ता है

जहां सम्मान होता है, वहीं सच्चा ज्ञान मिलता है। अगर हम अपने शिक्षक या मार्गदर्शक का आदर करेंगे, तो वे भी हमें दिल से सिखाएंगे।

अपनी गलती स्वीकार करना सीखें

राजा की सबसे अच्छी बात यह थी कि जब उसे अपनी गलती का एहसास हुआ, तो उसने उसे तुरंत सुधार लिया। यही आदत हर व्यक्ति में होनी चाहिए।

विनम्रता महान बनाती है

इतना बड़ा राजा होने के बावजूद जब उसने गुरु के सामने नीचे बैठना स्वीकार किया, तब ही उसे सच्चा ज्ञान मिला। यह हमें सिखाता है कि विनम्रता इंसान को महान बनाती है।

जब तक हम अपने गुरु और ज्ञान देने वाले लोगों का सच्चे मन से सम्मान नहीं करेंगे, तब तक हमें ज्ञान का पूरा लाभ नहीं मिल सकता। इसलिए जीवन में हमेशा गुरु को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए।

51 शक्तिपीठों में पावागढ़ की मां कालिका का मंदिर

गुजरात के पंचमहल जिले के पावागढ़ में मां काली का प्रसिद्ध कालिका मंदिर स्थित है, जिसकी मान्यता पूरे गुजरात में है. कलिका मंदिर भारत के प्रमुख और प्राचीन शक्तिपीठों में से एक है, जहां मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है. तंत्र से परेशान लोग भी मां कालिका के दर्शन कर तंत्र से छुटकारा पाते हैं. मान्यता है कि मां काली शारीरिक और मानसिक रोगों से छुटकारा दिलाती हैं और यही वजह है कि शारीरिक व मानसिक परेशानी से जूझ रहे लोग इस मंदिर में दर्शन के लिए ज्यादा आते हैं।

1800 सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही मां के दर्शन

चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मंदिर में लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं और मां भवानी से कष्टों से मुक्ति पाने की कामना करते हैं. हालांकि मंदिर तक पहुंचने का रास्ता दुर्लभ नहीं है. मंदिर तक पहुंचने के लिए लगभग 1800 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं, वहीं भक्तों की सुविधा के लिए रोपवे की भी व्यवस्था है. नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा, संकीर्तन और यज्ञ का भव्य आयोजन होता है, जिसमें लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

मंदिर के बनावट में दक्षिण भारतीय शैली

मां काली का मंदिर पहाड़ी पर 800 मीटर की ऊंचाई पर बना है, जहां से पावागढ़ का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है. मंदिर के बनावट में दक्षिण भारतीय शैली की झलक देखने को मिलती है. मान्यता है कि जब भगवान शिव माता सती के शव को लेकर पीड़ा से तांडव कर रहे थे, तब सृष्टि को विनाश से बचाने के लिए भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के टुकड़े कर दिए थे।

माता सती का गिरा था दाहिना पैर

माना जाता है कि इसी स्थान पर माता सती का दाहिना पैर गिरा था. कई जगहों पर वक्षस्थल गिरने की बात भी कही गई है. यही कारण है कि इस स्थान को ऊर्जा का सबसे पावरफुल प्लेस माना जाता है. मंदिर के प्रवेश के साथ ही भक्तों को अलौकिक शक्तियों का अनुभव होता है. बता दें कि इस बार चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च दिन गुरुवार से हो रही है और इसका समापन 27 मार्च दिन शुक्रवार को होगा।

एक मंदिर, तीन देवता, 14 खंभों पर टिका अंबिकेश्वर धाम भक्तों में लोकप्रिय है

जयपुर का आमेर किला भले ही दुनिया भर में अपनी भव्यता के लिए मशहूर हो, लेकिन इसके आसपास ऐसी कई ऐतिहासिक धरोहरें छिपी हैं, जो अपनी वास्तुकला और धार्मिक महत्व से पर्यटकों को अचंभित कर देती हैं. इन्हीं में से एक है अंबिकेश्वर महादेव मंदिर. यह मंदिर अपनी प्राचीनता और स्थापत्य कला की वजह से आज भी लोगों को रोमांचित करता है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर अपने किलों, महलों और प्राचीन मंदिरों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है. यहां कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं जिनका इतिहास सैकड़ों साल पुराना है. इन्हीं में से एक है अंबिकेश्वर महादेव मंदिर, जो अपनी अनोखी संरचना और धार्मिक महत्व के कारण भक्तों के बीच विशेष स्थान रखता है. यह मंदिर खास इसलिए भी माना जाता है क्योंकि यहां एक ही स्थान पर तीन प्रमुख देवी-देवताओं भगवान शिव, भगवान श्रीकृष्ण और महालक्ष्मी के दर्शन होते हैं. इतना ही नहीं, यह पूरा मंदिर केवल 14 खंभों पर टिका हुआ है, जो इसे स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण बनाता है।

प्राचीन इतिहास से जुड़ा है मंदिर

अंबिकेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास काफी पुराना बताया जाता है. मान्यता है कि इस मंदिर का संबंध आमेर राजघराने के समय से जुड़ा हुआ है. यह मंदिर आमेर किला के आसपास के क्षेत्र में स्थित है और लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है. कहा जाता है कि इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है, यानी यह प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ माना जाता है. यही कारण है कि यहां दूर-दूर से भक्त भगवान शिव के दर्शन करने आते हैं।

14 खंभों पर टिका है मंदिर

इस मंदिर की सबसे खास बात इसकी संरचना है.पूरा मंदिर केवल 14 मजबूत खंभों पर टिका हुआ है. प्राचीन समय में बनाए गए इन पत्थर के खंभों पर मंदिर का मुख्य मंडप खड़ा है. इतिहासकारों के अनुसार, उस समय की स्थापत्य कला इतनी विकसित थी कि बिना आधुनिक तकनीक के भी इस तरह की मजबूत संरचनाएं बनाई जाती थीं. यही वजह है कि यह मंदिर आज भी अपनी मूल संरचना में सुरक्षित खड़ा है।

एक ही स्थान पर तीन देवताओं के दर्शन

अंबिकेश्वर महादेव मंदिर में एक साथ तीन देवी-देवताओं की पूजा की जाती है.

भगवान शिव : मंदिर के मुख्य देवता

भगवान श्रीकृष्णः भक्ति और प्रेम के प्रतीक

महालक्ष्मीः धन और समृद्धि की देवी

सावन और महाशिवरात्रि पर उमड़ती है भीड़

महाशिवरात्रि और सावन के महीने में इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है. इन खास अवसरों पर विशेष पूजा और अभिषेक किया जाता है. भक्त जल, दूध और बेलपत्र चढ़ाकर भगवान शिव से मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते हैं।

क्यों खास है अंबिकेश्वर महादेव मंदिर?

जयपुर के पास स्थित अंबिकेश्वर महादेव मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला और आस्था का अद्भुत संगम है. यहां एक साथ भगवान शिव, श्रीकृष्ण और महालक्ष्मी के दर्शन होने के कारण यह मंदिर भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है. यही वजह है कि सालभर यहां श्रद्धालुओं आते रहते हैं।

अपने जीवन में विचार और वीरता बनाए रखें

मनुष्य का जीवन निराला है। यह मां की गोद और चिता की वेदी के बीच का है। जब आप पहली बार आंख खोलते हैं तो अपने को मां की गोद में पाते हैं। कई लोग प्रसन्न हो रहे होते हैं। आगमन का आनंद मनाया जाता है। उस आगमन से आप अनजान हैं, लेकिन आपका जन्म हो चुका है। और जब संसार से जाते हैं तो चिता की वेदी में कई लोग विदा करने आते हैं और हम उस समय भी अनजान रहते हैं। न सिर्फ अनजान, बल्कि मजबूर भी।

पहली बार भी स्वयं नहीं नहा पाए और आखिरी बार भी दूसरे ही नहला के भेजते हैं। इसके बाद भी इंसान गर्व करता है कि मैं सब कुछ कर लूंगा। इसलिए, इस बीच जो भी किया जाए, उसमें विचार और वीरता दोनों बनाए रखो। देखा जाता है कि जो विचारक होते हैं, वो वीर नहीं होते और जो वीर होते हैं, वो विचारों से दूर रहते हैं।

वाल्मीकि ऐसे ऋषि थे, जिनको मुनियों में सिंह कहा गया। उन्हें एक ही समय कोयल और सिंह की उपमा दी गई। तो वाल्मीकि इस बात का प्रतीक हैं कि जितना जीवन जीएं, उसमें शौर्य, पराक्रम, चिंतन, विनम्रता, संस्कार और मनुष्य होने का बोध बना रहे।

11 अप्रैल को बन रहा है दुर्लभ बुधादित्य राजयोग इन 3 राशियों के लिए खुल सकते हैं तरक्की

इस साल सूर्य और बुध **मीन राशि** में एक साथ आएंगे. मीन राशि के स्वामी गुरु माने जाते हैं और ज्योतिष में गुरु को ज्ञान, धन और शुभ फल देने वाला ग्रह माना जाता है. ऐसे में सूर्य और बुध का यह मेल कुछ राशियों के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है. ज्योतिष के अनुसार खास तौर पर वृषभ, मिथुन और मीन राशि के लोगों को इस समय के दौरान करियर, बिजनेस और पैसों के मामले में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हालांकि ज्योतिष यह भी कहता है कि ग्रहों के शुभ प्रभाव का फायदा तभी मिलता है जब व्यक्ति मेहनत और सही फैसलों के साथ आगे बढ़ता है. इसलिए इस समय को एक अच्छे मौके की तरह देखा जा सकता है, लेकिन इसके साथ प्रयास करना भी जरूरी रहेगा।

वृषभ राशि के लिए बन सकते हैं धन के अवसरः बुधादित्य राजयोग वृषभ राशि के लोगों के लिए आर्थिक रूप से अच्छा समय ला सकता है. ज्योतिष के अनुसार यह योग इस राशि के लाभ भाव में बनने जा रहा है, जो आमदनी और लाभ से जुड़ा माना जाता है. इस दौरान कुछ लोगों को निवेश से फायदा मिल सकता है. अगर आपने पहले कहीं पैसा लगाया हुआ है तो उससे लाभ मिलने की संभावना बन सकती है. हालांकि निवेश से जुड़े फैसले सोच समझकर और विशेषज्ञ की सलाह लेकर ही करने चाहिए. इसके अलावा जो काम लंबे समय से अटके हुए थे वे पूरे हो सकते हैं. दोस्तों और सहकर्मियों का सहयोग भी मिल सकता है. समाज में मान सम्मान बढ़ने के संकेत भी दिखाई दे सकते हैं. कुछ लोगों को बच्चों से जुड़ी अच्छी खबर भी मिल सकती है।

मिथुन राशि के लिए करियर में मिल सकता है नया मौकाः मिथुन राशि का स्वामी ग्रह बुध होता है. इसलिए जब बुध और सूर्य मिलकर राजयोग बनाते हैं तो इसका असर मिथुन राशि वालों पर थोड़ा ज्यादा देखने को मिल सकता है. ज्योतिष के अनुसार यह योग मिथुन राशि के करियर भाव में बन रहा है. ऐसे में नौकरी या काम के क्षेत्र में नए मौके सामने आ सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए भी यह समय अच्छा माना जा रहा है. बिजनेस बढ़ाने के नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत मिल सकते हैं. हालांकि कार्यक्षेत्र में थोड़ा ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है ताकि इन अवसरों का पूरा फायदा मिल सके।

मीन राशि के लिए बढ़ सकता है आत्मविश्वासः मीन राशि के लिए यह बुधादित्य राजयोग खास माना जा रहा है क्योंकि यह उनकी लग्न राशि में बन रहा है. लग्न भाव व्यक्ति के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और जीवन की दिशा से जुड़ा माना जाता है. इस समय मीन राशि के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ सकता है. कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग भी मिल सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 12 मार्च - 2026

भारत में बढ़ती ईंधन चिंता

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ती टकराहट का असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव ऊर्जा बाजार पर दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचना इसी अस्थिरता का संकेत है। इसका असर भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर तुरंत पड़ता है। एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी इसी की एक झलक है। बता दें कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में वैश्विक बाजार में थोड़ी-सी हलचल भी घरेलू अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ती है। पश्चिम एशिया के देशों में उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ने वाला कोई भी दबाव अंतराष्ट्रीय कीमतों को तेजी से ऊपर धकेलता है। यदि ईरान और इजरायल के बीच टकराव और बढ़ता है या अमेरिका की सीधी भूमिका बढ़ती है, तो तेल आपूर्ति और अधिक बाधित हो सकती है। दरअसल यह संकट केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर दुनिया के लगभग एक तिहाई समुद्री तेल परिवहन गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या आवागमन बाधित होता है तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। ईरान द्वारा विदेशी जहाजों को लेकर दी जा रही चेतावनियां इसी खतरे की ओर संकेत करती हैं। ऐसे में वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता स्वाभाविक है। भारत सरकार इस संभावित संकट से निपटने के लिए सक्रिय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और विदेश मंत्रालय के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है। देश की तेल रिफाइनरियां अधिक उत्पादन बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं और आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखने के प्रयास जारी हैं। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत निगरानी बढ़ाकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश भी की जा रही है कि पेट्रोल-डीजल या गैस की कालाबाजारी न हो। लेकिन यह संकट केवल सरकार के प्रयासों से ही नहीं टल सकता। इसमें नागरिकों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि संकट के समय अक्सर अफवाहें और जमाखोरी स्थिति को और गंभीर बना देती हैं। कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडरों और दवाइयों की कालाबाजारी ने समाज के संवेदनशील चेहरे पर गहरा दाग लगाया था। ठीक उसी तरह यदि ईंधन को लेकर अनावश्यक भय और संग्रह की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो बाजार में कृत्रिम कमी पैदा की जा सकती है। इसलिए अफवाहों से बचना और अनावश्यक खरीदारी से दूर रहना ही स्थिति को नियंत्रित रखने का सबसे प्रभावी तरीका है। ऊर्जा संकट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव आम जनता पर ही पड़ता है, क्योंकि ईंधन की कीमत बढ़ने से परिवहन महंगा होता है और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ता है। देखा जाए तो यह संकट भारत के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी है। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैकल्पिक स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना अब केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी बन चुका है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में बढ़ रहे प्रयासों को और तेज करना होगा, ताकि भविष्य में वैश्विक तेल संकट का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। पश्चिम एशिया का यह तनाव कब तक चलेगा, यह कहना मुश्किल है। लेकिन इतना तय है कि वैश्विक राजनीति की आग का असर ऊर्जा बाजार के माध्यम से हर देश तक पहुंचता है। ऐसे समय में सरकार की सक्रियता और नागरिकों की जिम्मेदारी दोनों ही जरूरी हैं। संयम, सतर्कता और दूरदर्शिता के साथ ही इस संभावित ईंधन संकट से पार पाया जा सकता है।

तेल की कीमतों में उछाल की आशंका से घबराहट

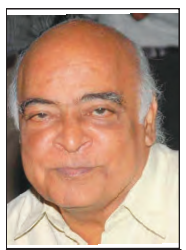

अशोक भाटिया

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध के बीच भले ही सरकार ने तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही है, लेकिन देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कमी से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। हॉस्पिटैलिटी बॉडी के मुताबिक आर्थिक राजधानी मुंबई में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति घटने के कारण करीब 20 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं और यह आंकड़ा ज्यादा भी हो सकता है।संगठन का कहना है कि यदि यही स्थिति जारी रहती है तो अगले दो-तीन दिनों में लगभग 50 प्रतिशत तक खाने-पीने की दुकानें बंद हो सकती हैं। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पिछले दो दिनों से कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह की समस्या बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में भी सामने आ रही है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं होती है तो यहां भी स्थिति गंभीर हो सकती है। बेंगलुरु में होटल मालिकों ने संकेत दिए हैं कि कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई बाधित होने पर उन्हें अपने संचालन अस्थायी रूप से बंद करने पड़ सकते हैं, क्योंकि उनका काम पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर है।

चंडीगढ़ में भी एलपीजी सप्लाई को लेकर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। Indane गैस एजेंसी के गोदाम में बड़ी संख्या में कमर्शियल गैस सिलेंडर जमा पड़े हैं। कर्मचारियों के मुताबिक पिछले चार दिनों से कमर्शियल सिलेंडर की नियमित सप्लाई नहीं मिल रही है, जिसकी वजह से जो सीमित सिलेंडर आ रहे हैं, वे गोदाम में ही इकट्ठा हो रहे हैं।

गोदाम में काम करने वाले कर्मचारी सोनू के अनुसार होटल और रेस्तरां संचालक लगातार सिलेंडर के बारे में पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है और कर्मचारियों का कहना है कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई लगभग आधी रह गई है। इस स्थिति के कारण शहर में होटल, रेस्तरां और खाने-पीने के कारोबार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उनका संचालन पूरी तरह गैस सिलेंडर की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

भोपाल में भी ईरान से जुड़े युद्ध के बीच गैस की किल्लत का असर साफ दिखाई देने लगा है। यहां कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई रुकने और घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के बीच 25 दिन का अंतर अनिवार्य किए जाने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि गैस एजेंसियों के गोदामों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगने लगी हैं। कई लोग सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं। आम उपभोक्ताओं का कहना है कि सरकार भले ही स्थिति सामान्य होने की बात कर रही हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सिलेंडर आसानी से नहीं मिल रहे हैं और कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई अचानक बंद कर दी गई है। लोगों का यह भी आरोप है कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए कुछ गैस एजेंसियां सिलेंडर की कमी का हवाला देकर उपभोक्ताओं को इंतजार करने के लिए मजबूर कर रही हैं। इससे शहर में गैस सप्लाई को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल बन गया है। दूसरी ओर केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तेल-गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं ताकि आपूर्ति में किसी तरह की कमी न आए। फिलहाल सरकार की प्राथमिकता घरेलू एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखना है।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आवश्यक सेवाओं जैसे- रेस्टोरेंट, अस्पताल और फूड सप्लाई चेन को बाधित होने से बचाना है। इसी बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिए हैं कि ईरान से जुड़ा युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। साथ ही G7 देशों ने भी रणनीतिक तेल भंडार के इस्तेमाल का फैसला किया है। इन घोषणाओं के बाद वैश्विक बाजार में Crude Oil की कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी दिखने लगा है, जिससे कई देश ईंधन की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर चिंतित हैं। संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति में लगातार बाधा आ रही है, ऐसे में कई क्षेत्रों की सरकारें ईंधन की खपत को नियंत्रित करने और सीमित आपूर्ति को संभालने के लिए आपातकालीन कदम उठा रही हैं।

विश्व के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास व्यवधान उत्पन्न होने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है। वैश्विक कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले इस संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। यहां किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर तुरंत पड़ता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे व्यापक ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है।

विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल और एलएनजी के कुल परिवहन का लगभग 31 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। मौजूदा अस्थिरता के कारण समुद्री मार्ग प्रभावित हो रहे हैं और व्यापारी सतर्क हो रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 120-140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

अनिश्चितता ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा कर दी है। कई देशों के शेयर बाजार ऊर्जा की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि और आपूर्ति में व्यवधान की चिंताओं पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।इस संकट का असर दुनिया के कई हिस्सों में महसूस किया जा रहा है। पाकिस्तान, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, पोलैंड, वियतनाम, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया जैसे देशों को ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है।इन देशों की सरकारें संकट से निपटने के लिए अलग-अलग रणनीतियां अपना रही हैं। कुछ ने ईंधन की राशनिंग शुरू की है, जबकि अन्य नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने का आग्रह कर रही हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में पाकिस्तान भी शामिल है। हाल के हफ्तों में पेट्रोल काफी महंगा हो गया है, जिससे वहां ईंधन की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। ईंधन संरक्षण के लिए, अधिकारियों ने स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है और सरकारी कार्यालयों के लिए कार्य सप्ताह को घटाकर चार दिन कर दिया है। दूरस्थ कार्य को भी प्रोत्साहित किया गया है।बांग्लादेश में, घबराहट में खरीदारी ने सरकार को सख्त ईंधन राशनिंग शुरू करने के लिए मजबूर किया है। मोटरसाइकिलों को प्रति दिन केवल दो लीटर ईंधन की अनुमति है, जबकि कारों का सीमित दैनिक कोटा है। जमाखोरी रोकने के लिए अधिकारी पेट्रोल पंपों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। यूरोप में, ईंधन की बढ़ती कीमतें घरेलू बजट पर दबाव डाल रही हैं। फ्रांस और पोलैंड में, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें बताई गई हैं क्योंकि कीमतें बढ़ने से पहले ड्राइवर अपने टैंक भरने के लिए दौड़ पड़ते हैं।जर्मनी को भी बढ़ती ऊर्जा लागत का सामना करना पड़ रहा है।

फॉलोअर्स की भूख और रिश्तों की नीलामी

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के नए दरवाजे खोले हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात दुनिया तक पहुँचाने का अवसर दिया है। पहले जहां सूचना और मनोरंजन के साधन सीमित थे, वहीं आज कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन के जरिए वीडियो बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है और लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। यह बदलाव लोकतांत्रिक भी है और प्रेरणादायक भी। लेकिन हर बदलाव के साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी जन्म लेती हैं।

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है—फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज़। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है। इसी होड़ ने कई कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसी राह पर ला खड़ा किया है, जहां निजी जीवन की मर्यादाएं भी कंटेंट का हिस्सा बनती जा रही हैं।

बीते कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरा है—पारिवारिक झगड़ों और निजी विवादों को कैमरे के सामने लाकर सोशल मीडिया पर साझा करना। पति-पत्नी के विवाद, भाई-बहन के मतभेद, सास-बहू की तकरार या परिवार के अंदर की छोटी-छोटी बहसें—जो पहले घर की चारदीवारी में सुलझा ली जाती थीं—अब वीडियो और पोस्ट के रूप में लाखों दर्शकों के सामने परोसी जा रही हैं।

कई यूट्यूबर्स और ब्लॉगर इसे "रियल लाइफ कंटेंट" का नाम देते हैं। उनका तर्क होता है कि दर्शक वास्तविकता देखना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर वास्तविक घटना को सार्वजनिक करना जरूरी है? क्या निजी रिश्तों को दर्शकों की जिज्ञासा के लिए खोल देना उचित है? असल में सोशल मीडिया का एल्गोरिथ्म भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। जिस कंटेंट में विवाद, भावनात्मक प्रतिक्रिया या सनसनी होती है, वह तेजी से वायरल होता है। लोग ऐसे वीडियो पर ज्यादा कमेंट करते हैं, अपनी राय देते हैं और कभी-कभी पक्ष या विपक्ष में बहस भी करते हैं। यही कारण है कि कुछ क्रिएटर्स जानबूझकर ऐसे विषय चुनते हैं जो लोगों की भावनाओं को भड़का सकें।

दुर्भाग्य की बात यह है कि कई बार ये झगड़े वास्तविक होते हैं और परिवार के सदस्यों की निजता दांव पर लग जाती है। एक छोटी सी तकरार को कैमरे के सामने लाकर बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। इससे न केवल रिश्तों की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों—विशेषकर बच्चों—पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कुछ मामलों में तो यह भी देखने में आया है कि विवादों को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है या फिर पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होता है। यानी झगड़ा असली नहीं होता, लेकिन उसे असली दिखाने की कोशिश की जाती है ताकि दर्शकों का ध्यान खींचा जा सके। यह स्थिति मनोरंजन और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है।

सोशल मीडिया के इस दौर में "वायरल" होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। जब किसी वीडियो को लाखों व्यूज़ मिलते हैं और हजारों नए फॉलोअर्स जुड़ते हैं, तो क्रिएटर को लगता है कि उसने सही रास्ता चुना है। लेकिन यह लोकप्रियता अक्सर क्षणिक होती है। जिस विवाद ने एक दिन दर्शकों का ध्यान खींचा, वही अगले दिन किसी और नए विवाद से दब जाता है। इस प्रवृत्ति का एक सामाजिक पहलू भी है। जब दर्शक बार-बार ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो धीरे-धीरे उन्हें यह सामान्य लगने लगता है कि निजी रिश्तों को सार्वजनिक मंच पर लाकर चर्चा का विषय बनाया जाए। इससे समाज में गोपनीयता और मर्यादा की भावना कमजोर पड़ सकती है। हमारे समाज में परिवार को हमेशा एक मजबूत संस्था माना गया है। परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और आपसी समझ का आधार भी है। जब परिवार के अंदर की समस्याओं को सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, तो यह उस भरोसे को कमजोर करता है जो रिश्तों की नींव होता है।

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर आने वाले दर्शकों में बड़ी संख्या युवा और किशोरों की भी होती है। वे जो कुछ देखते हैं, उससे प्रभावित होते हैं। अगर वे बार-बार यह देखेंगे कि लोकप्रियता पाने के लिए निजी विवादों को सार्वजनिक करना सामान्य बात है, तो उनके मन में भी यही धारणा बन सकती है कि जीवन में सफलता के लिए किसी भी हद तक जाना स्वीकार्य है। यह भी सच है कि सभी कंटेंट क्रिएटर्स ऐसे नहीं होते। बहुत से यूट्यूबर्स, ब्लॉगर और डिजिटल क्रिएटर्स ऐसे भी हैं जो ज्ञानवर्धक, रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री प्रस्तुत करते हैं। शिक्षा, विज्ञान, कला, संस्कृति, यात्रा और सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले अनेक लोग सोशल मीडिया को एक सकारात्मक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके प्रयास यह साबित करते हैं कि लोकप्रियता पाने के लिए विवाद और ड्रामा ही एकमात्र रास्ता नहीं है।

असल सवाल जिम्मेदारी का है। जब किसी के पास हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचने की ताकत होती है, तो उसके साथ एक सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ जाती है। कंटेंट क्रिएटर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी सामग्री केवल मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि लोगों की सोच और दृष्टिकोण को भी प्रभावित करती है।

दर्शकों की भी इसमें भूमिका कम नहीं है। आखिर वही तय करते हैं कि किस प्रकार का कंटेंट ज्यादा देखा जाएगा और किसे नजरअंदाज किया जाएगा। अगर दर्शक केवल सनसनी और विवाद वाले वीडियो को ही बढ़ावा देंगे, तो स्वाभाविक है कि ऐसे कंटेंट की संख्या बढ़ती जाएगी। लेकिन अगर वे रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो डिजिटल दुनिया का माहौल भी बदल सकता है।

आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन और समझदारी लाई जाए। निजी जीवन की सीमाएं तय की जाएं और यह समझा जाए कि हर घटना को सार्वजनिक करना आवश्यक नहीं होता। लोकप्रियता और फॉलोअर्स का महत्व अपनी जगह है, लेकिन रिश्तों की गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।अंततः यह याद रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक साधन है, लक्ष्य नहीं। इसका उपयोग ज्ञान, संवाद और सकारात्मक बदलाव के लिए किया जा सकता है। लेकिन जब यह केवल लोकप्रियता की अंधी दौड़ में बदल जाता है, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगते हैं।

फॉलोअर्स और व्यूज़ की यह भूख अगर इसी तरह बढ़ती रही, तो कहीं ऐसा न हो कि एक दिन लोग लोकप्रिय तो हो जाएं, लेकिन अपने ही रिश्तों और मूल्यों से दूर हो जाएं। इसलिए समय रहते यह समझना जरूरी है कि सच्ची सफलता वही है, जो सम्मान और संवेदनशीलता के साथ हासिल की जाए—न कि रिश्तों की नीलामी करके।

नीतीश कुमार के दिल्ली जाने के मायने

वीरेन्द्र सिंह परिहार

करीब 20 वर्षों तक सतत बिहार के मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार का राज्यसभा में जाना तय हो गया है। ऐसा माना जाता है कि महीने भर के अन्दर ही वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसके पश्चात बिहार में मुख्यमंत्री भाजपा का होगा एवं एक मात्र उप मुख्यंमत्री नीतीश कुमार के इंजीनियर बेटे निशांत कुमार होंगे। मात्र उप मुख्यमंत्री ही नहीं, ऐसी पर्याप्त संभावना है कि गृह जैसा संवेदनशील मंत्रालय भी राजनीति के नये खिलाड़ी निशांत ही संभालेंगे।

अब नीतीश के दिल्ली जाने को लेकर और भाजपा के संभावित मुख्यमंत्री होने पर सिर्फ विपक्षी दल राजद में ही नहीं बल्कि नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में भी बड़ी नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। तेजस्वी यादव तो बिना लाग-लपेट के यह आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री बनाने के लिये नीतीश को हाईजैक कर लिया और बिहार की सत्ता पर कब्जा करने का षड़यंत्र किया है। जदयू का एक बड़ा तबका भी इस बात को लेकर चिल्ल-पो मचा रहा है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री का पद छोड़कर दिल्ली क्यों जा रहे हैं और भाजपा को मुख्यमंत्री पद क्यों सौंप रहे हैं ? इस सम्बन्ध में एक बात तो बहुत ही स्पष्ट तौर पर समझ लेनी चाहिए कि नीतीश कुमार यदि मुख्यमंत्री का पद छोड़ रहे हैं तो वह कोई भाजपा पर एहसान नहीं कर रहे हैं। उल्टे भाजपा का उन्हें एहसानमंद होना चाहिए। एक बात तो स्पष्ट तौर पर समझ लेनी चाहिए कि वर्ष 1999 में जब भाजपा और जदयू अलग-अलग चुनाव लड़े, तब भाजपा को जदयू से एकीकृत बिहार में ज्यादा सीटें आई थी। फिर भी भाजपा ने कतिपय कारणों से नीतीश का नेतृत्व बनाये रखा। दूर जाने की कोई जरूरत नहीं, वर्ष 2020 के चुनाव में तो भाजपा की 80 सीटों के मुकाबले विधानसभा में जदयू को मात्र 43 सीटें मिली थी पर भाजपा ने अपने वचन का निर्वहन करते हुये नीतीश को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा के सामने चाहे समस्या कहे या मजबूरी यह भी थी कि यदि वह नीतीश को मुख्यमंत्री न बनाती और अपना मुख्यमंत्री बनाने का आग्रह करती तो नीतीश लालू यादव से भी हांथ मिला सकते थे। वह 2005 से मुख्यमंत्री बनने के बाद दो बार लालू से हांथ मिला भी चुके हैं पर वहाँ उन्हें वह स्वतंत्रता नहीं थी जो भाजपा के साथ रहती थी और कई जगह उन्हें भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर संमझौता करना पड़ता, इसलिये वह दोनो बार भाजपा के साथ वापस आ गये। इससे इतना तो समझा जा सकता है कि लालू के साथ जाने में उन्हें बहुत सैद्धान्तिक समस्या नहीं थी। अब यदि 75 वर्ष की उम्र में नीतीश मुख्यमंत्री का पद छोड़कर दिल्ली जा रहे हैं तो यह उनका कोई त्याग नहीं वरन मजबूरी है। पहली बात तो यह कि वह ऐसे ही दिल्ली नहीं जा रहे वरन इस बात की प्रबल संभावना है कि वह केन्द्र में मंत्री पद संभालेंगे। दूसरे एकमात्र बेटा उप मुख्यमंत्री तो बन ही रहा है। इस तरह से वह फिलहाल बिहार का नेता भले न हो पर जदयू का सर्वोपरि नेता तो बन ही जायेगा। तीसरे जो बाते छन कर आ रही है, वह यह कि भाजपा जिसे भी मुख्यमंत्री बनायेगी, वह नीतीश की सहमति से बनायेगी और राज-पाट चलाने में भी नीतीश राय-मशवरा देते रहेंगे, यानी अपना हस्तक्षेप कायम रखेंगे। सबसे बड़ी बात यह कि नीतीश कुमार के सम्बन्ध में कई ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं कि वह अब कम-से-कम मानसिक रूप से फिट नहीं हैं। ऐसी स्थिति में बिहार जैसे एक बड़े राज्य के मुख्यमंत्री बने रहना कतई उचित नहीं था। सबसे बड़ी बात यह कि यदि नीतीश उम्र के इस अंतिम पड़ाव में मुख्यमंत्री बने रहने की जिद पाले रहते तो बेटे को उत्तराधिकार कैसे सौंपते ? इसलिये यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि नीतीश के दिल्ली जाने के पीछे पुत्र को उत्तराधिकार सौंपना है।

यह कहा जा सकता है कि नीतीश सदैव वंशवाद की बुराई करते रहे, परिवारवाद से लड़ते रहे। इस मामले में, राजद सदैव उनके निशाने पर रहता था। क्योंकि लालू यादव ने जेल जाने पर अपनी अपढ और घरेलू पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया था तो 26 साल की उम्र में तेजस्वी को उप मुख्यमंत्री और एक तरह से राजद का नेता बना दिया था परन्तु नीतीश कुमार एक सुलझे और परिपक्व राजनीतिज्ञ हैं। मुख्यमंत्री रहते उन्हें इसकी खास जरूरत भी नहीं थी। दूसरे उन्हें अपना चेहरा भी बचाना था लेकिन जैसे ही ऐसा वक्त आया कि अब बेटे का राजतिलक कर ही देना चाहिए तो उन्होंने किन्तु-परन्तु नहीं किया। आज देश की बड़ी समस्या यह कि भाजपा को छोड़कर देश की सभी अन्य राजनीतिक पार्टियाँ परिवारवादी हैं और यदि परिवारवादी नहीं तो व्यक्तिवादी हैं। इसमें जो पार्टी प्रमुख होता है, उसे ऐसा लगता है कि पार्टी उसी की लोकप्रियता के बल पर चल रही है और ऐसे में पार्टी उसकी निजी जागीर जैसी हो जाती है। ऐसी स्थिति में वह पार्टी को अपने परिवार को छोड़ भला दूसरे के हवाले कैसे कर दे चाहे वह कितना ही समाजवाद एवं लोकतंत्र की दुहाई दे।

निश्चित रूप से नीतीश कुमार भी इसके अपवाद नहीं हैं। तभी तो राजनीति से पूरी तरह एक अनुभवहीन युवा को अपनी पार्टी को जैसे विरासत में सौंप दी है। जहाँ तक सवाल इस बात का है कि उनकी पार्टी जदयू ऐसा ही चाहती है तो विरोध में आवाज उठाना तो दूर, यदि कोई हाँ में हाँ नहीं मिलायेगा तो उसके गुमनामी में जाने का खतरा सामने खड़ा होता है।

हवा में कैद सांसें, प्रदूषण महामारी से ज्यादा हानिकारक

संजीव ठाकुर

पर्यावरण प्रदूषण का चौतरफा प्रहार आज मानव सभ्यता के अस्तित्व को चुनौती दे रहा है। प्रकृति के सुगठित संतुलन में जब अपशिष्ट तत्व अनियंत्रित रूप से मिलते हैं, तब वातावरण प्रदूषित होकर जीवन के लिए विष बन जाता है। प्रदूषण के कई आयाम हैं वायु, जल, भूमि, ध्वनि किन्तु वायु प्रदूषण इन सभी में सर्वाधिक घातक और संहारक सिद्ध हुआ है। यह मानव जीवन की सबसे मूलभूत आवश्यकता "साँस" को ही संकटग्रस्त कर रहा है। आकाश में तैरते सूक्ष्म प्रदूषण-कण, उद्योगों से निकलती जहरीली गैसें, वाहनों की धुएँ की लकीरें और मशीनों की निरंतर तपन इन सबने मिलकर हवा को एक अदृश्य हथियार बना दिया है, जो हर क्षण हमारे फेफड़ों को चीरने का काम कर रहा है।

अब स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी एक दुर्लभ सौभाग्य लगने लगा है।वायु प्रदूषण केवल आँकड़ों का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का संकट है।

विश्व-स्तर पर हुए वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि भारत में प्रदूषित वायु के कारण जीवन प्रत्याशा सामान्यतः 10 से 15 वर्ष तक घट सकती है। हमारा देश विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में गिना जा रहा है, जहाँ लगभग 40% जनसंख्या विषाक्त वायु की गिरफ्त में है। महानगर तो जैसे धुएँ की क़ैद बन चुके हैं—दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, रायपुर, इंदौर और अनेक औद्योगिक नगर प्रदूषण के शिखर पर हैं, जहाँ बचपन, बुढ़ापा और रोगग्रस्त शरीर मृत्यु के सबसे बड़े जोखिम पर खड़े हैं।

अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियाँ रोज़गार, शिक्षा और सामान्य पारिवारिक जीवन की गति को बाधित कर रही हैं। स्मॉग की मोटी चादर अब सुबह की ओस या शाम की धूप से अधिक दिखाई देने लगी है। सूर्य भी धुएँ की कोहरे में अपनी किरणों को खो बैठा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान स्थिति और भी भयावह रूप में सामने आई। फेफड़ों की शक्ति कमज़ोर कर चुकी प्रदूषित हवा ने वायरस के प्रहार को और घातक बना दिया। जिन लोगों के फेफड़े प्रदूषण से पहले ही क्षतिग्रस्त थे, वे महामारी की चपेट में अधिक संख्या में जाने लगे। यह तथ्य एक भयानक चेतावनी की तरह है—भविष्य में किसी भी महामारी का सबसे बड़ा सहयोगी प्रदूषित हवा बन सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत की हवा में प्रदूषक सूक्ष्म कणों (PM 2.5) की उपस्थिति स्वस्थ मानक से लगभग सात गुना अधिक पाई गई है। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए अलार्म बेल है क्योंकि यह प्रदूषण समान रूप से सबको अपने वश में लेता है; चाहे अमीर हो या गरीब, शहरी हो या ग्रामीण, वृद्ध हो या नवजात। विषैली हवा सीमाओं और वर्गों के बीच कोई भेदभाव नहीं करती वह सीधा फेफड़ों पर हमला करती है।

प्रदूषण का विस्तार केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक त्रासदी है, क्योंकि मनुष्य का प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रहना चिरकालीन सत्य है।

प्रकृति हमारी माता है, और हमने उसके असीम संसाधनों का उपयोग करते समय उसकी मर्यादा को भुला दिया है।

जंगल कटे, नदियाँ दम तोड़ने लगीं, नदियों की शुद्धाँश रेत बन कर बिकने लगी और हवा में जीवन की सुगंध स्थानांतरित होकर धुएँ की कड़वाहट में बदल गई। आज आकाश में तारे नहीं, धूल-कण चमकते हैं; हवा में फूलों की महक नहीं, रसायनों की चुभन है।

रंगीन गधों का मेला

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के 'विद्वान विला' अपार्टमेंट में सन्नाटा ऐसा था जैसे किसी पुस्तकालय में मातम छाया हो। यहाँ के स्वघोषित दार्शनिक प्रोफेसर गजानन 'गंभीर', अपनी खिड़की के पर्दों के पीछे छिपे बाहर की दुनिया को घृणा से देख रहे थे। होली का दिन था, और प्रोफेसर के अनुसार, यह वह दिन था जब होमो सेपियन्स स्वेच्छा से 'याहू' बनने का निर्णय लेते हैं। प्रोफेसर ने अपनी डायरी में लिखा—₹आज मानवता सामूहिक रूप से पागलखाने से छुट्टी पर है।₹ उनके लिए रंग केवल पिगमेंट नहीं, बल्कि तर्कशक्ति पर फेंका गया तेजाब था। वे खिड़की से देख रहे थे कि कैसे उनके पड़ोसी, जो कल तक 'क्वांटम फिजिक्स' पर चर्चा करते थे, आज बंदरों की तरह चीखते हुए एक-दूसरे के चेहरे पर कीचड़ ल रहे हैं। प्रोफेसर का मानना था कि सभ्यता की ऊँचाई से गिरने का सबसे छोटा रास्ता 'गुलाल' की एक पुड़िया से होकर गुजरता है, जहाँ मनुष्य अपनी पहचान मिटाकर एक बहुआयामी जोकर में तब्दील हो जाता है।

तभी प्रोफेसर के परम मित्र और मनोवैज्ञानिक डॉ. विचलित का फोन आया, जो स्वयं को 'बुद्धि का आखिरी किला' समझते थे। डॉ. विचलित की आवाज़ में कंपकंपी थी, ₹गजानन, क्या तुमने देखा? वर्मा जी ने अपनी ऑडी पर तिरपाल नहीं ढका है! वे इस रंगीन बर्बरता का स्वागत कर रहे हैं। यह मानसिक दीवालियेपन की पराकाष्ठा है। प्रोफेसर ने ठंडी आह भरते हुए उत्तर दिया, डॉक्टर, वर्मा जी तो कब के इस संक्रामक मूर्खता के शिकार हो चुके हैं। कल वे मुझसे कह रहे थे कि होली 'हृदय के मिलन' का पर्व है। मैंने उनसे पूछा कि क्या हृदय मिलने के लिए चेहरे का बैंगनी होना अनिवार्य है? जिस समाज में प्रेम व्यक्त करने के लिए रसायन और कीचड़ की आवश्यकता पड़े, समझ लीजिए कि वहाँ विवेक की मृत्यु हो चुकी है। दोनों मित्रों ने शपथ ली कि वे आज के दिन 'बौद्धिक उपवास' रखेंगे और किसी भी 'रंगीन आतंकवादी' को अपने द्वार के भीतर कदम नहीं रखने देंगे, चाहे इसके लिए उन्हें शांति का मार्ग ही क्यों न चुनना पड़े।

दोपहर होते-होते 'विद्वान विला' के बाहर का दृश्य किसी युद्धभूमि जैसा हो गया था, जहाँ हथियार के रूप में पिचकारियाँ और गोला-बारूद के रूप में पानी के गुब्बारे इस्तेमाल हो रहे थे। हुड़दंगियों की एक टोली 'जोगीरा सारा रारा' का गान करते हुए निकली, जिसका साहित्य सुनकर प्रोफेसर गजानन को लगा कि उनकी सारी डिग्रियाँ नाली में बह गई हैं। उन टोलियों में ऊँचे पदों पर बैठे अधिकारी भी थे, जो अपनी मर्यादा को भांग के गिलास में घोलकर पी चुके थे। प्रोफेसर ने टिप्पणी की, देखिए डॉक्टर, यह भांग की महिमा है। यह वह अद्भुत तरल है जो एक गधे को दार्शनिक और एक दार्शनिक को गधा बनाने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस औषधि का सेवन करने के बाद मनुष्य को ब्रह्मांड के रहस्य समझ आने लगते हैं, भले ही उसे अपना घर का रास्ता याद न हो। भांग के नशे में झूमते लोग सड़क पर ऐसे लोट रहे थे जैसे वे धरती की गोलाई को अपने शरीर से नापना चाह रहे हों। अचानक प्रोफेसर के दरवाजे पर ऐसी दस्तक हुई जैसे कोई दैत्य भीतर आने को बेताब हो। यह 'मूर्ख मंडली' के सेनापति, तिवारी जी थे, जिनका पूरा शरीर काले और चांदी जैसे पेंट से पुता हुआ था। वे किसी अंतरिक्ष यात्री की तरह दिख रहे थे जो मंगल ग्रह से सीधे नाली में गिरा हो।

बेकाबू ऑडी ने विदेशी युवती को रौंदा

मोहाली, 11 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली में एक ऑडी कार ने एक विदेशी युवती की जान ले ली। पैदल जा रही विदेशी युवती को बेकाबू ऑडी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। यह हादसा मध्यरात्रि करीब 12 बजे वीआईपी रोड पर एमकेयर अस्पताल के ठीक सामने हुआ। मृतक युवती की पहचान मावलूदा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से तुर्की की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, मावलूदा अपने एक दोस्त के साथ एमकेयर अस्पताल में किसी मरीज से मिलने गई थी। जब वह अस्पताल से बाहर निकलकर पैदल सड़क पार कर रही थी, तभी काले रंग की एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मावलूदा करीब 15 फीट हवा में उछल गई और सड़क के दूसरी ओर जा गिरी। टक्कर लगने के बाद युवती के शरीर से काफी अधिक खून बह गया,

जिसकी वजह से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस पूरी घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कार की टक्कर के बाद युवती हवा में उछल कर सड़क की ओर गिर जाती है। पुलिस ने इस फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सड़क पर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की मदद से ऑडी कार के नंबर और आरोपी चालक की पहचान करने में जुटी है।

मायावती के वोटबैंक में सेंध की तैयारी

कांग्रेस ने बनाया प्लान

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बसपा के वोटबैंक में सेंध लगाने का प्लान बना लिया है। दरअसल, कांशीराम के जन्मदिन (15मार्च) के सम्मान में यूपी कांग्रेस एक हफ्ते तक सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगी, जिसकी शुरुआत लखनऊ के जुपिटर हाल, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से 13 मार्च को होगी। इस कार्यक्रम में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी मुख्य वक्ता के तौर पर हिस्सा लेंगे। कांग्रेस ने कांशीराम के जन्मदिन को सामाजिक परिवर्तन दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया है।

इस कार्यक्रम में दलित-पिछड़े चिंतकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को न्योता भेजा गया है। यूपी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राहुल के इस कदम को खासकर दलित वोटबैंक को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस को लगता है कि कांशीराम की विरासत संभाल रहीं बसपा सुप्रीमो मायावती अरसे से बीजेपी की बी टीम की तरह काम कर रही हैं और बेहद कम सक्रिय हैं। ऐसे में मान्यवर कांशीराम के बड़े वोटबैंक को अपने पाले में किया जा सकता है।

कांग्रेस की तरफ लौटेंगे कांशीराम के समर्थक!

कांग्रेस का मानना है कि जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी के नारे को लगातार राहुल लेकर चल रहे हैं। जातिगत जनगणना की मांग भी राहुल ने उठाई, इसलिए कांशीराम समर्थक भी कांग्रेस की तरफ लौटेंगे। इससे पहले राहुल ने इन दोनों मुद्दों के साथ ही बीजेपी पर 400 सीटें आने पर संविधान बदल देने का मुद्दा लोकसभा चुनाव में उठाया था, जिसका कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को फायदा मिला था। ऐसे में राहुल ने अब यूपी विधानसभा चुनाव से पहले ये चुनावी दांव चलने का फैसला किया है।

सपा भी कर चुकी ऐलान

1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम को उत्तर प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों में दलितों और दूसरे पिछड़े समुदायों को एक ताकतवर पॉलिटिकल ग्रुप में इकट्ठा करने का क्रेडिट दिया जाता है। 15 मार्च को उनकी जयंती उनके फॉलोअर्स, खासकर बहुजन समाज पार्टी मनाती है।

इस साल, समाजवादी पार्टी ने भी ऐलान किया है कि वह इस मौके को बड़े पैमाने पर मनाएगी और इस दिन को पीडीए दिवस के तौर पर मनाएगी। मायावती ने ऐसा करने के लिए समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव की आलोचना की और इसे पूरी तरह से पॉलिटिकल ड्रामा बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि एसपी का चाल, चरित्र और चेहरा हमेशा से बहुजन समाज के नेताओं और आइकॉन के प्रति बेइज्जती दिखाता रहा है।

दो पैन कार्ड मामले में आजम खां की अपील पर बहस पूरी 16 मार्च को अगली सुनवाई

रामपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। दो पैन कार्ड मामले में सजा के खिलाफ सपा नेता आजम खां और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला की अपील पर आज सुनवाई हुई। इस मामले में अपील पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। न्यायालय ने अपीलकर्ता को अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर देते हुए अगली सुनवाई के लिए 16 मार्च नियत की है। आजम खां और अब्दुल्ला के खिलाफ दो पैन कार्ड का मामला भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की ओर से सिविल लाइंस कोतवाली में वर्ष 2019 में दर्ज हुआ था। विधायक का आरोप था कि आजम खां ने बेटे अब्दुल्ला के अलग-अलग जन्मतिथि से दो पेन कार्ड बनवाए थे और उनका उपयोग भी किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर पिता-पुत्र के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिए थे। इस मामले में पिता-पुत्र को 17 अक्टूबर 2025 को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) दोषी मानते हुए सात-सात साल के कारावास की सजा सुनाई थी।

'एक दिन तू फ्रिज में मिलेगी'

एमडीएस छात्रा ने 6 पन्नों के सुसाइड नोट में प्रेमी पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के एंटॉप हिल इलाके से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। 24 वर्षीय एमडीएस छात्रा स्तुति सोनवणे ने प्रेमी से तंग आकर अपने घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्तुति नवी मुंबई के एक प्रतिष्ठित डेंटल कॉलेज से पढ़ाई कर रही थी। मौत से पहले उसने 6 पन्नों का एक भावुक और सनसनीखेज सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने अपने प्रेमी मोहम्मद फौझील पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

एंटॉप हिल पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट के मुताबिक, स्तुति और मोहम्मद फौझील के बीच शुरुआती संबंध काफी अच्छे थे, लेकिन समय के साथ रिश्ते में कड़वाहट आ गई। स्तुति ने लिखा है कि फौझील उस पर चरित्र हनन के आरोप लगाता था और लगातार शक करता था।

इस मानसिक प्रताड़ना से वह पूरी तरह टूट चुकी थी। सुसाइड नोट में अप्रत्यक्ष रूप से चर्चित 'श्रद्धा वालकर हत्याकांड' का जिक्र भी किया गया है। छात्रा ने नोट में लिखा कि उसके दोस्त अक्सर उसे चेतावनी देते थे और मजाक में कहते थे, "एक दिन तू हमें फ्रिज में मिलेगी।" यह बात प्रेमी के साथ उसके बिगड़ते रिश्तों और डर की ओर इशारा करती है।

एलपीजी संकट के बीच संजय राउत का हमला

कहा- नाले से गैस बन सकती है तो प्लांट का उद्घाटन करें पीएम

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच देश में एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि सरकार के दावे गलत साबित हो रहे हैं और एलपीजी और ईंधन की कमी का असर कई क्षेत्रों पर पड़ रहा है।

राउत ने आरोप लगाया कि कमर्शियल और घरेलू गैस की कमी के कारण कई जगह रेस्टोरेंट और दूसरी इंडस्ट्री प्रभावित हो रही हैं, यहां तक कि कुछ रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत आ गई है। उनका कहना था कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ था तब केंद्र सरकार ने कहा था कि इसका भारत पर कोई असर नहीं पड़ेगा और कीमतें भी नहीं बढ़ेंगी, लेकिन अब हालात अलग दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री के आश्वासन गलत साबित हो गए हैं।

'मुंबई में ऐसे संयंत्र का उद्घाटन हो '

संजय राउत ने कहा कि मुंबई और दूसरे शहरों में गैस की किल्लत के कारण रेस्टोरेंट बंद होने की खबरें सामने आ रही हैं और इसका असर उद्योगों पर भी पड़ सकता है। उन्होंने दावा किया कि वाहन क्षेत्र पर भी संकट मंडरा रहा है और गुजरात के मोरबी में टाइल उद्योग पर असर पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समर्थकों पर इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। राउत ने प्रधानमंत्री के उस पुराने बयान पर भी कटाक्ष किया जिसमें नाले से गैस बनाने के प्रयोग का जिक्र किया गया था और कहा कि अगर ऐसा संभव है तो मुंबई में ऐसे संयंत्र का उद्घाटन किया जाना चाहिए।

इसके अलावा उन्होंने चुनाव आयोग को लेकर भी टिप्पणी की और आरोप लगाया कि आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी तंज कसा और कहा कि उनके बारे में नई-नई दंतकथाएं सामने आती रहती हैं।

राउत ने यह भी कहा कि अमेरिका के प्रेस सचिव के बयान में भारत को लेकर जिस तरह की टिप्पणी की गई, वह देश और प्रधानमंत्री का अपमान है। उनका कहना था कि अगर कोई विदेशी अधिकारी यह कहे कि भारत को रूस से तेल खरीदने या न खरीदने के फैसले बाहरी दबाव में लेने पड़ते हैं, तो यह देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बयान है।

3 बार जहर देने के बाद भी बच गई पत्नी

फिर ठंडे दिमाग से बनाया आखिरी प्लान शिक्षिका वृषाली मर्डर केस की इनसाइड स्टोरी हैरान कर देगी

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक शिक्षक पति ने अपनी ही शिक्षक पत्नी की हत्या कराने के लिए सुनियोजित साजिश रची। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने पहले अपनी पत्नी को 3 बार जहर देकर मारने की कोशिश की थी, लेकिन हर बार उसकी योजना नाकाम रही। इसके बाद उसने पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए सुपारी किलर की मदद लेने का फैसला किया। जांच के अनुसार आरोपी ने करीब एक लाख रुपये में एक व्यक्ति को पत्नी की हत्या की सुपारी दी। इस व्यक्ति ने आगे एक ड्राइवर को इस काम के लिए तैयार किया।

योजना के तहत महिला की कार को सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए जानबूझकर टक्कर मारी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक टीचर और आरोपी पति का कुछ दिनों से घर में झगडा चल रहा था, इस कारण उसने पुलिस में शिकायत भी दी थी। 2 मार्च की सुबह जलगांव जामोद तालुका के कवठल गांव के पास एक सफेद रंग की टाटा इंट्रा गाड़ी ने स्कूल जा रही शिक्षिका वृषाली प्रकाश गावंडे की स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी थी। इस हादसे में वृषाली की मौके पर ही मौत हो गई थी। शुरुआत में यह घटना सड़क दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, लेकिन जलगांव जामोद पुलिस ने जांच शुरू की तो मामला संदिग्ध लगा और सच्चाई सामने आ गई।

पीएम मोदी से मिलने के लिए रची थी साजिश

6 साल बाद हुआ गिरफ्तार

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन की टीम ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जिसने कई साल पहले प्रधानमंत्री पर केमिकल अटैक की झूठी धमकी देकर सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया था। आरोपी का नाम काशीनाथ गुणाधर मंडल (29) है, जो झारखंड के दुमका जिले के नारायणपुरा गांव का रहने वाला है। उसे मुंबई के कालाचौकी इलाके के अभ्युदय नगर स्थित जिजामाता नगर से गिरफ्तार किया गया।

2018 का है मामला

पुलिस के मुताबिक यह मामला 27 जुलाई 2018 का है। उस दिन शाम करीब 5:33 बजे आरोपी ने अपने मोबाइल फोन से दिल्ली में स्थित एनएसजी (एनएसजी) कंट्रोल रूम में कॉल किया और कहा कि पीएम साहब के ऊपर केमिकल अटैक होने वाला है।

सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

इस फोन कॉल के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और मामले की जांच

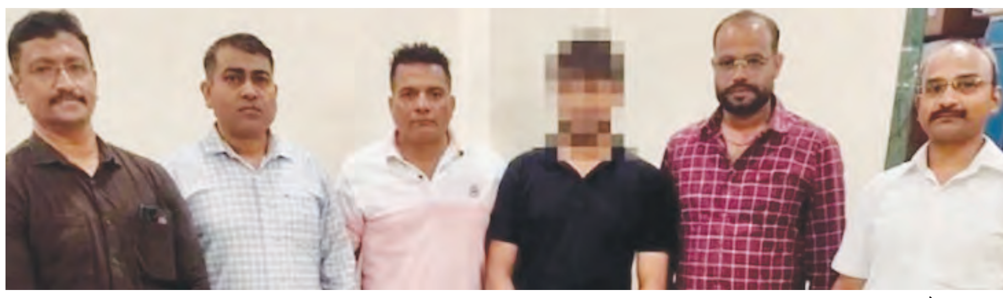

शुरू की गई।जांच में सामने आया कि यह कॉल झूठी थी और समाज में डर का माहौल पैदा करने के इरादे से की गई थी। इसके बाद डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 505(1), 505(2) और 182 के तहत मामला दर्ज किया गया। शुरुआत में इस मामले में एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने आरोपी को गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में उसे जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इसके चलते अदालत ने उसके खिलाफ नॉन-बेलेबल वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी कर दिया।

6 साल तक फरार रहा था शख्स

पुलिस का कहना है कि वारंट जारी होने के बाद आरोपी करीब पांच से छह साल तक फरार रहा। इस दौरान वह लगातार सिम कार्ड बदलता रहा और अपना ठिकाना छिपाकर रखता था, ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम उसके झारखंड स्थित गांव भी पहुंची थी, लेकिन वहां उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस का आरोप है कि उसके परिवार वालों ने भी जांच में ज्यादा सहयोग नहीं किया। बाद में तकनीकी जांच और मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को पता चला कि आरोपी फिर से मुंबई लौट आया है और कालाचौकी इलाके में छिपकर रह रहा है। सूचना मिलने के बाद डीबी मार्ग पुलिस की क्राइम डिटेक्शन टीम ने इलाके में तलाश शुरू की और आरोपी को जिजामाता नगर, कालाचौकी से पकड़ लिया। उस समय वह एक इमारत में पानी सप्लाई से जुड़ा काम कर रहा था। पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए उसे हिरासत में लिया और औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया।

बदरीनाथ-केदारनाथ में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक बीकेटीसी बैठक में 121 करोड़ का बजट भी पास

रुद्रप्रयाग, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चार धामों में से केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में अब गैर-सनातनियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह निर्णय बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की बजट बैठक में लिया गया। बैठक में समिति के अंतर्गत आने वाले 46 मंदिरों का बजट भी पारित किया गया। वित्त वर्ष 2026–27 के लिए 121 करोड़ 7 लाख रुपये से अधिक का अनुमानित बजट मंजूर किया गया। चारधाम यात्रा 19 अप्रैल से शुरू हो रही है। यमुनोत्री और गंगोत्री धामों के कपाट अक्षय तृतीया (19 अप्रैल) को खुलेंगे, जबकि केदारनाथ के कपाट 22 अप्रैल और बदरीनाथ के कपाट 23 अप्रैल को खुलेंगे।

पिछले वर्ष 2025 में चारों धामों में मिलाकर लगभग 51 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। बैठक में श्री बदरीनाथ धाम के लिए 57,47,39,601 और श्री केदारनाथ धाम के लिए 63,60,59,900 का प्रावधान किया गया। प्रस्तावित आय के मुकाबले 99,45,36,651 का प्रस्तावित व्यय दर्शाया गया।

'मैं सो रही थी... वो गलत तरीके से टच कर रहा था'

इंडिगो की फ्लाइट में महिला पत्रकार से छेड़छाड़

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक महिला पत्रकार के साथ छेड़खानी की घटना सामने आई है। पत्रकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी आपबीती साझा करते हुए आरोप लगाया कि उनके बगल में बैठे यात्री ने उड़ान के दौरान उन्हें गलत तरीके से छुआ। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि उनके बगल में बैठे व्यक्ति, जिसका नाम निधीश गोपालकरी नायर बताया गया है, ने पहले तब उन्हें छुआ जब वह सो रही थीं।

जब दूसरी बार उसने हाथ बढ़ाया, वह जाग रही थीं और उन्होंने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। पत्रकार के मुताबिक जब उन्होंने आरोपी से सवाल किया तो उसने कहा कि 'तुम्हें भ्रम हो रहा है... आप मतिभ्रम कर रहे हैं'। पत्रकार ने यह भी बताया कि आरोपी पीडब्ल्यूसी में काम करता है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन को इस मामले की जानकारी है और उसने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मुंबई हवाई अड्डे पर उस व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया। यह घटना आज सुबह घटी। पोस्ट वायरल होने के बाद मुंबई पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी।

पुलिस ने एक्स पर ही महिला से अधिक विवरण, फ्लाइट नंबर, समय, सीट नंबर और संपर्क जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है। साथ ही कार्रवाई का भरोसा भी दिया है। पुलिस ने लिखा, कृपया डिटेल्स डीएम में साझा करें, हम आपकी मदद के लिए मौजूद हैं। फ्लाइट में महिला यात्रियों के साथ अभद्रता के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर इन-फ्लाइट सुरक्षा, एयरलाइन की त्वरित कार्रवाई और यात्रियों के अधिकार को लेकर बहस गरम हो गई है।

निशांत कुमार की यात्रा को लेकर कद्दावर नेता का बड़ा बयान, 'लोगों से जितना मिलेंगे उतना अच्छा

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार बिहार यात्रा पर निकलेंगे। अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा पर हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से बयानबाजी भी हो रही है। तमाम तरह की बातें कही जा रही हैं। ऐसे में जेडीयू के कद्दावर नेता और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी का बड़ा बयान आया है। बुधवार (11 मार्च, 2026) को अशोक चौधरी ने निशांत की यात्रा को लेकर कहा, अच्छी बात है... यात्रा तो करनी चाहिए। हमारे नेता हैं। लोगों से जितना मिलेंगे वो तो अच्छा है। व्यक्तिगत अनुभव होगा। क्या दिक्कत है क्या होना चाहिए, ये सही है। दूसरी ओर एक सवाल के जवाब में अशोक चौधरी ने तेजस्वी यादव पर हमला किया। विपक्ष द्वारा निशांत कुमार की आलोचना पर अशोक चौधरी ने कहा, जो सातवीं फेल है वह कठपुतली नहीं हो सकता...?

जो स्नातक है, इंजीनियर है वह कठपुतली हो जाएगा? किसी को कठपुतली कहने का मापदंड क्या है? उधर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरजेडी की ओर से निशाना साधा गया है। आरजेडी के नेता और प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' पर कहा, अब वो समृद्धि यात्रा करके क्या करेंगे? पहले वो बताएं कि वो किस मजबूरी में मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ रहे हैं?।।।नीतीश कुमार दबाव में हैं और बीजेपी ने उन्हें हाईजैक कर लिया है... जनता की भावनाओं का, जनादेश का अपमान हो रहा है। नीतीश कुमार को हिसाब देना ही पड़ेगा।।।

दिल्ली के प्रदूषण को लेकर राज्यसभा में जोरदार बहस, स्वाती मालीवाल ने उठाई कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर राज्यसभा में जोरदार बहस देखने को मिली। जहां आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने दिल्ली की खराब हवा को गंभीर सार्वजनिक संकट बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल और सख्त कदम उठाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि यह समस्या अब सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं रह गई है, बल्कि लाखों लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा मामला बन चुकी है। राज्यसभा में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान स्वाति मालीवाल ने राजधानी की प्रदूषित हवा को लेकर तीखी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रहने वाले लोगों के लिए लगातार खराब होती हवा किसी सजा से कम नहीं है। मालीवाल के मुताबिक सरकार को इस संकट को रोकने के लिए आपात स्तर पर कदम उठाने चाहिए।

बहस के दौरान मालीवाल ने सुझाव दिया कि जब तक प्रदूषण पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो जाता, तब तक एयर प्यूरीफायर और वॉटर प्यूरीफायर जैसे उपकरणों को जीएसटी से पूरी तरह मुक्त किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इन उपकरणों की जरूरत आज कई परिवारों के लिए अनिवार्य बन चुकी है, इसलिए सरकार को इन्हें सस्ता बनाने की दिशा में कदम उठाना चाहिए। मालीवाल ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएएम) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आयोग को नौकरशाही के दबाव से बाहर निकालकर पूरी तरह स्वायत्त बनाया जाना चाहिए।

उनके अनुसार इस संस्था का नेतृत्व अनुभवी विशेषज्ञों के हाथ में होना चाहिए और उसे पर्याप्त अधिकार तथा संसाधन दिए जाने जरूरी हैं। राज्यसभा सांसद ने दिल्ली में प्रदूषण से स्थायी लड़ाई के लिए एक बड़े वित्तीय पैकेज की भी मांग की। उन्होंने कहा कि राजधानी की हवा को साफ करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड बनाया जाना चाहिए। इस फंड का इस्तेमाल साफ लक्ष्य के साथ प्रदूषण के स्रोतों को खत्म करने में किया जाना चाहिए। मालीवाल ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि भारत की राजधानी को दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ तक लोगों को सलाह दे रहे हैं कि यदि संभव हो तो कुछ समय के लिए दिल्ली छोड़ दें, क्योंकि यहां की हवा लगातार खतरनाक स्तर पर बनी हुई है।

धुंध के कारण हैदराबाद से आई फ्लाइट लखनऊ नहीं उतर सकी, दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में बुधवार सुबह से छाई धुंध के कारण विमानों का संचालन प्रभावित हुआ। सुबह हैदराबाद से लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान लखनऊ एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। उसे दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा। यही नहीं सुबह लखनऊ से जाने वाली कई उड़ानें घंटों देरी से रवाना हुईं। वहीं ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध के कारण खाड़ी देशों को आने-जाने वाली कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बुधवार को भी रद्द कर दी गईं।

एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि सुबह से छाई धुंध की वजह से लखनऊ एयरपोर्ट पर दृश्यता कम रही। इस कारण हैदराबाद से सुबह 8:05 बजे लखनऊ पहुंची इंडिगो की उड़ान (6ई 608) लखनऊ एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। लो विजिबिलिटी के कारण एटीसी से विमान को लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। बाद में उसे दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। वहीं सुबह 6:10 बजे लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 2108) करीब 1 घंटा देरी से और सुबह 6:15 बजे दम्माम जाने वाली फ्लाइनेस की उड़ान (एक्सवाई 897) 9:05 बजे रवाना हुई। इसी तरह लखनऊ से सुबह 8:45 बजे बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 325) सवा घंटे बाद 10 बजे उड़ान भर सकी। उधर, ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण अबूधाबी से सुबह 6:05 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ान (6ई 1416) को रद्द कर दिया गया।

इसी तरह शारजाह से सुबह 7:05 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 1424) रद्द कर दी गई। इसके अलावा दम्माम से शाम 8 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6 ई 98) भी रद्द हुई। साथ ही लखनऊ से शाम को 8:35 बजे अबूधाबी जाने वाली इंडिगो की (उड़ान 6ई 1415) रद्द कर दी गई। इसी तरह रात 9 बजे दम्माम जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 97) और रात 10 बजे शारजाह जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 1423) भी रद्द कर दी गई।

बिन ब्याही प्रेग्नेंट लड़की

अबॉर्शन की सलाह और लॉकडाउन

ओटीटी पर साउथ सिनेमा की एक ऐसी थ्रिलर फिल्म आई है, जिसका प्लॉट जानकर ही मन में कुछ घुमड़ने लगेगा। अनुपमा परमेश्वरन की इस फिल्म का नाम है 'लॉकडाउन', जिसमें वह एक ऐसी लड़की के किरदार में हैं, जो बिना शादी प्रेग्नेंट हो जाती है। परिवार से दूर शहर में रहती है और तभी देश में लॉकडाउन लग जाता है।

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म 'प्रेमम' आपने जरूर देखी होगी। वह एक मयालमी रोमांटिक फिल्म थी। अनुपमा बुधवार को अचानक सुर्खियों में आ गईं। इसकी वजह बनी उनकी फिल्म 'लॉकडाउन', जो इसी साल जनवरी 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया है। लाइका प्रोडक्शंस ने बुधवार को सोशल मीडिया पर सुबह-सुबह ऐलान किया कि उनकी थ्रलिर-ड्रामा 'लॉकडाउन' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। आप इस फिल्म को तमिल और तेलुगू के अलावा हिंदी डब वर्जन में भी स्ट्रीम कर सकते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इस फिल्म में ऐसा क्या है, जिसको लेकर इतना शोर मचा है! तो फिर आइए 'लॉकडाउन' की दुनिया में गोते लगाते हैं।

'लॉकडाउन' मूल रूप से एक तमिल फिल्म है। इसे एआर जीवा ने डायरेक्ट किया है। अनुपमा परमेश्वरन लीड रोल में हैं। उनके साथ चार्ले, लिविंगस्टन, निरोशा, प्रिया वेंकट भी हैं। इस फिल्म का प्रीमियर 23 नवंबर 2025 को गोवा में भारत के 56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में किया गया था। बाद में इसे 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया।

वैसे तो फिल्म के नाम से ही इसे प्लॉट का अंदाजा हो जाता है। यह फिल्म लॉकडाउन यानी Covid-19 महामारी के मुश्किल समय के दौर में सेट है। कहानी में चेन्नई शहर है, जहां एक लड़की अनीता रहती है। वह एक मिडिल-क्लास परिवार से आती है। उसके अपने सपने है और वह नौकरी करके आगे बढ़ाना चाहती है। अनीता एक रूढ़ीवादी परिवार की जिम्मेदार, सबसे बड़ी बेटी है, जिसकी जिंदगी एक 'सबसे बुरे सपने जैसी स्थिति' में फंस जाती है। कोरोना महामारी में जहां एक ओर सरकार ने देशभर में लॉकडाउन लगा दिया है, वहीं अनीता खुद के भीतर एक ऐसा रहस्य छुपाए बैठी है, जो अब ना चाहते हुए भी दुनिया के सामने होगा। यही नहीं, लॉकडाउन की वजह से अब उसे इस हालात से अकेले ही जूझना होगा।

दरअसल, निजी जीवन में कुछ अजीब से हालात के बीच अनीता को पता चलता है कि वह प्रेग्नेंट है। उसने यह बात सबसे छुपा रखी है। उसके दोस्त उसे अबॉर्शन की सलाह देते हैं। अनीता की शादी नहीं हुई है। अब वह प्रेग्नेंसी में घर में अकेली है। बाहर लॉकडाउन लगा है। कहानी एक धीमी आग के ताप की तरह बढ़ती जाती है। इमोशन और ड्रामा अपने चरम पर पहुंचता है। अनीता का मानसिक तनाव, बतौर दर्शक आपको भी शांत निराशा से भर देता है।

लॉकडाउन की कास्ट, सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानी

बताया यह भी जाता है कि यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह एक जवान अविवाहित महिला को अबॉर्शन करवाने में आने वाली मुश्किलों को दिखाती है। फिल्म की डिटेल कास्ट में अनुपमा परमेश्वरन, चार्ली, निरोशा, प्रिया वेंकट और लिविंगस्टन के अलावा इंदुमती, राजकुमार, शामजी, लोल्लू सभा मारन, विनायक राज, विधु, अभिरामी, रावथी, संजीवी, प्रिया गणेश, आशा हैं।

मलाइका से लिंक-अप की खबरों पर भड़के सोराब बेदी

कहा- हम सिर्फ दोस्त, लड़की के बारे में बोलने से पहले सोचिए

हाल ही में मलाइका अरोड़ा के एक वीडियो ने सबका ध्यान खींचा था जिसमें वो सोराब बेदी के साथ पार्टी के दौरान मिरर के सामने डांस करती दिखी थीं। इस वीडियो में सोराब खुद कैमरे से रिकॉर्डिंग करते दिख रहे थे। सोराब ने मलाइका को एक हाथ से अपनी बांहों में भर रखा था। इन झलकियों ने एक बार फिर से मलाइका की लाइफ में नए प्यार को लेकर चर्चा छेड़ दी। अब सोराब ने इस बारे में अपनी तरफ से कुछ बातें खोलकर रखी हैं।

एक्टर सोराब बेदी और मलाइक को देख लोग उनके बीच प्यार को लेकर अटकलें लगाने लगे। हालांकि, मलाइका अक्सर ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अर्जुन कपूर के साथ डेटिंग की शुरुआत से लेकर अब खत्म होने के बाद भी उनके रोमांटिक रिश्ते पर लोगों की नजरें अक्सर चली जाती हैं।

मलाइका से उनकी मुलाकात पहली बार कैसे हुई

अब सोराब बेदी ने मलाइका के साथ इस मामले पर बातें करते हुए एक्ट्रेस के साथ अपने रोमांटिक रिश्ते की अफवाहों को गलत करार दिया है। सोराब बेदी ने मलाइका अरोड़ा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर नाराजगी जाहिर की। एक्टर ने साफ किया कि दोनों के बीच दोस्ती से बढ़कर कुछ और नहीं है। सोराब ने बताया कि मलाइका से उनकी मुलाकात पहली बार कैसे हुई थी।

धीरे-धीरे उनके सोशल सर्कल में शामिल हो गए

सोराब ने बताया कि मॉडलिंग के दिनों में वो मलाइका से मिले। किस्सा शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि उनके मेंटर्स डेलनाज दारूवाला और वाहबिज मेहता के जरिए वो मलाइका से मिले थे। उन्हीं लोगों की वजह से वे धीरे-धीरे उनके सोशल सर्कल में शामिल हो गए और ऐसी पार्टियों में जाने लगे जहां मलाइका भी मौजूद होती थीं।

बताया- मलाइका से कैसे हुई मुलाकात

सोराब ने कहा, 'डेलनाज दारूवाला और वाहबिज मेहता ने मुझे मॉडलिंग के दिनों में रैंप पर चलने का मौका दिया। मैं उनसे दोस्त बन गया और पार्टियों में जाने लगा। एक पार्टी में, मेरे मेंटर्स के जरिए मेरी मुलाकात मलाइका से हुई। वह भी डेलनाज और वाहबिज की क्लोज फ्रेंड हैं। इस तरह मलाइका और मैं दोस्त बन गए। हमारे बीच कुछ भी नहीं है।'

डेलनाज दारूवाला और वाहबिज मेहता ने मुझे मॉडलिंग के दिनों में रैंप पर चलने का मौका दिया। मैं उनसे दोस्त बन गया और पार्टियों में जाने लगा। एक पार्टी में, मेरे मेंटर्स के जरिए मेरी मुलाकात मलाइका से हुई।

अपने वायरल उस वीडियो पर भी सोराब ने रिएक्ट करते हुए कहा कि लोग इतनी जल्दी कन्क्लूज़न पर पहुंच जाते हैं, इससे उन्हें निराशा है।

उन्होंने कहा, 'लोग हमारे बारे में काफी बातें कर रहे हैं। उन्हें किसी लड़की के बारे में बोलने से पहले दो बार सोचना चाहिए। इससे उसकी मानसिक स्थिति पर असर पड़ सकता है। ऐसा करना नहीं चाहिए।'

वाहबिज, डेलनाज और मलाइका के साथ पार्टी

सोराब ने यह भी कहा, 'मैंने उनके साथ पहली बार पार्टी नहीं की है। मैं कई सालों से वाहबिज, डेलनाज और मलाइका के साथ पार्टी करता आ रहा हूं। पहले मैं मलाइका के साथ तस्वीरें शेयर करता था लेकिन तब मैं इतना जाना-पहचाना चेहरा नहीं था। अब मैं जाना-पहचाना चेहरा हूं, इसलिए अब लोग मेरी तरफ ध्यान दे रहे हैं।'

मैं कई सालों से वाहबिज, डेलनाज और मलाइका के साथ पार्टी करता आ रहा हूं। पहले मैं मलाइका के साथ तस्वीरें शेयर करता था लेकिन तब मैं इतना जाना-पहचाना चेहरा नहीं था। अब मैं जाना-पहचाना चेहरा हूं।

सोराब ने कहा- हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं

उन्होंने आगे ये भी कहा कि इस तरह की तस्वीरें और वीडियो पहले भी पोस्ट किए गए हैं, लेकिन जब उन्हें लोग नहीं पहचानते थे तब उन पर किसी का ध्यान नहीं गया था।' उन्होंने कहा, 'दो लोग दोस्त हो सकते हैं। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं, लेकिन लोगों ने इसे अलग तरह से लिया।'

'स्प्लिट्सविला 16' में हैं सोराब

31 वर्षीय सोराब 'स्प्लिट्सविला 16' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रहे हैं। इससे पहले वो 'दिलवाली दूल्हा ले जाएगी' और 'चांद जलने लगा' जैसे टेलीविजन शो में भी दिखाई दे चुके हैं।

प्रियदर्शन ने राजपाल यादव को कहा था कम पढ़ा-लिखा

अब सफाई में कहा- नीचा नहीं दिखाना चाहता था एक्टर ने कहा था- मैं बहुत एजुकेटेड हूं

डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अपने उस बयान पर सफाई दी है, जिसमें उन्होंने राजपाल यादव को कम पढ़ा-लिखा कहा था। डायरेक्टर का कहना है कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया था, वो एक्टर को नीचा नहीं दिखाना चाहते थे। प्रियदर्शन ने तब सफाई दी, जब राजपाल यादव ने उनके बयान पर साफ किया कि वो पढ़े-लिखे हैं।

प्रियदर्शन ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा है, 'असल में, मेरा वह मतलब नहीं था। देखिए, शिक्षा सिर्फ किताबों से नहीं मिलती, बल्कि सड़क से भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मेरा मतलब सिर्फ इतना था कि (स्ट्रीट स्मार्टनेस), क्योंकि शिक्षा का मतलब जागरूकता भी होता है। मैं बस यही कहना चाहता था।'

आगे उन्होंने कहा, 'शायद वह गांव से आते हैं और गांव के लोग बहुत भोले होते हैं, वे समझ नहीं पाते, आपको सही और गलत लोगों में फर्क करना आना चाहिए। व्यापक अर्थ में वही शिक्षा है।'

बातचीत में प्रियदर्शन ने ये भी कहा कि उनका मकसद किसी भी तरह से राजपाल को नीचा दिखाना नहीं था। उन्होंने कहा, 'मेरा ऐसा कोई मतलब नहीं था। मैं उन्हें अपमानित करना नहीं चाहता था। मैंने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में राजपाल जैसा इतना भोला व्यक्ति कभी नहीं देखा, व्यापक अर्थ में शिक्षा की कमी से ही यह मासूमियत आती है।'

क्या था प्रियदर्शन का बयान

कुछ समय पहले ही चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव को जेल जाना पड़ा था। इसी समय प्रियदर्शन ने मिड डे को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, 'मैं राजपाल के बारे में जानता हूं, इसलिए मैं उनको अपनी हर मूवी में कास्ट करता था। मैंने तो उन्हें कहा कि वो एड फिल्म्स भी करें। इस बेचारे आदमी ने कम पढ़े-लिखे होने के कारण गलती की। वरना वह अच्छा इंसान है।'

राजपाल यादव ने जवाब में कहा था- मैं शिक्षित हूं

प्रियदर्शन का ये बयान सामने आने के बाद राजपाल यादव ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा था, प्रियन जी (प्रियदर्शन) मुझे नहीं जानते। मैं पढ़ा-लिखा हूं। मैंने 11 साल की उम्र से 55 साल की उम्र तक काम किया। बड़े-बड़े दिग्गज भी मुश्किलों में फंस जाते हैं। अगर मैं कम पढ़ा लिखा होता तो इंडस्ट्री में 25-30 साल तक सर्वाइव नहीं कर पाता।'

प्रियदर्शन ने बढ़ाई राजपाल यादव की फीस

बता दें कि चेक बाउंस केस में फंसे राजपाल यादव की मदद करने के लिए प्रियदर्शन ने उनकी भूत बंगला में फीस बढ़ा दी थी, जिससे उन्हें आर्थिक मदद मिल सके। राजपाल यादव, प्रियदर्शन के निर्देशन की 2 फिल्मों भूत बंगला और हैवान में नजर आने वाले हैं। इससे पहले वो प्रियदर्शन की फिल्मों हंगामा, हंगामा 2, चुप चुपके, भागम भाग, दे दना दन में नजर आ चुके हैं।

रणदीप हुड्डा बने पिता पत्नी लिन लैशराम ने बेटी को दिया जन्म

रणदीप हुड्डा पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी लिन लैशराम ने प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है। एक्टर पिता बनने के बाद खुशी से झूम उठे हैं और सोशल मीडिया पर न्यू बॉर्न बेबी की झलक भी दिखाई है। खास बात यह है कि रणदीप की बेटी का जन्म ठीक उसी दिन हुआ है, जिस दिन उनके पिता रणबीर का भी जन्मदिन होता है। तस्वीर में दादा यानी रणदीप के पिता पोती को गोद में उठाए खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं।

रणदीप ने यह भी बताया कि बेटी और पत्नी लिन लैशराम एकदम ठीक और स्वस्थ हैं। रणदीप ने एक तस्वीर में बेटी का चेहरा दिखाया है। वह अपने दादा की गोद में है और दूसरी तस्वीर में एक्टर ने बेबी गर्ल का हाथ दिखाया है।

पिता के जन्मदिन पर पापा बने रणदीप हुड्डा, लिखा प्यारा पोस्ट

एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस संग पिता बनने की गुड न्यूज शेयर की और साथ में लिखा, ' दादा अर पोती नै जन्मदिन की घणिए बधाई। आज जब मैं पिता बना हूं, तो आपके प्रति मेरा आभार और भी गहरा हो गया है, पापा।'

फैंस और सेलेब्स ने दी पैरेंट्स बनने की बधाई

रणदीप हुड्डा ने जैसे ही यह गुड न्यूज शेयर की बधाई देने वालों का तांता लग गया। फैंस और सेलेब्स ने कपल को बधाइयां दीं और न्यू बॉर्न बेबी गर्ल पर भी खूब प्यार लुटाया। फैसल मलिक से लेकर प्रिया मलिक और फ्रेडी दारूवाला समेत कई फिल्म स्टार्स ने रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम को पैरेंट्स बनने की बधाई दी।

अदा शर्मा के पास 1 महीने से नहीं कोई काम

वीडियो जारी कर सुनाई आपबीती, कहा- प्रोड्यूसर ने डेट्स बदलने के लिए मैनेजर को गाली दी

द केरला स्टोरी और 1920 जैसी बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस अदा शर्मा को पिछले 1 महीने से कोई काम नहीं मिल रहा है। एक्ट्रेस ने एक वीडियो जारी कर बताया है कि किस तरह एक प्रोड्यूसर ने उन्हें डेट्स के लिए परेशान किया और उनका पूरा शेड्यूल डिस्टर्ब कर दिया। जब एक्ट्रेस ने जिद पर दूसरी फिल्मों का शेड्यूल बदलकर डेट्स दीं, तो वो प्रोड्यूसर कमिटमेंट से मुकर गया। उन्होंने ये भी कहा कि कुछ डायरेक्टर बहुत बदतमीज होते हैं।

अदा शर्मा ने हाल ही में ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा, 'मैं तीन फिल्में शूट कर रही हूं। एक टाइम था, जब मेरे पास काम नहीं था।

पहली फिल्म की डेट्स बार-बार चेंज होकर, बाकी की दो फिल्मों से क्लैश हो रही थी। मेरी पहली फिल्म के प्रोड्यूसर ने मेरी मैनेजर से कहा कि वही डेट्स चाहिए। गालियां दीं। मैं वो गालियां बताकर अपनी फीड खराब नहीं करूंगी।'

आगे अदा ने कहा, 'उन्होंने (प्रोड्यूसर ने) कहा कि कैसे भी करके यही डेट्स चाहिए। मेरी मैनेजर ने उसे पूछा कि क्या पक्का यही डेट्स चाहिए, तो उन्होंने कहा कि हां, यही चाहिए, बदल नहीं सकते। ये बात जब दूसरी फिल्म के प्रोड्यूसर को पता चली तो उन्होंने अपनी डेट्स बदल दीं।'

अदा ने जोर देकर आगे कहा, 'दूसरी फिल्म के प्रोड्यूसर बहुत अच्छे थे। हर कोई बद्तमीज और बुरे स्वाभाव का नहीं होता। तीसरे फिल्म के प्रोड्यूसर ने भी डेट बदल दी। उन्होंने मेरी वजह से पूरी क्रू, कास्ट की डेट्स बदलीं। मैंने उनसे बहुत सॉरी और थैंक्यू बोला। तीनों फिल्म्स की डेट्स सेट होने के बाद, सब सॉर्ट होने के बाद, पहले वाले प्रोड्यूसर कहते हैं कि मुझे अब वो डेट्स नहीं चाहिए। इन शॉर्ट मेरी जिंदगी की वाट लग गई है और अब मैं खाली हूं एक महीने से। मैं पूरी तरह से इमोशनली, मेंटली, प्रोफेशनली, फाइनेंशियली खाली हूं।'

अदा शर्मा की वीडियो का कैप्शन।

बता दें कि एक्ट्रेस अदा शर्मा आखिरी बार साल 2025 में आई विक्रम भट्ट की ड्रामा फिल्म तुमको मेरी कसम में नजर आई हैं। इस साल उनकी फिल्म हातक रिलीज होने वाली है। अदा शर्मा ने साल 2008 की फिल्म 1920 से बॉलीवुड डेब्यू किया था, जिसके बाद वो कमांडो 2, कमांडो 3, सेल्फी और द केरला स्टोरी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

चमगादड़ों के बीच अक्षय कुमार पेड़ से उल्टा लटके मिले, 'भूत बंगला' के लिए कर रहे इतने जतन!

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन में जी जान लगाकर जुटे नजर आ रहे हैं। जल्द ही उनकी ये हॉरर कॉमेडी फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। हालांकि, इस वक्त फैन्स को फिल्म के टीजर का इंतजार है लेकिन इससे पहले अक्षय कुमार ने एक सरप्राइज अपने फैन्स को दिया है। अक्षय ने 'भूत बंगला' का पोस्टर जारी किया है।

अक्षय कुमार ने अपनी अपकमिंग फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए एक फनी कैप्शन भी दिया है। इस पोस्टर में एक पेड़ पर चमगादड़ उल्टा लटका नजर आ रहा है। ठीक उसकी तरह इस पोस्टर में अक्षय कुमार भी नजर आ रहे हैं।

पेड़ से उल्टा लटके दिखे अक्षय कुमार

अक्षय पेड़ से उल्टा लटके हुए हिल-डुल रहे हैं। हालांकि, इन झलकियों में अक्षय मुस्कुराते दिख रहे हैं और उनके गले से लटका पर्स भी उनके चेहरे के करीब दिख रहा है। अक्षय ने इसे शेयर करते हुए लिखा है, 'बस कल भूत बंगला टीजर रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं।'

अक्की और प्रियदर्शन के मैजिकल कॉम्बो का फैन्स को इंतजार

अक्षय के इस पोस्ट पर फैन्स लपक कर पहुंचे। एक ने कहा, 'अक्की और प्रियदर्शन के मैजिकल कॉम्बो का बेसब्री से इंतजार है।' एक अन्य ने कहा, 'कल होगा असली धमाका, हॉरर कॉमेडी का मचेगा तहलका।'

वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे कलाकार

बताते चलें कि इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे कई कलाकार भी अहम रोल में हैं। मेकर्स ही नहीं बल्कि फैन्स को भी 'भूत बंगला' से काफी उम्मीदें हैं। लंबे गैप के बाद गोविंदा और प्रियदर्शन की कॉमेडी हॉरर शैली में साथ वापसी हो रही है। 'भूत बंगला' फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बस्तर में 1 किलो गोल्ड के साथ 108 नक्सलियों का सरेंडर

3 .61 करोड़ कैश और 101 हथियार डाले, रेड-कार्पेट बिछाकर स्वागत

जगदलपुर/कांकेर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में आज 108 नक्सलियों ने सरेंडर किया। पुलिस अधिकारियों ने इनके सरेंडर में रेड कार्पेट बिछाया था। इन सरेंडर नक्सलियों पर 3.95 करोड़ रुपए का इनाम भी घोषित है।

नक्सली अपने साथ जंगल से 1.64 करोड़ का 1 किलो सोना, 3 करोड़ 61 लाख कैश और 101 हथियार साथ लेकर आए थे, जो पुलिस को सौंप दिया है। लेवी वसूली के दौरान नक्सलियों ने यह पैसा इकट्ठा किया था।

वहीं, इस सरेंडर के बीच कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा इलाके में एनकाउंटर की खबर सामने आई है। जहां सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच आधे घंटे तक फायरिंग हुई। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एसपी निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि की है।

जानकारी के मुताबिक, सरेंडर से पहले इन नक्सलियों ने सीधे बस्तर पुलिस से संपर्क किया था और अपने पास कैश और गोल्ड होने की जानकारी भी दी थी। इस ऑफिशियली सरेंडर के बाद नक्सलियों से पूछताछ की जाएगी कि गोल्ड कहा से आया। कौन उन्हें पैसे देता था।

नक्सलियों के पास 7 एके-47, 10 इंसास राइफल, 5 एसएलआर राइफल, 4 एमजी राइफल, 20 नग 303 राइफल, 11 बीजीएम लॉन्चर बरामद हुए हैं।

गृह मंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा में मंगलवार (10 मार्च) को कहा था कि, बस्तर क्षेत्र में तैनात अधिकांश केंद्रीय बलों को 31 मार्च 2027 तक वापस बुला लिया जाएगा। राज्य में सशस्त्र नक्सलवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की गई है।

विजय शर्मा ने सदन में कहा कि, जब 31 मार्च 2026 को सशस्त्र नक्सलवाद के समापन की तिथि तय की गई, उसी समय यह भी निर्णय लिया गया था कि, 31 मार्च 2027 तक बस्तर में तैनात केंद्रीय बलों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

उन्होंने कहा कि कुछ केंद्रीय बल इससे पहले भी वापस जा सकते हैं। बैठकों में यह सहमति बनी है कि 31 मार्च 2027 को एक तय समय सीमा मानकर चलें, हालांकि इसमें थोड़ा आगे-पीछे भी हो सकता है।

नेशनल हाईवे पर आग का गोला बना कंटेनर

6 गाड़ियों को सूरत लेकर जा रहा था धुआं निकलता देख फ्लाईओवर पर रोका

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे-48 पर चलते कंटेनर के केबिन में आग लग गई। इस दौरान ड्राइवर ने फुर्ती दिखाते हुए कूदकर जान बचाई। घटना कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ कस्बे में गांव दहमी स्थित फ्लाईओवर की है।

कंटेनर के ड्राइवर रिजवान ने बताया-कंटेनर हरिद्वार के गुजरात से सूरत की ओर जा रहा था। बुधवार शाम 4 बजकर 55 मिनट पर जैसे ही बहरोड़ के दहमी फ्लाईओवर पर चढ़े तो केबिन से धुआं निकलता दिखाई दिया। इस पर कंटेनर को साइड में लगाया। तब तक केबिन में आग लग गई। इस पर फौरन नीचे कूदकर जान बचाई। ड्राइवर ने बताया-कंटेनर में चार बोलेरो और दो कैंपर गाड़ियां थीं। आग लगता देखकर मौके पर राहगीर जमा हो गए। जिन्होंने पुलिस औक दमकल को सूचना दी। घटना की सूचना पर 5:15 बजे दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस दौरान कंटेनर के अंदर खड़ी गाड़ियों को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने बताया-घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एहतियात के तौर पर दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को सर्विस रोड पर डायवर्ट कर दिया, जिससे यातायात सुचारू रूप से चलता रहा।

आसाराम ने रामलला का वीआईपी दर्शन किया

अति विशिष्ट शंकराचार्य द्वार से 3 वाहनों के काफिले के साथ पहुंचा, हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां नहीं चढ़ सका

अयोध्या, 11 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या पहुंचे नाबालिग से रेप केस में सजायफ्ता आसाराम ने बुधवार को रामलला का दर्शन किया। 3 वाहनों का काफिला आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर के अंदर पहुंचा। उसे विशिष्ट मेहमान की तरह रामलला का दर्शन कराया गया। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां अधिक होने के कारण वे वहां दर्शन करने नहीं जा सका।

राममंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल जी ने आसराम को राम मंदिर के बारे में बताया। मंदिर निर्माण की जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला का दर्शन किया। इस दौरान रामलला की मोहिनी सूरत को अपलक निहारता रहा। मंदिर के सोने के दरवाजों और दीवारों पर उकेरी गई कलाकृतियों सहित मंदिर की भव्यता को निहारा।

करीब 30 मिनट तक राममंदिर में बिताने के लक्ष्मण किला वापस आ गया। अयोध्या के बाद उसका अगला पड़ाव क्या होगा, इसकी जानकारी देने से सेवादार बच रहे हैं। आसाराम को जिस आदि शंकराचार्य गेट से अंदर जाने की अनुमति मिली है, उससे केवल वीआईपी ही जाते हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री इसी गेट से जाते हैं। बाकी श्रद्धालुओं को दूसरे गेट से एंट्री मिलती है। बिना राम मंदिर ट्रस्ट पुलिस और प्रशासन की अनुमति के कोई भी वहां वहां प्रवेश नहीं करता है। आसाराम के साथ 6 लोग दर्शन करने पहुंचे।

दरअसल आसाराम मंगलवार शाम को ही अयोध्या पहुंचा है। वह सरयू तट पर घूमा। इस दौरान तमाम लोग उसके सामने हाथ जोड़ते नजर आए। इसी कड़ी में बुधवार की सुबह रामलला का दर्शन किया। आसाराम लक्ष्मण किला में रुका है। सरयू तट स्थित इस आचार्य पीठ में आसाराम का आवास भी सरयू के बेहद करीब है।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को 6 महीने की जमानत दी थी। इसके आधार पर 6 नवंबर को आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट से भी 6 महीने की अंतरिम जमानत मिल गई थी। गुजरात हाईकोर्ट में आसाराम की ओर से जमानत की याचिका पर सुनवाई के दौरान दलील दी गई कि जोधपुर कोर्ट ने आसाराम को 6 महीने के लिए जमानत दी है। वे हृदय से संबंधित बीमारी से पीड़ित हैं।

हंसिका मोटवानी का तलाक

पति सोहेल कथुरिया से शादी के 4 साल बाद टूटा रिश्ता

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी और पति सोहेल कथुरिया के तलाक की खबरें पिछले एक साल से आ रही थीं। शादी के कुछ महीने बाद ही उनके बीच अनबन और आपसी सामजस्य में कमी की खबरें आने लगी थीं। और अब उनका तलाक हो गया है। मुंबई की बांद्रा फैमिली कोर्ट ने हंसिका मोटवानी और सोहेल कथुरिया को तलाक दे दिया है। बताया जा रहा है कि तलाक आपसी सहमति से हुआ है और एक्ट्रेस ने कोई एलिमनी भी नहीं मांगी है। हंसिका और सोहेल कथुरिया ने दिसंबर 2022 में शादी की थी और अब तीन साल बाद उनके रास्ते हमेशा के लिए अलग हो गए हैं।

हंसिका मोटवानी और सोहेल का तलाक, वकील ने बताई वजह

हंसिका ने अपनी बेस्ट फ्रेंड के पूर्व पति से शादी की थी, लेकिन शादी के कुछ महीने बाद ही अनबन की खबरें आने लगी थीं। हंसिका ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दी थी। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस ने तलाक के समझौते के तहत स्त्रीधन या एलिमनी नहीं मांगी थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान, हंसिका मोटवानी का प्रतिनिधित्व वकील अदनान शेख ने किया। उनके अनुसार, शादी के बाद कपल कुछ ही समय तक साथ रहा, फिर उन्हें एहसास हुआ कि आपसी मतभेद उनके रिश्ते को प्रभावित कर रहे हैं। समय के साथ, उनके स्वभाव, नजरिए और लाइफस्टाइल में काफी अंतर आने लगा, जिसके कारण उनके आपसी मतभेद बढ़ने लगे।

सफेद नशे की सप्लाई

बिलासपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर में पंजाब और प्रयागराज से ब्राउन शुगर की सप्लाई हो रही है। जिले के तखतपुर के युवक को 75 हजार में 3.74 ग्राम ब्राउन शुगर देने वाले रायपुर के सप्लायर समेत खरीदार युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सप्लायर ब्राउन शुगर देने तखतपुर आया था। जिसे बेचने की फिराक में घूमते युवक पुलिस के हाथ लग गया। पुलिस ने युवक और सप्लायर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तखतपुर के बड़े बाजार निवासी दुर्गेश गायकवाड़ (22) मोढ़े चौक के पास ब्राउन शुगर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी विवेक कुमार पाण्डेय और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दुर्गेश को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से अलग-अलग जिपर पैकेट में ब्राउन शुगर मिला, जिसकी कीमत 75 हजार और वजन 3.75 ग्राम था।

जिसे 15 साल बेटी समझा, वो बेटा निकला

एशियन गेम्स से बाहर किया, भोपाल एम्स में सर्जरी कर निकाले अंडकोष, हर महीने ऐसी 10 सर्जरी

भोपाल, 11 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव में आदिवासी परिवार में जन्मी एक बच्ची को परिवार ने 15 साल तक बेटी की तरह पाला-पोसा। वह पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी आगे रही और प्रतिभा के दम पर 2023 के एशियन गेम्स तक पहुंच गई, लेकिन वहां हुए एक ब्लड टेस्ट ने उसकी पूरी जिंदगी बदल दी।

रिपोर्ट में सामने आया कि उसके शरीर में महिलाओं की तुलना में काफी अधिक टेस्टोस्टेरोन हार्मोन है।

आगे की जांच में उसके क्रोमोसोम पुरुषों जैसे मिले। शरीर के अंदर अंडकोष भी मौजूद था।

इस सच्चाई ने परिवार और बच्ची दोनों को सदमे में डाल दिया। वे कई जगह इलाज की कोशिशों के बाद जब एम्स भोपाल पहुंचे। डॉक्टरों की टीम ने विस्तृत जांच और काउंसलिंग के बाद जटिल सर्जरी की।

शरीर में मौजूद अंडकोष और अविकसित पुरुष अंग को निकाल दिया।

अब वह पूरी तरह महिला के रूप में सामान्य जीवन जी रही है। एम्स में ऐसे कई मामलों का इलाज ट्रांसजेंडर क्लीनिक के जरिए किया जा रहा है।

एम्स के डॉक्टरों को परिजनों ने बताया कि रश्मि (बदला हुआ नाम) का जन्म सामान्य प्रसव से हुआ था।

तब डॉक्टर्स ने भी उसे बेटी ही बताया था। हमने उसकी परवरिश भी लड़कियों की तरह ही की है।

एशियन गेम्स में उसे खेलने से रोक दिया गया था। जिसके बाद से न केवल रश्मि बल्कि उसका पूरा परिवार लंबे समय तक परेशान रहा। कई डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं मिला।

बाद में उन्हें एम्स भोपाल के विशेष ट्रांसजेंडर क्लीनिक के बारे में जानकारी मिली।

एम्स में विस्तृत जांच के दौरान पता चला कि शरीर की बाहरी बनावट पूरी तरह महिला जैसी है, लेकिन क्रोमोसोम XY हैं, जो सामान्यतः पुरुषों में पाए जाते हैं।

एमआरआई जांच में यह भी सामने आया कि पेट के निचले हिस्से में, जहां महिलाओं में ओवरी होती हैं, वहां दो छोटे अंडकोष मौजूद थे। यही मौजूद अंडकोष टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का निर्माण कर रहे थे।

परिवार की सहमति से लिया गया बड़ा फैसला

जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्ची और उसके परिवार की विस्तृत काउंसलिंग की। उन्हें यह समझाया गया कि वह चाहें तो पुरुष या महिला के रूप में जीवन चुन सकती हैं।

काफी सोच-विचार के बाद बच्ची और उसके परिवार ने महिला के रूप में ही जीवन जारी रखने का निर्णय लिया। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने सर्जरी की विस्तृत योजना तैयार की।

बंगाल से बुलाईं लड़कियां पकडी गई

दुर्ग-भिलाई, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में किराए के मकान में पिछले करीब 3 महीने से सेक्स रैकेट चल रहा था, पुलिस ने प्वाइंटर भेजकर इसका खुलासा किया है। कमरे के अंदर से 8 लड़कियां मिली है। इन्हें बंगाल और छत्तीसगढ़ के कई जिलों से बुलाया गया था। उन्हें दो से तीन दिन के लिए ग्राहकों के पास भेजा जाता था। पुलिस ने सभी लड़कियों को कस्टडी में ले लिया है, जबकि सेक्स रैकेट चलाने वाली महिला और एक ग्राहक को गिरफ्तार किया गया है। स्मृति नगर चौकी पुलिस और महिला रक्षा टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है। दरअसल, नेहरू नगर की विद्या विहार कॉलोनी के मकान नंबर 146/8 को सरगना धनवंती रावत उर्फ रीना सिंह रावत (35) ने किराए पर लिया था। जहां बाहर से लड़कियों को बुलाकर सेक्स रैकेट चला रही थी।

पुलिस ने मंगलवार रात को अपना प्वाइंटर भेजकर इन्हें पकड़ने की प्लानिंग की। रेड के दौरान पुलिस को किराए के मकान में कई महिलाएं मिलीं।

एक ग्राहक को आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया। आस-पास के लोगों ने बताया कि, यहां काफी लंबे समय से सेक्स रैकेट चल रहा था। पुलिस ने जिन महिलाओं को कस्टडी में लिया, उनमें ज्यादातर महिलाएं वेस्ट बंगाल की है।

विंग कमांडर ने किया सुसाइड

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर में एयरफोर्स के विंग कमांडर ने सुसाइड कर लिया है। पुरैना स्थित विधायक कॉलोनी में विंग कमांडर की घर के अंदर फांसी पर लटकती लाश मिली है। पुलिस के मुताबिक, विपुल यादव (39) ने पुरैना विधायक कॉलोनी स्थित बंगला नंबर-79 में घर के कमरे में फांसी लगा ली। विपुल हरियाणा के रहने वाले थे और रायपुर में तैनात थे। छत्तीसगढ़ में एंटी नक्सल ऑपरेशन से जुड़े दायित्व भी संभाल रहे थे। 11 मार्च की सुबह घर में बेडरूम में उनका शव पंखे से लटका मिला। सबसे पहले घर की मेड ने देखा और पुलिस को सूचना दी। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। उस समय दूसरे कमरे में उनके दोनों बच्चे सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी काम के सिलसिले में दिल्ली गई हुई थीं। दोनों की 2014 में लव मैरिज हुई थी। पत्नी पहले एयरफोर्स में काम करती थीं और फिलहाल आईटी सेक्टर में कार्यरत हैं। शुरुआती तौर पर पत्नी से विवाद में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने विपुल का मोबाइल जब्त किया है, जिसकी जांच एफएसएल टीम कर रही है। जानकारी के मुताबिक, विंग कमांडर विपुल यादव हरियाणा के रहने वाले थे, लेकिन मूल रूप से उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ में उनका रहना था।

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रिश्वत लेते गिरफ्तार

मुंह छिपाते नजर आए, हरदोई में लोन पास कराने के लिए 45 हजार मांगे थे

हरदोई, 11 मार्च (एजेंसियां)। हरदोई में बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी को 45 हजार रुपए रिश्वत लेते सीबीआई की एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार किया । वह बैंक से 5 लाख का लोन पास कराने के लिए महिला से रिश्वत मांग रहे थे। महिला की शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने बसपा नेता को ट्रैप में फंसाने का प्लान बनाया।

मंगलवार को महिला को पैसे लेकर उनके दफ्तर भेजा। बसपा नेता ने जैसे ही रुपए पकड़े, टीम पहुंच गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद टीम ने उनसे करीब 7 घंटे पूछताछ की और लखनऊ लेकर रवाना हो गई। इस दौरान बसपा नेता अपने हाथों से मुंह छिपाते नजर आए।

बसपा नेता ने कहा कि राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें बदनाम करने के लिए फंसाया गया है। वे जुलाई 2020 से 2022 के विधानसभा चुनाव तक हरदोई के बसपा जिलाध्यक्ष पद पर रहे। बाद में चुनाव में बेहतर प्रदर्शन न होने के कारण उन्हें जिलाध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। बघौली थाना क्षेत्र के अछरामऊ गांव की रहने वाली महिला सीमा देवी के मुताबिक, उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी रोजगार योजना के तहत 5 लाख रुपए के लोन के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा में आवेदन किया। उन्हें सुगसुगी गांव के रहने वाले बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी से संपर्क करने के लिए कहा गया।

सुरेश चौधरी बैंक का बीसी (बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट) केंद्र संचालित करते हैं। वे रिकवरी एजेंट भी हैं। महिला का आरोप है कि बसपा नेता ने उनसे 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। उन्होंने बातचीत और रिश्वत मांगने के सबूत जुटाकर एंटी करप्शन से शिकायत की थी।

45 हजार रुपए में रिश्वत की रकम तय हुई। इसके बाद एंटी करप्शन टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। टीम ने महिला को 45 हजार रुपए के साथ बसपा नेता के पास भेजा। इस दौरान पूर्व बसपा जिलाध्यक्ष अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठे थे। उन्होंने महिला से जैसे ही रिश्वत की रकम ली, सीबीआई की एंटी करप्शन टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

3 लाख के लिए स्क्रैप कारोबारी की हत्या

जंगल में डाला शव कुत्तो ने नोंचा, पुलिस ने अलीगढ़ से दबोचे हत्यारोपी

फरीदाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। फरीदाबाद के आदर्श नगर इलाके में 29 वर्षीय अरीब की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। पुलिस ने इस मामले में दिल्ली के करावल नगर निवासी हर्ष तोमर और फरीदाबाद में रह रहे राहुल प्रजापति को अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। मिली जानकारी के अनुसार, अरीब की आखिरी बातचीत हर्ष तोमर के मोबाइल नंबर से हुई थी। हर्ष तोमर ने पूछताछ में बताया कि अरीब स्क्रैप का माल खरीदने वाला था और उसकी बातचीत राहुल प्रजापति से हुई थी, जो फरीदाबाद में रहता है। अरीब ने एक दिन पहले ही राहुल से कुछ माल खरीदा था और अगले दिन और माल खरीदने के लिए फरीदाबाद जाने की बात कही थी।

अरीब के परिजनों के अनुसार, 7 मार्च को वह सुबह करीब 11:15 बजे तीन लाख रुपये लेकर अपनी एक्टिवा स्कूटी से राहुल प्रजापति से स्क्रैप का माल खरीदने के लिए निकला था। दोपहर करीब 2 बजे तक उसकी आखिरी बातचीत राहुल प्रजापति से हुई थी। उसके बाद उसका फोन बंद हो गया। मोबाइल लोकेशन के अनुसार, उसकी अंतिम लोकेशन फरीदाबाद की संजय कॉलोनी और फिर आदर्श नगर इलाके में मिली थी। दिल्ली पुलिस ने जांच के दौरान हर्ष तोमर को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने राहुल प्रजापति का नाम बताया। पुलिस जब फरीदाबाद के संजय कॉलोनी स्थित उसके किराए के घर पहुंची तो पता चला कि वह दो दिन पहले ही घर खाली कर अलीगढ़ चला गया था।

इसके बाद पुलिस ने टेंपो चालक को हिरासत में लिया, जिसने बताया कि राहुल प्रजापति ने अरीब को माल दिखाने के लिए अपने साथ भेजा था। टेंपो चालक ने राहुल का अलीगढ़ वाला नंबर पुलिस को दिया, जिसके आधार पर पुलिस ने अलीगढ़ में छापा मारकर सुबह करीब 6 बजे उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राहुल प्रजापति ने पुलिस को बताया कि उसने 7 मार्च को अरीब को कैश लेकर फरीदाबाद बुलाया था। माल दिखाने के बहाने वह उसे आदर्श नगर के सेक्टर 61 के पास ले गया, जहां उसने लूटपाट की नीयत से उसकी हत्या कर दी और शव को जंगलों में फेंक दिया।

सिलेंडर के लिए लात-घूंसे चले

गोरखपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में रसोई गैस (LPG) की किल्लत हो गई है। बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। किल्लत के चलते बुधवार को अयोध्या में राम रसोई को बंद कर दिया गया। 8 साल में पहला मौका है जब राम रसोई बंद की गई है।

श्रावस्ती में गैस एजेंसी पर लोगों की भीड़ उमड़ी। धक्का-मुक्की में एक महिला जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। उसके सिर में खून बहने लगा। इलाज के लिए उसे अस्पताल भेजा गया।

उधर, बुधवार को दूसरे दिन भी गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगी रहीं। गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में पुलिस की मौजूदगी में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। कई जगह गैस एजेंसियों पर तड़के 3 बजे से ही लोग सिलेंडर लेकर पहुंच गए। लाइन में लगकर घंटों इंतजार के बाद भी लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वजह- सिलेंडर कम हैं और लेने वालों की संख्या ज्यादा।

गोरखपुर में लाइन के बीच एक युवक सिलेंडर लेकर घुसने लगा। इसका दूसरे युवक ने विरोध किया तो दोनों के बीच मारपीट हो गई। पुलिसकर्मियों के सामने ही दोनों ने एक-दूसरे को लात-घूंसे मारे। बाद में पुलिस दोनों को पकड़कर ले गई। सिलेंडर भरा ट्रक दूसरी जगह भेजने पर गोरखपुर के पीपीगंज स्थित आशीष इंडेन गैस एजेंसी के गोदाम को सील कर दिया गया है।

इधर, सीएम योगी ने सख्त आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गैस की किल्लत को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

भीड़ कम होने पर शंकराचार्य बोले-यह शराब की दुकान नहीं

मुझे सपा समर्थक कहते हैं, मेरे कार्यक्रम में सबसे ज्यादा भाजपाई हैं

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लखनऊ में गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान का शंखनाद किया। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित करना शुरू किया।

शंकराचार्य ने कहा- यह शराब की दुकान नहीं, ये सभा शुद्ध गाय की दुकान है। यहां ज्यादा भीड़ हो जाती तो इसका मतलब होता यह शराब की दुकान है। यहां कम भीड़ है, इसी से पता चल रहा है कि यह शुद्ध गाय के दूध की दुकान है।

उन्होंने कहा- भाजपा अब भागपा हो गई है। अगर आप लोग पक्के गो-भक्त नहीं होते, तो इतनी रुकावट के बावजूद यहां आकर बैठे न होते। आप जितने भी लोग आए हैं, कार्यक्रम खत्म होने के बाद नाम नोट करके जाइएगा। क्योंकि, आप लोग इस कार्यक्रम के फाउंडर मेंबर होंगे।

इसी बीच उनसे मिलने पहुंची एक महिला को पुलिस ने रोका, तो वह भड़क गई। उसने महिला पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। शंकराचार्य ने कहा- 26 शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति मिली है। इसमें कहा गया है कि किसी का नाम नहीं लेना है। इससे लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है। आखिर किसका नाम पुलिस छिपाना चाहती है? उसने ऐसा क्या किया है?

शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें, वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य ने 7 मार्च को वाराणसी से यात्रा शुरू की थी।

सेंसेक्स 1342 अंक गिरकर 76,864 पर बंद

निफ्टी भी 395 पॉइंट टूटा

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 11 मार्च को गिरावट रही। सेंसेक्स 1342 अंक (1.72%) की गिरावट के साथ 76,864 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 395 अंक (1.63%) की गिरावट रही, ये 23,867 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, ऑटो और आईटी शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर। कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई हैं। ब्रेंट क्रूड करीब 0.25% गिरकर 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं अमेरिकी तेल (डब्ल्यूआईटी) भी 83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है।

भविष्य की इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी पर चर्चा

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने विशेषज्ञों से की मुलाकात

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव और रजत वर्मा से मुलाकात कर इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उभरती तकनीकों और टिकाऊ समाधान पर चर्चा की। मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि बैठक में 2D मैटेरियल्स के निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में उनके उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

इसके साथ ही स्थायी मैग्नेट और बैटरियों जैसे महत्वपूर्ण घटकों के रीसाइक्लिंग के तरीकों पर भी चर्चा हुई। चर्चा के दौरान आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स में 2D मैटेरियल्स की बढ़ती भूमिका पर खास जोर दिया गया। ये सामग्री कुछ ही परमाणुओं की मोटाई वाली होती हैं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की क्षमता, दक्षता और प्रदर्शन को बेहतर बनाने की बड़ी संभावना रखती हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भारतीय बॉन्ड बाजार पर भी दिखने लगा है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पूर्णतः सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत उपलब्ध सरकारी प्रतिभूतियों में अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफएआर सरकारी बॉन्ड में एफपीआई निवेश घटकर मंगलवार तक करीब 3.26 लाख करोड़ रुपये रह गया है, जो 27 फरवरी को लगभग 3.31 लाख करोड़ रुपये था। यानी संघर्ष शुरू होने के बाद से विदेशी निवेशकों ने करीब 4,634 करोड़ रुपये की निकासी की है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, रुपये में कमजोरी और बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी हुई है। इन कारणों से उभरते बाजारों में निवेश को लेकर वैश्विक निवेशक सतर्क हो गए हैं। इसी वजह से विदेशी निवेशकों ने जोखिम कम करने के लिए भारतीय सरकारी बॉन्ड, खासकर एफएआर श्रेणी की प्रतिभूतियों में अपनी हिस्सेदारी घटानी शुरू कर दी है।

यूएस में 50 साल बाद लगेगी रिफाइनरी

> 300 अरब डॉलर का होगा निवेश > ट्रंप ने भारत और रिलायंस को कहा धन्यवाद

25 लाख करोड़ का निवेश

- पश्चिम एशिया तनाव के बीच अमेरिका में बड़ा निवेश
- ट्रंप बोले- टेक्सास में लगेगी दुनिया की 'सबसे स्वच्छ' रिफाइनरी
- 300 अरब डॉलर की परियोजना
- 50 साल बाद लगाई जाएगी नई रिफाइनरी
- रिलायंस इंडस्ट्रीज भी लगाएगा पैसे, अमेरिकी राष्ट्रपति ने आभार जताया

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच अमेरिका ने ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाने की घोषणा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि देश में लगभग 50 वर्षों में पहली बार एक नई ऑयल रिफाइनरी बनाई जाएगी। यह रिफाइनरी टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर स्थापित की जाएगी और इसमें भारत की प्रमुख निजी ऊर्जा कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का भी बड़ा निवेश शामिल होगा। खबर लिखे जानें तक रिलायंस की तरफ से इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई बयान नहीं साझा की गई है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर इस परियोजना को अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा सौदों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह लगभग 300 अरब डॉलर (करीब 25.35 लाख करोड़ रुपए) का ऐतिहासिक निवेश है, जो अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। ट्रंप के अनुसार, यह परियोजना अमेरिका की ऊर्जा उत्पादन क्षमता को मजबूत करेगी और घरेलू बाजार को पर्याप्त ईंधन उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इसके साथ ही यह वैश्विक ऊर्जा निर्यात को भी बढ़ावा देगी और दक्षिण टेक्सास क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को तेज करेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से हजारों नई नौकरियां पैदा होंगी और क्षेत्र में लंबे समय से अपेक्षित औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। ट्रंप ने कहा कि ब्राउन्सविल बंदरगाह पर बनने वाली यह रिफाइनरी दुनिया की सबसे 'क्लीन' यानी पर्यावरण के लिहाज से सबसे स्वच्छ रिफाइनरियों में से एक होगी। उन्होंने दावा किया कि यह अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और पर्यावरणीय प्रभाव को कम रखा जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी और देश को ऊर्जा के मामले में अधिक आत्मनिर्भर बनाएगी।

भारत और रिलायंस का किया धन्यवाद

इस परियोजना की घोषणा करते हुए ट्रंप ने भारत और रिलायंस इंडस्ट्रीज का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत के साझेदारों और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी रिलायंस का यह निवेश अमेरिका के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

ट्रंप ने अपनी सरकार की अमेरिका फर्स्ट नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और करों में कमी जैसी नीतियों के कारण बड़े पैमाने पर निवेश अमेरिका में वापस आ रहा है। जानकारी के मुताबिक टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर स्थित 'अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग' नाम की कंपनी इस परियोजना को विकसित करेगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना पहले एलिमेंट फ्यूल्स द्वारा प्रस्तावित रिफाइनरी योजना से जुड़ी हो सकती है। 2024 में एलिमेंट फ्यूल्स ने घोषणा की थी कि उसने लगभग 1,60,000 बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली रिफाइनरी के निर्माण के लिए जमीन तैयार कर ली है और जरूरी परमिट हासिल कर लिए हैं।

ट्रंप का दावा-रिलायंस इंस्ट्रीज भी करेगी निवेश

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंस्ट्रीज अमेरिका में बनने वाली ऑयल रिफाइनरी में निवेश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका दावा किया है। इसके लिए उन्होंने रिलायंस को धन्यवाद भी दिया। अमेरिका में यह ऑयल रिफाइनरी 50 साल बाद बनने जा रही है। यह प्रोजेक्ट करीब 300 अरब डॉलर का है।

इस रिफाइनरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ ब्राउन्सविल में बनाया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी इन्वेस्टमेंट डील बताया। उन्होंने लिखा कि अमेरिका के इतिहास का यह सबसे बड़ा सौदा है।

सोना-चांदी हो गए सस्ते, सिल्वर में आई 5000 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। सोने और चांदी में पिछले कई दिनों ने उतार-चढ़ाव जारी है। बुधवार को भी इन दोनों धातुओं की कीमत में गिरावट आई। एमसीएक्स पर बुधवार सुबह दोनों धातुओं की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सोना 1000 रुपये तो चांदी 5000 रुपये से ज्यादा गिर गई।

बुधवार सुबह 11:45 बजे अप्रैल डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 570 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,733 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी प्रति किलो 3710 रुपये गिरकर 2,74,140 पर थी। शुरुआत कारोबार के दौरान सोना 1003 रुपये और चांदी 5243 रुपये तक गिर गया था। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच दोनों धातुओं की कीमत कभी ऊपर तो कभी नीचे जा रही है। इंटरनेशनल मार्केट में बुधवार को सोने की कीमत में कुछ तेजी देखी गई। सुबह के समय स्पॉट गोल्ड 0.3 फीसदी उछलकर 5,208.08 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं स्पॉट सिल्वर 0.1% गिरकर 88.35 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। तेल की कीमतों में गिरावट और महंगाई की चिंता कुछ कम होने के कारण बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिल रहा है।

'तेल की कीमतें स्थिर रखने में रूस से भारत की खरीद अहम'

> *अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कही साथ काम करने की बात*

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका का युद्ध चल रहा है, जिसके चलते मिडिल ईस्ट में तनाव है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आए दिन देखने को मिल रहा है। अमेरिका एक वक्त भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बना रहा था लेकिन अब अमेरिका ने खुद कहा है कि रूस से भारत 30 दिन तक तेल खरीद सकता है। इस बीच भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि भारत वैश्विक तेल की कीमतों को स्थिर रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। नई दिल्ली में वॉशिंगटन के प्रतिनिधि सर्जियो गोर ने एक्स पर लिखा, "भारत ने वैश्विक तेल की कीमतों को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने लिखा, "एक प्रमुख ऊर्जा उपभोक्ता और शोधक के रूप में भारत की भूमिका वैश्विक बाजार की स्थिरता के लिए इसके सहयोग को महत्वपूर्ण बनाती है।"

'भारत-अमेरिका का साथ मिलकर काम करना जरूरी'

सर्जियो गोर ने कहा, "दुनिया भर में तेल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में भारत एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है। अमेरिका मानता है कि रूस से तेल की निरंतर खरीद इसी प्रयास का हिस्सा है। भारत तेल के सबसे बड़े उपभोक्ताओं और शोधकों में से एक है और अमेरिकियों और भारतीयों के लिए बाजार की स्थिरता बनाए रखने के लिए अमेरिका और भारत का मिलकर काम करना आवश्यक है।"

रूस से तेल खरीदने की कही थी बात

गौरतलब है कि सर्जियो गोर की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आईं जब व्हाइट हाउस ने दिन में पहले इस बात की पुष्टि की कि वाशिंगटन ने मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक आपूर्ति व्यवधान के बीच भारत को रूसी तेल शिपमेंट स्वीकार करने की अस्थायी अनुमति दे दी है। पत्रकारों से बात करते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा था कि इस फैसले को डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिकी वित्त विभाग ने मंजूरी दे दी है।

लीविट ने कहा कि यह कदम प्रतिबंधित रूसी कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के संबंध में भारत के पूर्व सहयोग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि भारत में हमारे सहयोगी देशों ने सकारात्मक रुख अपनाया है और पहले ही प्रतिबंधित रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया था।

रेलवे पर भी पड़ी एलपीजी संकट की मार!

ट्रेन में करना पड़ सकता है भूखा सफर, आईआरसीटीसी ने दिए खास निर्देश

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजरायल युद्ध के कारण भारत समेत कई देशों में एलपीजी और एलएनजी की किल्लत हो गई है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक देशभर में एलपीजी सिलेंडर की कमी का असर रेलवे कैटरिंग पर भी पड़ने लगा है। ऐसे में रेलवे अस्थायी रूप से ट्रेनों में पकाए जाने वाले भोजन की सेवा रोकने पर विचार कर रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक जिन यात्रियों ने टिकट बुकिंग के समय भोजन प्री-बुक किया है, उन्हें रिफंड देने पर भी विचार किया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर भारतीय रेलवे ने अपने सभी लाइसेंसधारकों को वैकल्पिक कुकिंग सिस्टम अपनाने के निर्देश दिए हैं। आईआरसीटीसी ने लाइसेंसधारी वेंडर्स से कहा है कि वे खाना बनाने के लिए एलपीजी की जगह माइक्रोवेव और इंडक्शन का इस्तेमाल करें। आईआरसीटीसी के अनुसार रेलवे स्टेशनों पर मौजूद फूड प्लाजा, रिफ्रेशमेंट रूम और जन आहार केंद्रों को अब माइक्रोवेव ओवन और इलेक्ट्रिक इंडक्शन जैसे उपकरणों का उपयोग करने को कहा गया है ताकि गैस की कमी के बावजूद भोजन सेवा जारी रखी जा सके। रेलवे के पैंट्री कार आमतौर पर खाना बनाने के बजाय केवल भोजन को गर्म करने और वितरण का काम करते हैं। लेकिन बेस किचन में एलपीजी की सप्लाई बाधित होने से लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए भोजन तैयार करने में दिक्कत आ रही है।

एलपीजी संकट से इंडक्शन स्टोव की बिक्री में उछाल

20 गुना तक बढ़ी मांग, शेयरों में 13% से ज्यादा की तेजी

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजरायल युद्ध के कारण दुनियाभर में गैस का संकट शुरू हो गया है। भारत में भी देश के ज्यादातर शहरों में एलपीजी सिलेंडर मिलना मुश्किल हो रहा है। इसकी देश में इंडक्शन स्टोव (इंडक्शन कुकटॉप) की बिक्री बढ़ गई है। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लोगों ने तेजी से इंडक्शन स्टोव खरीदना शुरू कर दिया, जिससे कई प्रोडक्ट आउट ऑफ स्टॉक हो गए हैं। 24 घंटे में इंडस्क्शन स्टोव की मांग क्विक कॉमर्स पर 10 गुना और ई-कॉमर्स पर 20 गुना तक बढ़ गई है। वहीं इंडक्शन स्टोव बनाने वाली कुछ कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है।

इंस्टामार्ट के एक अधिकारी के अनुसार इंडक्शन कुकटॉप की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में 10 गुना बढ़ गई है। बिग बास्केट ने बताया कि सोमवार से अब तक इंडक्शन कुकटॉप की बिक्री 5 गुना बढ़ गई है। कंपनी अपने मासिक अनुमान को तीन गुना तक बढ़ाने की तैयारी कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, मेट्रो शहरों में जहां लोग एलपीजी सिलेंडर पर निर्भर हैं, वहां गैस की संभावित कमी की आशंका से लोग वैकल्पिक विकल्प के तौर पर इंडक्शन कुकटॉप खरीद रहे हैं।

भारत ने 'अंडरग्राउंड गुफाओं' में दबा रखा है 60 दिन का इमरजेंसी तेल

> पाकिस्तान-बांग्लादेश-चीन के पास कितना स्टॉक

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान के बीच जंग थमने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच, खबर आई है कि ईरान ने दुनिया के 20 फीसदी कच्चे तेल की आवाजाही वाले गलियारे होर्मुज स्ट्रेट के पास बारूदी सुरंगे बिछा दी हैं। हालांकि, अमेरिका की नौसेना ने कहा है कि उसने इन बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट से ही भारत का करीब 50 फीसदी तेल गुजरता है। भारत के जहाजी टैंकरों को होर्मुज से आने-जाने की छूट ईरान ने दी है। वहीं, अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने की 30 दिन की मोहलत दी है। मगर, युद्ध लंबा खिंचा तो तेल का संकट बड़ी टेंशन दे सकता है।

इस बीच, द हिंदू की एक खबर के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने G-7 देशों से अपने ऑयल रिजर्व को चरणबद्ध तरीके से खोलने को कहा है। आईईए में 30 देश ऐसे हैं, जिन्हें 90 दिनों का ऑयल रिजर्व रखना जरूरी होता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि भारत के पास इमरजेंसी में कितना तेल रिजर्व है। साथ ही यह भी जानेंगे कि भारत के पड़ोसी चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पास कितने दिन का ऑयल रिजर्व है।

भारत के पास कितने दिन का तेल रिजर्व

बीबीसी की एक रिपोर्ट में ऊर्जा मामलों के एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा के हवाले से कहा गया है कि भारत की कुल जरूरत का 90 फीसदी तेल आयात किया जाता है। वह अब तक रूस से काफी तेल खरीदता रहा है, मगर अमेरिका की रोक के बाद इसमें कमी आई है। भारत के स्ट्रैटेजिक रिजर्व, टैंक फॉर्म्स, रिफाइनरीज और कॉमर्शियल सबको मिलाकर 50-60 दिन का तेल है। यह तकरीबन 25 करोड़ बैरल (करीब 4,000 करोड़ लीटर) है, जिसमें क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट शामिल हैं। सारे टैंक खाली नहीं किए जा सकते हैं तो ऐसे में भारत के पास 40 दिन का ही तेल है।

भारत के ये ऑयल रिजर्व कहां रखे गए हैं

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत के ये रिजर्व मंगलौर, पादुर, विशाखापत्तनम में बड़ी-बड़ी अंडरग्राउंड स्ट्रैटेजिक गुफाओं में रखा गया है। साथ ही कुछ तेल स्टोरेज टैंकों, पाइपलाइन और तटीय जहाजों में रखा जाता है। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार हालात पर नजर रखे हुए है।

पाकिस्तान के पास कितने दिन का है तेल

वर्ल्डोमीटर के 2025 के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान के पास 24.3 करोड़ बैरल रिजर्व ऑयल है। मगर, ये प्रॉसेस नहीं हैं। उसके पास 28 दिन का पेट्रोल-डीजल रिजर्व है। वैसे भी पाकिस्तान की हालत पहले से ही खराब है। मिडिल ईस्ट संकट के बाद से वहां इमरजेंसी जैसे हालात पैदा हो गए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन बड़ी मात्रा में रूस और ईरान से तेल आयात करता रहा है। उसने बीते एक साल में ईरान से हर दिन 10 लाख बैरल तेल आयात किया है। रायटर्स के अनुसार, चीन के पास 150 करोड़ बैरल ऑयल रिजर्व है। उसके पास 90 से 100 दिनों का तेल भंडार है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	04-56 बजे
चंद्र	धनु	मे	मीन....	05-35 बजे
मंगल	कुंभ	मे	मेष......	08-11 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	09-55 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	11-57 बजे
शुक्र	मीन	मे	कर्क...	14-08 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	16-20 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	18-27 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	20-32 बजे
			वृश्चिक..	22-43 बजे
			धनु.....	00-56 बजे
			मकर...	03-02 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-38**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874** सूर्यास्त. **18 -19**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष गुरुवार **12 March 2026**
तिथि - नवमीं अहोरात्र सूर्योदय तक
नक्षत्र - मूल **00-43** रात तक उप पूर्वाषाढा
योग - सिद्धी **09-58** तक उप व्यतिपात
करण - तैतिल **17-27** तक उप गर

गण्ड मूल नक्षत्र शांति

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-56 से 15-25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06-38 - 07-57 शुभ	अमृत	18-19 - 19-55 शुभ
रोग	07-57 - 09-27 अशुभ	चंचल	19-55 - 21-25 शुभ
उत्पात	09-27 - 10-56 अशुभ	रोग	20-25 - 22-55 अशुभ
चंचल	10-56 - 12-26 शुभ	काल	22-55 - 00-26 अशुभ
लाभ	12-26 - 13-56 शुभ	लाभ	00-26 - 01-56 शुभ
अमृत	13-56 - 15-25 शुभ	उत्पात	01-56 - 03-26 अशुभ
काल	15-25 - 16-55 अशुभ	शुभ.	03-26 - 04-57 शुभ
शुभ	16-55 - 18-19 शुभ	अमृत	04-57 - 06-38 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,) — भावनात्मक ध्यान तेज होता है, जिससे आपको कार्यस्थल में सूक्ष्म बदलावों और गतिशीलता को समझने में मदद मिलती है। एक आंतरिक जागरूकता आपको अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगी। संरेखित सोच और भावना आपको जानकारी को आसानी से आत्मसात करने और स्पष्टता और भावनात्मक जागरूकता के साथ खुद को व्यक्त करने में मदद करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप ज़मीनी और तार्किक सोच के ज़रिए सफलता पाएँगे। रचनात्मकता आपको निखारने में मदद करती है, लेकिन ज़रूरत से ज़्यादा आलोचनात्मक होने से बचें। अगर सावधानी से काम लिया जाए, तो तेज़ सोच सफलता दिला सकती है। यह दिन बिना ज़्यादा प्रतिक्रिया दिए अच्छे अवसरों पर अमल करने का है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपका नेतृत्व चमकता है, और आपकी जिज्ञासा आपको काम या पढ़ाई में नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। तार्किक सोच आपको स्थिर ध्यान के साथ योजनाओं को परिणामों में बदलने में मदद करती है। आपको अहंकार के बिना नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — रचनात्मक ऊर्जा आज आपके करियर को बढ़ावा देती है, जिससे आपको आत्मविश्वास के साथ खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिलती है। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, खासकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। आप पहल करने और कार्यों को सीधे करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

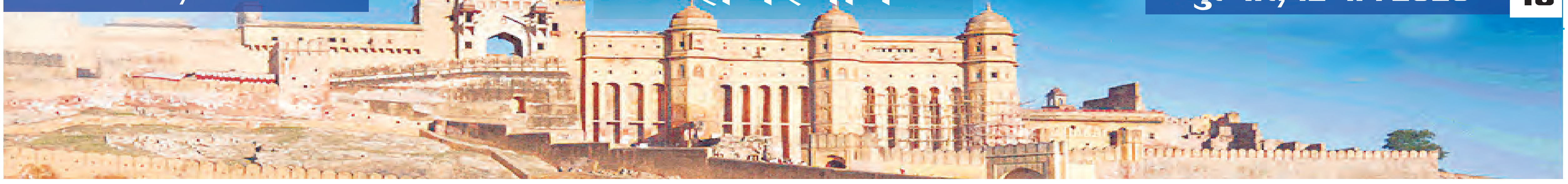

17 कश्मीरी छात्र जेल से रिहा

सरकार से मांगी 'सुरक्षा'

चित्तौड़गढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहाँ गंगरार स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी के 17 कश्मीरी छात्र दो दिन जेल में बिताने के बाद रिहा हुए हैं। यह मामला केवल गिरफ्तारी का नहीं, बल्कि प्रदेश में चल रहे नर्सिंग कोर्सेज की मान्यता और हजारों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले की गंगरार स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी के 17 कश्मीरी नर्सिंग छात्रों को बुधवार को उप-जिला कारागार से रिहा कर दिया गया। ये छात्र पिछले दो दिनों से जेल में बंद थे। छात्रों का आरोप है कि उन्हें यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने पर हिरासत में लिया गया था, जबकि उनकी मांग केवल अपने करियर और 'राजस्थान नर्सिंग काउंसिल' से कोर्स की मान्यता को लेकर थी।

क्या है पूरा विवाद? मान्यता पर फंसा पेच

ये सभी 17 छात्र शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 'जम्मू-कश्मीर विशेष छात्रवृत्ति योजना' के तहत मेवाड़ यूनिवर्सिटी में भर्ती हुए थे। छात्रों का दावा है कि जिस नर्सिंग कोर्स में वे पढ़ाई कर रहे हैं, उसे राजस्थान नर्सिंग काउंसिल से आवश्यक मान्यता प्राप्त नहीं है।

छात्रों का आरोपः जब छात्रों ने खुद राजस्थान नर्सिंग काउंसिल जाकर वास्तविकता का पता लगाया, तो उन्हें बताया गया कि यूनिवर्सिटी की ओर से मान्यता के लिए कोई फाइल या आवेदन लंबित ही नहीं है।

यूनिवर्सिटी का पक्षः छात्र लंबे समय से मैनेजमेंट से स्पष्टीकरण मांग रहे थे, जहाँ उन्हें बार-बार प्रक्रिया जारी होने का आश्वासन दिया जा रहा था।

भविष्य अधर में: अंतिम वर्ष के छात्रों की बढ़ी चिंता

जेल से रिहा हुए छात्रों में कई ऐसे हैं जो अपने अंतिम वर्ष में हैं। बिना मान्यता वाले संस्थान से डिग्री मिलने का अर्थ है कि वे भविष्य में न तो सरकारी नौकरी के लिए पात्र होंगे और न ही नर्सिंग ऑफिसर के रूप में पंजीकरण करा सकेंगे। इसी चिंता में छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें शांति भंग के आरोप में हिरासत में ले लिया था।

'ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन' जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने इस मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। डॉ. खान ने कहा, छात्रों ने केवल अपने हक और भविष्य की स्पष्टता के लिए आवाज उठाई थी। हम मुख्यमंत्री जी से अपील करते हैं कि इन छात्रों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका शैक्षणिक सत्र बर्बाद न हो।₹

जांच की मांग: बिना मान्यता के एडमिशन कैसे?

'ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन' ने राज्य सरकार से इस बात की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है कि बिना वैधानिक अनुमति के एक यूनिवर्सिटी ने प्रोफेशनल नर्सिंग कोर्स में एडमिशन कैसे दे दिए? एसोसिएशन ने छात्रों को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में ट्रांसफर करने या वर्तमान संस्थान की मान्यता तुरंत बहाल करवाने की मांग उठाई है ताकि केंद्र सरकार की JKSSS योजना का लाभ लेने वाले छात्रों का करियर सुरक्षित रह सके।

राजस्थान के शैक्षणिक संस्थानों की साख पर सवाल

चित्तौड़गढ़ की इस घटना ने राजस्थान में निजी विश्वविद्यालयों के रेगुलेटरी कंप्लायंस (नियामक अनुपालन) पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश के शिक्षा जगत में चर्चा है कि यदि सरकारी योजनाओं के तहत आने वाले छात्रों के साथ ऐसा होता है, तो इससे राज्य की 'एजुकेशन हब' वाली छवि को धक्का लग सकता है।

एसी कार में नहीं, तपती गर्मी में 70 किलोमीटर तक पैदल चलेंगे मंत्री मदन दिलावर

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर 13 मार्च से अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी में एक बड़ी राजनीतिक और सामाजिक पहल करने जा रहे हैं। 'सरकार आपके द्वार' के नारे को चरितार्थ करने के लिए दिलावर ₹जनहिताय – जनसुखाय पदयात्रा₹ शुरू कर रहे हैं। 13 मार्च से 16 मार्च तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान वे लाडपुरा पंचायत समिति के सुदूर ग्रामीण इलाकों में 70 किलोमीटर पैदल चलेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनना और सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखना है।

क्यों चुनी पदयात्रा?

आमतौर पर मंत्रियों का दौरा सायरन बजाती गाड़ियों और एसी के घेरे में होता है, लेकिन मदन दिलावर ने इस बार 'पैदल' चलने का फैसला किया है। इसके पीछे तीन मुख्य कारण माने जा रहे हैं: सीधा संवादः पदयात्रा के जरिए वे उन लोगों तक पहुँच सकेंगे जो जयपुर या कोटा तक अपनी फरियाद लेकर नहीं आ पाते। भ्रष्टाचार और ढिलाई पर नजरः गांव की गलियों में घूमने से स्थानीय प्रशासन और स्कूल-अस्पतालों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

समाधान हर बारः दिलावर का संकल्प है कि इस यात्रा के दौरान जो भी समस्या सामने आएगी, उसका मौके पर ही निस्तारण किया जाए।

यह यात्रा 70 किलोमीटर की है, जिसे चार चरणों में बांटा गया है। गर्मी के बढ़ते तेवर के बीच यह किसी 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं है।

प्रथम दिवस (13 मार्च): नयागांव से शुरू होकर डोबड़ा, पदमपुरा, कोथला, थोलपुरा, डडवाडा, भंवरिया, कंवरपुरा, हरिपुरा और संवठा होते हुए सोहनपुरा में रात्रि विश्राम। (14 कि.मी.)

द्वितीय दिवस (14 मार्च): सोहनपुरा से महानपुरा, मंदिरगढ़ होते हुए देवनली दामोदरपुरा तक। (12 कि.मी.)

तृतीय दिवस (15 मार्च): देवनली दामोदरपुरा से जसपुरा, केशवपुरा, किशनपुरा, डोलिया, चांदवाड़ी होते हुए गिरधरपुरा तक। (21 कि.मी.)

चतुर्थ दिवस (16 मार्च): गिरधरपुरा से कोलीपुरा, भैंसपुरा, बोराबास, जामुनिया बॉवड़ी और अंत में बलिंडा पर समापन। (23 कि.मी.)

'सरकार आपके द्वार' – समाधान हर बार

मदन दिलावर ने सोशल मीडिया पर इस यात्रा का पोस्टर साझा करते हुए इसे ₹जनसंवाद, जनसेवा और जनकल्याण₹ का माध्यम बताया है। यात्रा के दौरान मंत्री गांवों के मंदिरों और चौपालों पर रुकेंगे, लोगों के साथ सादा भोजन करेंगे और रात को गांवों में ही विश्राम करेंगे। इससे ग्रामीणों को महसूस होगा कि सरकार वाकई उनके पास आई है।

शिक्षा मंत्री के दौरे से कर्मचारियों में हड़कंप

दिलावर का यह दौरा केवल जनसंवाद तक सीमित नहीं है। चूँकि वे शिक्षा मंत्री भी हैं, इसलिए पदयात्रा के मार्ग में आने वाले सरकारी स्कूलों, आंगनबाड़ियों और पंचायत कार्यालयों का वे औचक निरीक्षण भी करेंगे। अनुपस्थित रहने वाले या काम में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ वे मौके पर ही सस्पेंशन की कार्रवाई करने के लिए जाने जाते हैं, जिससे क्षेत्र के महकमों में अभी से खलबली मच गई है।

बारात आने की जगह आई 2 की मौत

शादी के घर में मचा कोहराम

नागौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शादी समारोह के बीच मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। नागौर में बडू के पास गौशाला के निकट एक लोडिंग गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार लाड़ोली गांव निवासी सुखराम बावरी के घर बेटी की शादी थी। मंगलवार सुबह बारात आने वाली थी, लेकिन बारात के देरी से पहुंचने के कारण कुछ लोग काम से बडू आ गए।

इसी दौरान एक लोडिंग गाड़ी में सवार होकर आए लोग गौशाला के पास पहुंचे तो वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में लाड़ोली निवासी दीपक पुत्र बंशीलाल बावरी वाहन के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हीरालाल पुत्र सरवन बावरी को गंभीर चोटें आईं, जिनकी परबतसर अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

हादसे में गणेश पुत्र नानूराम बावरी और दिनेश बावरी पुत्र हुकमाराम गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें हालत गंभीर होने पर अजमेर रेफर किया गया। वहीं लक्ष्मण पुत्र मोहनराम बावरी को परबतसर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि यह कैम्पर अजमेर जिले के पनेर गांव से शादी समारोह में आई हुई थी और उसी से लोग बडू की ओर जा रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एएसआई गोपाललाल मेहरा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया।

शादी वाले घर में मचा कोहराम

उधर हादसे की खबर मिलते ही शादी वाले घर में कोहराम मच गया। परिवार ने जल्दबाजी में विवाह की रस्में पूरी कर बारात को विदा किया। बाद में बड़ी संख्या में ग्रामीण बडू अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

एलपीजी संकट पर अब सियासी घमासान, सरकार को घेरने के लिए तैयार कांग्रेस, 12-13 मार्च को प्रदर्शन

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और इस्राइल युद्ध के बाद अब राजस्थान सहित देश भर में एलपीजी संकट गहरा गया है। हालात विकट होते जा रहे हैं। होटल, ढाबा और रेस्त्रां कारोबार ठप होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

इन कारोबारों से जुड़े करोड़ों लोगों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट भी आ खड़ा हुआ है। इधर राज्य सरकार का कहना है कि केंद्र ने तेल मार्केटिंग कंपनियों को घरेलू गैस की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के लिए निर्देश दिए हैं इसलिए कुछ दिनों तक कमर्शियल गैस की आपूर्ति नहीं होगी।

कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर बीजेपी पर हमलावर है। राजस्थान कांग्रेस ने विधानसभा में भी एलपीजी किल्लत को लेकर भारी

हंगामा किया था। अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मुद्दे को लेकर राज्य भर में प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है।

12 व 13 को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

डोटासरा ने जिला कांग्रेस कमेटियों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि 12 और 13 मार्च को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएं। पत्र में कहा गया है कि इस्राइल , अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के दौरान देश के नागरिकों के हितों की रक्षा करने में केंद्र सरकार की विदेश नीति विफल रही है। इसके कारण देश में ईंधन की कीमतों का बोझ आम जनता पर पड़ा है। साथ ही घरेलू रसोई गैस के दाम बढ़ाकर गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब 60 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी गई है।

शादी-विवाह में बढ़ी परेशानी

कांग्रेस का आरोप है कि शादी-विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के सीजन में केंद्र सरकार कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी असफल रही है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी जिला इकाइयों से इन मुद्दों को लेकर आमजन के बीच विरोध दर्ज कराने और प्रमुख कांग्रेस नेताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कांग्रेस का कहना है कि महंगाई और गैस संकट के खिलाफ यह आंदोलन पूरे प्रदेश में किया जाएगा।

छात्र की बीच सड़क चाकू मारकर हत्या

कोटा, 11 मार्च (एजेंसियां)। शहर में कल रात 11वीं कक्षा के एक नाबालिग की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना उद्योग नगर थाना क्षेत्र की है, जहां अज्ञात बदमाशों ने छात्र पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल छात्र को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शुभम के रूप में हुई है, जो 11वीं कक्षा में पढ़ता था। बताया जा रहा है कि वह अपने दोस्तों के साथ एक शादी समारोह से लौट रहा था। सभी दोस्त अलग-अलग अपने घरों की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में शुभम को अकेला पाकर झाड़ियों में छिपे बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर शुभम के दोस्त तुरंत मौके पर पहुंचे और परिजनों की मदद से उसे विज्ञान नगर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

आंधी-बारिश के साथ गिरेंगे ओले

कोटा-झालावाड़-जयपुर समेत 28 जिलों में आईएसडी का येलो अलर्ट

झालावाड़, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे गर्मी के तीखे तेवर कुछ हद तक कम हो सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार कल यानी 12 मार्च से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके बाद 14 और 15 मार्च को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव होने की संभावना जताई है साथ ही 20 से ज्यादा जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य के कई क्षेत्रों में मेघगर्जन के साथ हल्की आंधी-बारिश और ओले गिरने की संभावना है। इस सिस्टम के प्रभाव से अधिकतम तापमान में लगभग 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है।

14 मार्च को अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, टोंक, नागौर और पाली में मेघगर्जन और वज्रपात का अलर्ट है। वहीं जयपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर और जोधपुर में बारिश होने की संभावना भी जताई है।

साथ ही 15 मार्च को अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डीग, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, चूरू, डीडवाना-कुचामन, हनुमानगढ़ और श्रीगंगनगर में मेघगर्जन और वज्रपात का अलर्ट है। वहीं जयपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर और जोधपुर में बारिश होने की संभावना भी जताई है। साथ ही राजस्थान के कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की भी संभावना है।

गैस सिलेंडर के लिए हाहाकार

स्कूलों में सप्लाई रोकी, हजारों रेस्टोरेंट्स और मैस में मचा हड़कंप

टोंक, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में गैस सिलेंडर संकट गहराता जा रहा है। टोंक में भारत गैस एजेंसी ने सरकारी स्कूलों के पोषाहार के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रोक दी, जिससे भोजन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जयपुर, अलवर और कोटा में सिलेंडर की कमी व कालाबाजारी के आरोप लगे।

राजस्थान में रसोई गैस और कॉमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत ने अब विकराल रूप ले लिया है। आलम यह है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों का निवाला छिनने की नौबत आ गई है, तो वहीं शहरों में घरेलू गैस के लिए लोग सड़कों पर उतर आए हैं। जयपुर से लेकर कोटा और अलवर तक, गैस एजेंसियों पर हंगामे और तालाबंदी की खबरें सामने आ रही हैं।

टोंक जिले से सबसे चिंताजनक खबर आई है। यहां 'बुंदेल गैस एजेंसी' ने सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील (पोषाहार) के लिए दी जाने वाली कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी है।

एजेंसी संचालक का दावा है कि कंपनी के मौखिक आदेश के बाद यह कदम उठाया गया है। इससे हजारों बच्चों के खाने पर संकट खड़ा हो गया है। हालांकि, प्रशासन अभी इस मामले में अन्य एजेंसियों से वैकल्पिक व्यवस्था की उम्मीद कर रहा है।

लेपर्ड का आतंक, 7 फीट ऊंची दीवार फांदकर घर में घुसा, 8 सेकेंड में कुत्ते को उठा ले गया

पाली, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली जिले में जंगली जानवरों की आवाजाही से लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। एक लेपर्ड ने घर में घुसकर पालतू कुत्ते का शिकार कर लिया। पूरी घटना महज कुछ सेकेंड में हुई और घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। बताया जा रहा है कि लेपर्ड ने करीब 8 सेकेंड के भीतर कुत्ते को मुंह में दबाया और खेतों की तरफ भाग गया।

यह घटना देसूरी क्षेत्र की सेली माता कॉलोनी के नीचे स्थित रेबारियों की ढाणी की है। लेपर्ड कॉलोनी के पास खेतों की तरफ से आया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, शिकार करने से पहले वह कुछ समय तक खेत में घात लगाकर बैठा रहा और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। मिली जानकारी के अनुसार, रेबारियों की ढाणी में देसूरी के पूर्व सरपंच प्रवीण सोलंकी का घर है। घर के सामने उनका खेत है और बीच में कॉलोनी की सड़क गुजरती है। प्रवीण सोलंकी अपने पालतू कुत्ते को घर के बाहर बांधकर सो गए थे। इसी दौरान लेपर्ड वहां पहुंच गया और मौके की तलाश में कुछ देर तक आसपास मंडराता रहा।

सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि लेपर्ड ने अचानक घर की तरफ दौड़ लगाई और करीब 7 फीट ऊंची दीवार को फांदकर अंदर घुस गया। अंदर पहुंचते ही उसने बंधे हुए कुत्ते को मुंह में दबाया और तेजी से वापस खेतों की दिशा में भाग निकला। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि कुत्ते को बचाने का मौका ही नहीं मिल पाया।

कुत्ते के चिल्लाने की आवाज सुनकर घर के सदस्य बाहर दौड़कर आए, लेकिन तब तक लेपर्ड कुत्ते को लेकर खेतों की तरफ जा चुका था। घटना के बाद इलाके में डर का माहौल है और स्थानीय लोग रात के समय खास सतर्कता बरत रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ समय से जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे लोगों और पालतू पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सांवलिया सेठ मंदिर में नोटों का अंबार

फिर रिकॉर्ड तोड़ चढ़ावा

चित्तौड़गढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। मेवाड़ के आराध्य देव कहे जाने वाले श्री सांवलियाजी सेठ मंदिर में करोड़ों के नोटों का ढेर लग गया है। आज फिर मंदिर में मासिक चढ़ावे की गिनती हुई। इस दौरान भंडार की गिनती का छठा चरण पूरा हो गया। इस राउंड में दान पात्र और भंडार से 1 करोड़ 95 लाख 27 हजार रुपए की गिनती की गई। अब तक छह राउंड की गिनती में कुल 36 करोड़ 49 लाख 82 हजार रुपए का चढ़ावा सामने आ चुका है। मंदिर में लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था के चलते हर बार भंडार से बड़ी रकम निकल रही है।

मंदिर प्रशासन के अनुसार भंडार की गिनती अभी जारी है। बुधवार को संभवतः सातवां और अंतिम राउंड की गिनती होगी। इस अंतिम चरण में चिल्लर राशि, ऑनलाइन दान और सोने-चांदी के आभूषणों सहित अन्य दान सामग्री का वजन और मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद कुल चढ़ावे की अंतिम राशि स्पष्ट हो सकेगी। मंदिर मंडल प्रशासन ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई नए प्रोजेक्ट भी शुरू किए गए हैं। मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों को बेहतर व्यवस्था मिल सके, इसके लिए एक नई धर्मशाला और भोजनशाला का निर्माण पूरा हो चुका है।

कलेजा कंपा देने वाली घटना, 2 मासूम बेटों को कुएं में फेंका

फिर ट्रेन के आगे कूदकर मां ने दे दी जान

चित्तौड़गढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन थाना क्षेत्र से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहां काच्छिया खेड़ी गांव में एक 25 वर्षीय विवाहिता ने अपने दो मासूम बेटों की निर्मम हत्या करने के बाद स्वयं भी ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। इस तीहरे हत्याकांड और सुसाइड की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, काच्छिया खेड़ी निवासी अणछी पत्नी पारसमल कच्छावा अपने दो पुत्रों सूरज (5 वर्ष) और मात्र दो माह के सोनू के साथ घर से निकली थी। शाम

करीब साढ़े छह बजे उसने गांव के पास ही स्थित 40 फीट गहरे और पानी से लबालब भरे कुएं में अपने दोनों मासूम बेटों को फेंक दिया।

मासूमों की हत्या करने के बाद महिला ने गांव के समीप ही उदयपुर से दिल्ली सराय रोहिल्ला जा रही चेतक एक्सप्रेस के आगे छलांग लगा दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला का सिर धड़ से अलग हो गया और शरीर के अंग क्षत-विक्षत हो गए। महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना शाम करीब 6.30 बजे कपासन पुलिस को मिली। सहायक उप निरीक्षक शंकरलाल सालवी पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और महिला के शव को उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। शिनाख्त के दौरान पता चला कि मृतका सुबह से अपने बच्चों के साथ लापता थी।

इसी बीच ग्रामीणों को सूचना मिली कि गांव के एक कुएं में दो बच्चों के शव तैर रहे हैं। पुलिस और ग्रामीणों (विक्रम कच्छावा व अन्य) के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों के शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने तीनों शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है, जिनका पोस्टमॉर्टम बुधवार को किया गया।

अमरूदों का बाग और जनपथ क्षेत्र में ट्रैफिक पर सुप्रीम फैसला, हाई कोर्ट के निर्देशों में हस्तक्षेप नहीं

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के महत्वपूर्ण संस्थागत क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था और सार्वजनिक कार्यक्रमों के नियमन से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देशों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने अमरूदों का बाग, अंबेडकर सर्किल और जनपथ क्षेत्र से संबंधित व्यवस्थाओं को यथावत बनाए रखने का निर्णय दिया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की खंडपीठ ने प्रशासक न्यायमूर्ति सुदर्शन कुमार मिश्रा (सेवानिवृत्त) और एसएमएस इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन की ओर से दायर याचिकाओं का निस्तारण करते हुए राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देशों को निरस्त करने से मना कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान प्रशासक की ओर से प्रस्तुत अधिवक्ताओं और राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने पक्ष रखा। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को यह स्वतंत्रता दी कि वह आठ सप्ताह के भीतर जयपुर के संबंधित क्षेत्रों में ट्रैफिक को नियंत्रित करने या प्रतिबंधित करने के लिए उपयुक्त वैधानिक आदेश पारित कर सकती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि राज्य सरकार किसी अधिनियम के तहत नया आदेश जारी करती है तो वह कानून के अनुसार न्यायिक समीक्षा के अधीन रहेगा, यदि ऐसा करने की अनुमति संबंधित कानून में हो।

डीजीपी ने किया उरुग्वे और स्कॉटलैंड मैच का उद्घाटन

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महिला हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप-2026 के तहत बुधवार को उरुग्वे और स्कॉटलैंड की टीमों के बीच खेले गए मैच का उद्घाटन राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने गच्चिबौली स्टेडियम में किया। इस अवसर पर डीजीपी ने मैदान में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और गेंद को हिट कर मैच का औपचारिक शुभारंभ किया।

फुल बेस कार्ड लाइन' पद्धति के तहत खेला गया यह मुकाबला शुरू से अंत तक रोमांचक रहा। मैच समाप्त होने के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्कॉटलैंड की खिलाड़ी को डीजीपी ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का उद्घाटन 8 मार्च को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने किया था। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, इटली, ऑस्ट्रिया, कोरिया, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस मौके पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी के अधिकारियों और हॉकी इंडिया के प्रतिनिधियों ने डीजीपी का सम्मान किया। डीजीपी ने कम समय में तैयारियां पूरी कर अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस खेल टूर्नामेंट का सफल और भव्य आयोजन करने के लिए आयोजकों की सराहना की।

पीएनबी द्वारा ''जन से प्रशासन तक हिन्दी'' पर राजभाषा कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा 10 मार्च को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती वन्दना पाण्डेय, अंचल प्रबन्धक ने कहा कि ''जन से प्रशासन तक हिन्दी'' जैसे व्यापक एवं महत्वपूर्ण विषय पर आज की कार्यशाला समाज से लेकर प्रशासन तक हिन्दी की जीवंतता, उसके लचीलेपन और इसके प्रभाव एवं विस्तार को दर्शाता है। शिशिर सिन्हा इस विषय पर व्याख्यान देने के लिए आभासी माध्यम से उपस्थित रहे। संजय माने, उप अंचल प्रबन्धक ने विशिष्ट वक्ता शिशिर सिन्हा का औपचारिक स्वागत करते हुए कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह समाज और प्रशासन के बीच विश्वास, पारदर्शिता और सहभागिता का सेतु भी होती है

विशिष्ट वक्ता शिशिर सिन्हा ने श्रोताओं को नई जानकारियां दी। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि जब कभी भी जन में पैठ बनाने की बात आयी तो उसमें हिन्दी ने मजबूत भूमिका निभाई। उन्होंने हिन्दी को दूरियों को कम करने वाली भाषा बताया। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सी वी वासुदेव रॉय, सहायक महाप्रबंधक ने कहा कि आज का व्याख्यान हम सभी के लिए हिन्दी की भूमिका को नए सिरे से समझने में सहायक होगी। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ साकेत सहाय, मुख्य प्रबन्धक (राजभाषा) द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन प्रश्न मंच प्रतियोगिता के विजेताओं को भी अंचल प्रबन्धक द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं में श्यामा कुमार, सहायक महाप्रबंधक, नरेन दत्ता, मुख्य प्रबन्धक एवं श्रीमती वी करुणा, वरिष्ठ प्रबन्धक आदि के नाम शामिल हैं। कार्यशाला में 36 से अधिक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

श्री अन्न अनुसंधान संस्थान एवं अन्य संस्थानों का राजभाषा कार्यान्वयन निरीक्षण

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में 10 मार्च को राम दयाल शर्मा, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), भाकृअनुप, नई दिल्ली के द्वारा भाश्रीअनुसं एवं अन्य सहोधर संस्थानों की राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। संस्थान में आगमन पर डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात उन्होंने संस्थान के राजभाषा कार्यान्यवन प्रतिवेदन में उल्लिखित बिंदु-प्रति-बिंदु गतिविधियों का निरीक्षण किया। राजभाषा कार्यान्वयन के सुचारु संचालन हेतु सराहना करते हुए उनमें तीव्रता लाने हेतु कुछ सुझाव दिए। इस पूरे निरीक्षण का समन्वय डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

गैस की कमी से हैदराबाद के हॉस्टलों में नाश्ते के कई व्यंजन बंद

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित होने से हैदराबाद के कई हॉस्टलों में रसोई संकट खड़ा हो गया है। गैस की कमी के चलते रोटी, डोसा, वड़ा, पूरी और मैसूर बोंडा जैसे कई नाश्ते के व्यंजन फिलहाल बंद कर दिए गए हैं। कुछ हॉस्टलों ने तो अस्थायी रूप से चाय और कॉफी देना भी बंद कर दिया है। तेलंगाना सूचना प्रौद्योगिकी गलियारा हॉस्टल संघ के अध्यक्ष अमरनाथ रेड्डी के अनुसार, शहर में लगभग 11 हजार हॉस्टल हैं, जिनमें करीब 10 लाख छात्र रहते हैं। उन्होंने बताया कि गैस हॉस्टलों के संचालन के लिए सबसे जरूरी साधन है और इसकी कमी से छात्रों के लिए नियमित भोजन तैयार करना मुश्किल हो गया है।

हॉस्टल संचालकों का कहना है कि गैस की बचत के लिए ज्यादा समय और अधिक गैस में बनने वाले व्यंजन फिलहाल बंद कर दिए गए हैं। कई जगहों पर अब केवल चावल और साधारण भोजन ही परोसा जा रहा है। एसआर नगर में श्री वाणी पुरुष एवं महिला छात्रावास चलाने वाले राजा राव ने बताया कि उनके पास अभी कुछ दिनों के लिए ही गैस बची है। इसलिए उन्होंने अधिक समय लेने वाले व्यंजन बंद कर दिए हैं और फिलहाल चावल, उपमा और पोहा जैसे साधारण भोजन ही दिया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर लकड़ी के चूल्हे का उपयोग करने की भी योजना बनाई जा रही है। कुछ हॉस्टलों ने गैस की कमी से निपटने के लिए वैकल्पिक उपाय भी शुरू किए हैं, जैसे इंडक्शन चूल्हे का इस्तेमाल या लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाना। संघ के अध्यक्ष अमरनाथ रेड्डी ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि हॉस्टलों को प्राथमिकता श्रेणी में रखते हुए गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि छात्रों को भोजन की परेशानी न हो।

सरपंच ने पुलिस निरीक्षक पर अभद्र व्यवहार का लगाया आरोप

कोत्तागुडेम, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम के सरपंच पुणेम कृष्णा ने पुलिस के अतिरिक्त अधीक्षक विक्रांत कुमार सिंह से शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि भद्राचलम टाउन के पुलिस निरीक्षक नागराजू ने उनके साथ अभद्र और अनुचित व्यवहार किया। सरपंच के अनुसार, मंगलवार को पुलिस ने भद्राचलम टाउन क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए रेत ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पकड़ लिया था। इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने पुलिस निरीक्षक को फोन कर बताया कि रेत गांव के विकास कार्यों के लिए ले जाई जा रही है और वाहन छोड़ने का अनुरोध किया। सरपंच का आरोप है कि इस दौरान पुलिस निरीक्षक ने उनसे फोन पर बेहद असभ्य तरीके से बात की। हालांकि जब इस मामले में पुलिस निरीक्षक नागराजू से संपर्क किया गया तो उन्होंने सरपंच के सभी आरोपों को गलत बताया। उनका कहना है कि उन्होंने सरपंच से किसी भी तरह की अभद्र भाषा में बात नहीं की।

अवैध ई-सिगरेट रैकेट का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद ज़ोन कमिश्नर के टास्क फोर्स ने एक अभियान के तहत, मंगलहाट पुलिस के सहयोग से एक अवैध ई-सिगरेट बिक्री के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का अवैध व्यापार कर रहे हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लोअर धूलपेट, मंगलहत, हैदराबाद में स्थित मकान पर छापा मारा। इस दौरान आरोपी तिकाले रोहन (23 वर्ष) छात्र, निवासी लोअर धूलपेट, मंगलहाट को 282 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के साथ पकड़ा गया। आरोपी तिकाले रोहन, मूल रूप से मंगलहत का निवासी, अपने साथी शिवनानी प्रीतम के साथ प्रतिबंधित ई-सिगरेट को अवैध मुनाफे के लिए बेचने की योजना बना रहा था। उन्होंने मुंबई से कम कीमत पर ई-सिगरेट खरीदकर प्रगति पार्सल सर्विसेज के माध्यम से हैदराबाद पहुंचाई। शिवनानी प्रीतम ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर मुख्य रूप से कॉलेज छात्रों, किशोरों और युवाओं को उत्पाद उपलब्धता की जानकारी दी। ऑर्डर ग्रुप के माध्यम से प्राप्त किए गए और पेमेंट फोन पो के जरिए वसूले गए। इसके बाद आरोपी ने रैपिडो डिलीवरी सर्विस का उपयोग करके उत्पादों को ग्राहकों तक गुप्त रूप से पहुँचाया। विशेषज्ञों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट में निकोटिन और हानिकारक रासायनिक फ्लेवर्स होते हैं, जो लत लगाते हैं और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। इनके आसानी से उपलब्ध होने के कारण युवा पीढ़ी में इनका उपयोग बढ़ रहा है। खैरताबाद ज़ोन टास्क फोर्स टीम और मंगलहाट पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वस्तुएँ जब्त कीं। 282 ई-सिगरेट की अनुमानित बाजार कीमत 8,72,000 रुपए है। आरोपी और जब्त सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मंगलहत पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर को सुपुर्द कर दिया गया है। इस अभियान का सफल संचालन इंस्पेक्टर पी. राघवेंद्र, खैरताबाद ज़ोन टास्क फोर्स के पर्यवेक्षण में किया गया, जिसमें उप निरीक्षक जी. श्रीकांत और खैरटाबाद ज़ोन टास्क फोर्स एवं मंगलहाट के स्टाफ ने सक्रिय भाग लिया।

फंक्शन हॉल में सोने के आभूषण चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बंडलागुड़ा और एर्राकुंटा इलाके की शेख शाहीन बेग पर राजेंद्रनगर ज़ोन पुलिस ने ससपेक्ट शीट खोली है। जनवरी महीने में सिटी पैलेस फंक्शन हॉल में हुई चोरी के मामले में वह आरोपी हैं। इस घटना में लगभग 50 ग्राम सोने के आभूषण चोरी हुए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला फंक्शन हॉल का चयन करती है और आमंत्रित अतिथि के रूप में अंदर प्रवेश करती है। वहां रखे हुए हैंडबैग्स, विशेषकर जिनमें कीमती सामान होता है, उन्हें निशाना बनाकर चोरी करती है। इस महिला पर पहले अपने पति की हत्या करने का मामला दर्ज है। पहाड़ीशरीफ पुलिस स्टेशन में दर्ज इस मामले में कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

नहर में मिला युवक का शव

करीमनगर, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। थिम्मापुर मंडल के मल्लापुर नहर में बुधवार सुबह 33 वर्षीय युवक बानाका चंद का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया गया कि चंद मंगलवार को अपने घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने नहर में एक शव देखा और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची और शव को बाहर निकलवाया। शव की पहचान बानाका चंद के रूप में हुई।

एवियो स्मार्ट मार्केट स्टैक ने कृषि तकनीक और पर्यावरण परियोजनाओं के लिए कई समझौते किए

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित एवियो स्मार्ट मार्केट स्टैक लिमिटेड, जिसे पहले बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने प्रोजेक्ट एवियो एग्रीटेक के तहत कृषि तकनीक और पर्यावरण से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए कई संगठनों के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। पिछले कुछ हफ्तों में कंपनी ने जलवायु सेवाओं, टिकाऊ खेती, पर्यावरणीय समाधान और कार्बन बाजार के क्षेत्र में काम करने वाले कई संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। कोशर क्लाइमेट इंडिया के साथ सहयोग के तहत कार्बन परियोजनाओं के विकास और वैश्विक स्वैच्छिक कार्बन बाजार तक पहुंच में मदद मिलेगी। इससे टिकाऊ खेती के तरीकों से किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकेंगे।

एनरिच पावर एंड वॉटर टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी के माध्यम से जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई और ग्रामीण ऊर्जा समाधान को बढ़ावा दिया जाएगा। इसका उद्देश्य संसाधनों का बेहतर उपयोग करना और किसानों की लागत कम करना है। इकोवेदा क्लाइमेट के साथ सहयोग के तहत कृषि वानिकी, पुनर्योजी खेती और प्रकृति आधारित समाधान को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे किसानों को कार्बन क्रेडिट और जलवायु से जुड़ी आय के नए स्रोत मिल सकेंगे। वहीं प्राणाधारा एग्री स्मार्ट सॉल्यूशंस के साथ सहयोग के जरिए डिजिटल कृषि परामर्श, कृषि मशीनों तक पहुंच और निगरानी तथा सत्यापन प्रणालियों को मजबूत किया जाएगा, जो कार्बन और पर्यावरण कार्यक्रमों के लिए जरूरी हैं।

सेना प्रमुख ने रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय का दौरा किया

प्रौद्योगिकी आधारित परिवर्तन का आह्वान किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सिकंदराबाद स्थित रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय का दौरा किया और उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम के अधिकारियों को संबोधित किया। सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना प्रौद्योगिकी, संगठनात्मक दक्षता और आत्मनिर्भरता पर आधारित एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जो सत्य, विश्वास और पारदर्शिता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होगा। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब सक्रिय प्रतिरोधक रणनीति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने भविष्य के संघर्षों में बहु-आयामी अभियानों, आंकड़ा-आधारित युद्ध प्रणाली और मानवरहित प्रणालियों के महत्व पर बल दिया। जनरल द्विवेदी ने कनिष्ठ कमीशंड अधिकारियों को सशक्त बनाने, सामरिक स्तर पर नेतृत्व को मजबूत करने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नवोन्मेषी सोच अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने ''भैरव बटालियन'' और ''विशेष अभियान बल ब्रिगेड'' जैसी नई संरचनाओं के गठन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना की विकसित होती संचालनात्मक संरचना का उदाहरण है।

दक्षिण मध्य रेलवे में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने बुधवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 को भव्य रूप से मनाया।

इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, दक्षिण मध्य मंडल की रेलवे सुरक्षा आयुक्त माधवी, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी, विभिन्न विभागों के प्रमुख, अधिकारी तथा कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान रेलवे मिश्रित उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा नाटक और नृत्य प्रस्तुतियाँ दी गईं, जबकि एक महिला कर्मचारी ने कुचिपुड़ी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने वर्ष 2025-2026 के लिए विभिन्न विभागों की उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही वक्तृत्व और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष का विषय 'देने से प्राप्ति' है। उन्होंने कहा कि सशक्तिकरण की कुंजी शिक्षा है और वास्तविक प्रगति शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के संदर्भ में समानता और समता के बीच अंतर भी स्पष्ट किया। उनके अनुसार समानता का अर्थ सभी लिंगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार देना है, जबकि समता का अर्थ विशेष समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक संसाधन और सहयोग प्रदान कर न्यायपूर्ण परिणाम सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के क्षेत्र में लंबी प्रगति हुई है, फिर भी अभी बहुत आगे बढ़ना बाकी है। उन्होंने यह भी बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे के लिए यह गर्व की बात है कि संचालन, वाणिज्य, सुरक्षा, वित्त और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण विभागों के साथ-साथ गुंटूर मंडल का नेतृत्व भी सक्षम महिला अधिकारी कर रही हैं। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि महिला अधिकारी और कर्मचारी दक्षिण मध्य रेलवे का गौरव हैं और वे ईमानदारी तथा समर्पण के साथ उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में लगभग आठ हजार महिला कर्मचारी कार्यरत हैं और वे लोको पायलट, पथ अनुरक्षक और ट्रेन प्रबंधक जैसे संवेदनशील दायित्व भी निभा रही हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि कार्यस्थल पर शिकायत दर्ज कराने के लिए महिलाओं के लिए 'शी पोर्टल' और 'शाइन अनुप्रयोग' जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुखद कार्य वातावरण सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है

। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा आयुक्त माधवी, प्रमुख मुख्य संचालन प्रबंधक के. पद्मजा, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त अरोमा सिंह ठाकुर, प्रमुख वित्तीय सलाहकार हेमा सुनीता, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. निर्मला राजाराम, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक इति पांडे तथा गुंटूर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक सुदेशना सेन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता में निवेश करने, कभी हार न मानने और अपने अधिकारों के लिए निर्भीक होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।

अमेरिका की नीतियाँ वैश्विक शांति के लिए खतरा : सीपीआई

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष के. नारायण ने बुधवार को बढ़ते वैश्विक संघर्षों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अमेरिका की नीतियाँ अस्थिरता पैदा कर रही हैं और विश्व शांति के लिए खतरा बन रही हैं। मकदूम भवन में आयोजित सीपीआई तेलंगाना राज्य परिषद की बैठक के दूसरे दिन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय से लगाए गए प्रतिबंधों और वैश्विक आर्थिक दबावों के कारण क्यूबा आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, लेकिन वहां के लोग अपने संघर्ष में दृढ़ हैं। हाल की युद्ध परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रमण तुरंत रोकने की अपील की और चेतावनी दी कि युद्ध केवल विनाश और आम लोगों के लिए पीड़ा लेकर आता है। उन्होंने साम्राज्यवादी नीतियों का विरोध करने वाले देशों, विशेषकर रूस और चीन, से आग्रह किया कि वे मिलकर आगे होने वाले संघर्षों को रोकने और विश्व शांति की रक्षा करने के लिए प्रयास करें। नारायण ने श्रीलंका की राजनीतिक परिस्थितियों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि हाल के जन आंदोलनों में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा मजबूत स्थिति में है और आगामी चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को पराजित कर सकता है।

तेलंगाना किसानों के लिए 894 करोड़ रुपये की एमएसपी खरीद को केंद्र की मंजूरी

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने रबी 2026 मौसम के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 894 करोड़ रुपये मूल्य की फसलों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वीकृति दी। मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार तेलंगाना सरकार के प्रस्ताव के आधार पर 1,25,855 मीट्रिक टन फसलों की खरीद करेगी। इसमें 29,860 मीट्रिक टन चना, 37,020 मीट्रिक टन उड़द, 55,285 मीट्रिक टन मूंगफली और 3,690 मीट्रिक टन सूरजमुखी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य किसानों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से बचाना और उनकी उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल किसानों की आय की रक्षा करेगी, बल्कि राज्य में दलहन और तिलहन की खेती को भी प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने, किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह खरीद निर्णय तेलंगाना में चना, उड़द, मूंगफली और सूरजमुखी की खेती करने वाले हजारों किसानों को लाभ पहुंचाएगा और उन्हें अपनी उपज कम कीमत पर बेचने की मजबूरी से बचाएगा। मंत्री ने कहा कि यह कदम किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा और राज्य के कृषि क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि को नई दिशा देगा।

जमीन के फर्जी कागजात बनाकर धोखाधड़ी करने वाले सात लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम पुलिस ने जमीन से जुड़े एक धोखाधड़ी के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन लोगों ने फर्जी दस्तावेज बनाकर एक व्यक्ति को जमीन के सौदे में ठग लिया। पुलिस के अनुसार, यह मामला अब्दुल्लापुरमेट के मुनुगनूर इलाके में 400 वर्ग गज के एक भूखंड से जुड़ा है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वी प्रेम कुमार, के नागेंद्र प्रसाद, वाई सुकुमार रेड्डी, कृष्णा रेड्डी, एम सुजाता, एन बालमणि और टी सुलोचना के रूप में हुई है। एक अन्य आरोपी सूर्या फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि प्रेम कुमार ने शिकायतकर्ता जी कामेश्वर राव को धोखा देने के लिए कई फर्जी दस्तावेज तैयार किए।

इनमें मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार प्रमाण पत्र, कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र और जाली बिक्री पत्र शामिल हैं।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और जाली बिक्री पत्र भी जब्त किया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-West-WAT-05-2026
दिनांक : 05.03.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.WAY)/दंतेवाड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन SL, UP एवं DN लाइन पर 4.494 कि.मी. लंबाई के लिए नए वाइड बेस्ड PSC स्लीपर द्वारा मौजूदा PSC स्लीपर का थ्रू स्लीपर नवीकरण (प्राथमिक)।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,61,60,125.69, EMD : ₹ 2,30,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 31.03.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-1213/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-East-WAT-03-2026
दिनांक : 03.03.2026

कार्य का नाम : एजेन्सी (केवल RDSO अनुमोदित फर्म) द्वारा 5 वर्षों के लिए वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/पूर्व/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन में कर्व पर 116 ट्रैक माउन्टेड ऑटोमैटिक गेज फेस लुब्रिकेटर्स (इलेक्ट्रोनिक टाइप) की आपूर्ति, संस्थापन, शुरुआत एवं रख-रखाव।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 15,03,89,967.84, EMD : ₹ 9,02,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 60 (साठ) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 27.03.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-1210/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गंभीर बोले-भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता

लग गया था कि संजू बेहतर करेगा; आंकड़े नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर चलता हूं

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने भारतीय पिचों पर कहा कि टी-20 बैटर्स का खेल है और भारत ने विदेशों में भी 200 से ज्यादा स्कोर बनाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका में भी ऐसा स्कोर बनाया है। गंभीर ने अपनी कार्यशैली पर बात करते हुए कहा कि वह फैसले लेते समय डेटा से ज्यादा अपनी समझ और अंतरात्मा की आवाज पर भरोसा करते हैं। उन्होंने संजू सैमसन को लगातार मौका देने की वजह, अपनी नियुक्ति और टीम के भविष्य पर भी चर्चा की। साथ ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर दिए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

'भारत में विकेट तैयार करने का आरोप गलत'

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पिचों को लेकर उठे सवालों पर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि भारत अपने फायदे के लिए पिच तैयार करता है, यह आरोप गलत है और अक्सर ऐसे बयान विवाद और टीआरपी के लिए दिए जाते हैं।

गंभीर के मुताबिक टी-20 क्रिकेट अब बैटर्स का खेल बन चुका है और दुनियाभर में बड़े स्कोर बन रहे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, इसलिए इसे सिर्फ घरेलू पिचों से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में पिचों की जिम्मेदारी इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल की होती है, बीसीसीआई की नहीं। इसलिए भारत के लिए विकेट तैयार करने का सवाल ही नहीं उठता।

गंभीर ने कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने वहां करीब 180 रन बनाए थे, जबकि बाकी टीमें उसी पिच पर करीब 140 रन तक ही पहुंच सकीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाए। टी-20 मैच में दर्शक बड़े स्कोर देखना चाहते हैं। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में भी हाई स्कोरिंग मैच आम हो गए हैं।

'डेटा नहीं, अपनी समझ पर भरोसा करता हूं'

गंभीर का कहना है, 'कोच के तौर पर फैसले लेते समय मैं डेटा से ज्यादा अपनी समझ पर भरोसा करता हूं। हर कोच की टीम को लेकर अपनी अलग सोच और नजरिया होता है।' गंभीर ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो उस पर कायम रहता हूं और गलत साबित होने पर जिम्मेदारी भी स्वीकारता हूं। टीम का खेल, व्यवहार और माहौल मेरी अपनी सोच और विजन का हिस्सा है, जबकि भविष्य में आने वाला कोच अपनी सोच के साथ टीम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर जैसे अनुभवी लोगों से क्रिकेट पर चर्चा करता हूं।

टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर

टीम	200+ स्कोर
भारत	7
दक्षिण अफ्रीका	6
वेस्टइंडीज	4
श्रीलंका	4
इंग्लैंड	4

संजू सैमसन पर बोले- फॉर्म अस्थायी है

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में खराब प्रदर्शन के बावजूद संजू सैमसन को वर्ल्ड कप टीम में बनाए रखने पर गंभीर ने कहा, 'मैंने उन्हें इसलिए रखा, क्योंकि मुझे पता था कि संजू टीम के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। न्यूजीलैंड सीरीज में उनका दौर खराब था, लेकिन फॉर्म हमेशा एक जैसी नहीं रहता। उन्हें एक ब्रेक की जरूरत थी, जो हमने दिया। जिस खिलाड़ी ने टी-20 में 3 शतक लगाए हों, उसके टैलेंट पर शक नहीं किया जा सकता।'

संजू ने टूर्नामेंट में 321 रन बनाकर विराट कोहली (2014) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो मैच में नाबाद 97 रन और उसके बाद सेमीफाइनल में 89 और फाइनल में 89 की पारी खेली थी।

गौतम गंभीर फाइनल रिकॉर्ड

टूर्नामेंट	भूमिका	उपलब्धि
2007 टी20 वर्ल्ड कप	खिलाड़ी	फाइनल में 75 रन
2011 वनडे वर्ल्ड कप	खिलाड़ी	फाइनल में 97 रन
2025 चैंपियंस ट्रॉफी	कोच	भारत चैंपियन
2026 टी20 वर्ल्ड कप	कोच	भारत चैंपियन
IPL 2012	कप्तान	KKR चैंपियन
IPL 2014	कप्तान	KKR चैंपियन
IPL 2024	मेंटर	KKR चैंपियन

अगला लक्ष्यः वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतना

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अब अपना अगला लक्ष्य तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि अगला टारगेट भारत को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के फाइनल तक पहुंचाना और खिताब जीतना है। भारत ने पिछले दो साल में 4 आईसीसी व्हाइट बॉल ट्रॉफी जीती हैं। 2024 टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 एशिया कप, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 वर्ल्ड कप। लेकिन टीम अभी तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत पाई है। गंभीर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट मेरे दिल के बहुत करीब है और अब पूरा ध्यान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने पर होगा। अभी भारत को करीब 9 टेस्ट मैच खेलने हैं और टीम रेड-बॉल क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों को मौका देती रहेगी।

उन्होंने माना कि टेस्ट क्रिकेट आसान नहीं होता, खासकर तब जब टीम बदलाव के दौर से गुजर रही हो, लेकिन खिलाड़ियों को लगातार समर्थन दिया जाएगा, ताकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।

गंभीर ने यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट में ही खिलाड़ियों की असली पहचान और विरासत बनती है। पांच दिन की कड़ी मेहनत के बाद टेस्ट मैच जीतने का जो संतोष मिलता है, वह किसी भी लिमिटेड ओवर मैच से ज्यादा खास होता है।

मुश्किल दौर में जय शाह ने बढ़ाया हौसला,हार के बाद किया था फोन

गंभीर ने हेड कोच पर भरोसा जताने के लिए जय शाह का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज हारने के बाद काफी निराश था। गंभीर ने कहा, 'जब हम मुंबई में न्यूजीलैंड से हारे तो मैं बहुत लो फील कर रहा था। तब जय शाह का फोन आया और उन्होंने मुझे मजबूत बने रहने को कहा। मुश्किल वक्त में मिले उस समर्थन को मैं हमेशा याद रखूंगा।'

गंभीर ने जय शाह के बतौर प्रशासक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने महिला क्रिकेटरों की सैलरी बराबर की और महिला प्रीमियर लीग शुरू की। साथ ही क्रिकेट को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल कराना भी एक ऐतिहासिक कदम है।

धोनी के कमेंट पर बोले- कभी चाहकर भी नहीं हंस सकता

महेंद्र सिंह धोनी ने जीत के बाद गंभीर की फोटो पर कमेंट किया था, 'आप पर मुस्कान अच्छी लगती है।' इस पर मुस्कुराते हुए गंभीर ने कहा, 'धोनी का पोस्ट करना अच्छी बात है। लेकिन जब आप डगआउट में होते हैं तो इतना कुछ दांव पर लगा होता है कि आप चाहकर भी हंस नहीं सकते। भारत में हारना कोई विकल्प नहीं है, इसलिए दबाव बहुत ज्यादा रहता है।'

बासित अली बोले- अभिषेक शर्मा जैसे 2-3 खिलाड़ी पाकिस्तान में होना चाहिए

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर की गई टिप्पणी को लेकर मोहम्मद आमिर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आमिर को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। आमिर ने टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान खराब फॉर्म के बाद अभिषेक को स्लॉगर कहा था।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अभिषेक ने शानदार वापसी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में उन्होंने तेज अर्धशतक लगाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता।

हालांकि टूर्नामेंट की शुरुआत अभिषेक के लिए अच्छी नहीं रही थी। बाएं हाथ के इस ओपनर ने शुरुआती तीन मैचों में लगातार तीन बार शून्य पर आउट होकर निराश किया था। इसी दौरान आमिर ने उनकी आलोचना करते हुए उन्हें स्लॉगर कहा था।

बासित अली बोले-फॉर्म अस्थायी है, लेकिन क्लास स्थायी होती है

पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने एक टीवी शो के दौरान कहा, कि अगर किसी खिलाड़ी ने तीन बार शून्य भी बनाया हो तो इससे उसकी क्लास खत्म नहीं हो जाती। फॉर्म अस्थायी होती है, लेकिन क्लास हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि अभिषेक जैसे खिलाड़ी को इस तरह के नाम देना ठीक नहीं है और काश पाकिस्तान की टीम में भी ऐसे दो तीन खिलाड़ी होते।

अभिषेक बोले- तीन डक्स के बाद खुद पर शक होने लगा था

खिताबी जीत के बाद अभिषेक शर्मा भावुक नजर आए थे। उन्होंने कहा था,'ईमानदारी से कहूं तो एक समय मुझे खुद पर शक होने लगा था क्योंकि यह मेरे लिए आसान टूर्नामेंट नहीं था। मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था, यह मेरा पहला वर्ल्ड कप था।

टीम मैनेजमेंट के सपोर्ट ने बदला खेल

अभिषेक ने बताया कि मुश्किल समय में टीम के माहौल ने उन्हें टूटने नहीं दिया। फाइनल के बाद अभिषेक शर्मा ने भी टूर्नामेंट के मुश्किल दौर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि खराब प्रदर्शन के दौरान टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा बनाए रखा।

अभिषेक ने बताया कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर ने लगातार उनका हौसला बढ़ाया। टीम का भरोसा ही उन्हें कठिन दौर से निकलने में मदद कर गया। टीम के सभी साथी मुझसे यही कहते थे कि तुम एक बड़ा मैच जिताओगे। मैंने बस अपनी प्रोसेस पर ध्यान दिया।

भारत तीन टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बना

भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले टीम इंडिया ने 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहला और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

जसप्रीत बुमराह टी-20 कम, वनडे ज्यादा खेलेंगे

2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी पर रहेगा फोकस, वर्कलोड मैनेज करेगा बोर्ड

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब टी-20 सीरीज कम खेलेंगे। वे 2027 वर्ल्ड कप तक ज्यादा वनडे मैच खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बना रहे हैं। ताकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी बेहतर हो सके।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगले कुछ समय में द्विपक्षीय टी20 सीरीज में बुमराह को कम मौके दिए जा सकते हैं।

बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद वनडे नहीं खेला

बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद कोई वनडे मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे क्रिकेट खेलने उतरे थे।

2027 वर्ल्डकप तक टी-20 की प्राथमिकता कम

अक्टूबर-नवंबर 2027 तक टी20 इंटरनेशनल टीम के लिए कम प्राथमिकता वाला फॉर्मेट माना जा रहा है। इसी दौरान जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं।

अब आईसीसी का अगला टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्डकप होगा। उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी खेला जाएगा। 2028 में अगला टी-20 वर्ल्ड कप, ओलिंपिक गेम्स और चैंपियंस ट्रॉफी शेड्यूल्ड हैं।

आईपीएल के बाद तैयार होगी रणनीति

आईपीएल के बाद सिलेक्शन कमेटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। आईपीएल में बुमराह मुंबई इंडियंस के पेस अटैक की अगुआई करने वाले हैं।

19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के बाद से बुमराह ने 42 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इनमें 21 टेस्ट और 21 टी20 इंटरनेशनल शामिल हैं।

बड़े टूर्नामेंट में बुमराह की फिटनेस अहम

भारत के बड़े टूर्नामेंट अभियानों में बुमराह की फिटनेस बेहद अहम रहती है। ऐसे में उनके मैचों और फॉर्मेट को लेकर काफी सावधानी बरती जाएगी।

बीसीसीआई नहीं करेगी आईपीएल के सभी मैचों का ऐलान, सामने आई बड़ी वजह

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के 19वें सीजन के शेड्यूल का सभी को इंतजार है. आखिर कब आएगा शेड्यूल? कब होगा आईपीएल 2026 के मुकाबलों की तारीख का ऐलान? इन सवालों का जवाब देते हुए आईपीएल ने बड़ा अपडेट दिया है. BCCI के सेक्रेटरी देवजीत साइकिया ने बताया कि आईपीएल के सभी मैचों का ऐलान फिलहाल नहीं किया जाएगा. आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होना है.

बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत साइकिया के मुताबिक आईपीएल 2026 के शेड्यूल का ऐलान अगले 2-3 दिन में कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि हालांकि पहले सिर्फ 20 दिन के मैचों का ही शेड्यूल बनेगा. वहीं आगे के मुकाबलों का शेड्यूल लीग के दौरान आगे आएगा.

अब सवाल है कि बीसीसीआई सभी मैचों के शेड्यूल का ऐलान एक साथ क्यों नहीं कर रही? इसके पीछे की वजह कई राज्यों में होने वाले चुनावों की तारीखें हैं. 20 दिन के आगे की मुकाबलों के शेड्यूल का ऐलान बीसीसीआई राज्यों में होने वाले चुनाव की तारीखों को ध्यान में रखकर ही करेगी. आईपीएल 2026 के दौरान ही बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव होने हैं. हालांकि, उसकी तारीखों का ऐलान अभी नहीं किया गया है. उम्मीद है कि इन राज्यों में अप्रैल में चुनाव होंगे. बीसीसीआई को भी उसी के फाइनल डेट का इंतजार है.

आईपीएल 2026 के लिए लीग की सभी 10 टीमों ने अपने-अपने कैंप लगाकर तैयारी शुरू कर दी है. चेन्नई में धोनी के सुपरकिंग्स का कैंप लगा है तो धर्मशाला में पंजाब के किंग्स ने जमावड़ा लगा रखा है. राजस्थान रॉयल्स के कैंप की शुरुआत भी पिछले महीने के आखिरी हफ्ते से ही शुरू हो चुकी है. आईपीएल 2026 का आगाज पिछले सीजन की दो फाइनलिस्ट टीमों के मुकाबले से हो सकता है.

चौके-छक्कों से गूंजा नेट्स, आईपीएल 2026 के लिए विराट कोहली ने शुरू की प्रैक्टिस

वडोदरा, 11 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का आगाज होने में अब चंद दिन रह गए गए हैं. सीजन का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है. सभी टीमें अपनी तैयारियों में जुट गई हैं. बीसीसीआई ने फिलहाल अभी तक शेड्यूल जारी नहीं किया है. वहीं आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी प्रैक्टिस शुरू कर दी है. आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी ने अपने नाम किया था. तब विराट कोहली ने इस टीम की ओर से खूब रन बनाए थे. अब एक बार फिर वह अपनी टीम को चैंपियन बनाने के लिए मैदान पर उतर चुके हैं. अभ्यास का वीडियो कोहली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया है. इस दौरान किंग कोहली ने नेट्स में बल्लेबाजी की और खूब चौके और छक्के लगाए. वीडियो कैपशन में उन्होंने 'आईपीएल 2026' भी लिखा है. अपनी बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने लगभग सभी दिशा में शॉट खेला.

22 साल बाद भारत में अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

अगले साल दिल्ली में एशिया कप का दूसरा चरण

कोलकाता, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत को 22 साल बाद एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। 2027 में एशिया कप तीरंदाजी (आर्चरी) का दूसरा चरण दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस फैसले को कोलकाता में हुई विश्व आर्चरी एशिया की बैठक में मंजूरी दी गई। भारत ने आखिरी बार 2005 में किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी टूर्नामेंट की मेजबानी की थी, जब दिल्ली में एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप आयोजित हुई थी। अब लंबे अंतराल के बाद फिर से देश में इस खेल का बड़ा आयोजन होने जा रहा है। विश्व तीरंदाजी एशिया के अध्यक्ष काजी राजीब उद्दीन अहमद चापोल इन दिनों कोलकाता में हैं। उन्होंने आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा से मुलाकात कर आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी को लेकर चर्चा की। चापोल ने कहा कि दिल्ली में एशिया कप के आयोजन को लेकर सकारात्मक माहौल है और इसमें कोई बड़ी समस्या नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि अगले साल होने वाली कॉमनवेल्थ आर्चरी चैंपियनशिप के लिए भी दिल्ली को संभावित मेजबान के रूप में देखा जा रहा है।

इस बीच भारत को एक और बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अहमदाबाद इस साल सितंबर में एशियन पैरा आर्चरी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। कोलकाता को भी कई साल बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित करने का मौका मिलेगा। शहर को 2026 के साउथ एशियन आर्चरी चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी गई है। इससे पहले कोलकाता ने 2009 में एशियन आर्चरी ग्रां प्री की मेजबानी की थी। इसके अलावा संभावना है कि अगले साल सीनियर नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप भी कोलकाता में आयोजित हो सकती है, हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

भारत विमेंस फुटबॉल एशियन कप से बाहर

चाइनीज ताइपे ने 3-1 से हराया

सिडनी, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत विमेंस फुटबॉल एशियन कप से बाहर हो गया है। एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन के आखिरी ग्रुप मैच में भारत को चाइनीज ताइपे के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। इस मैच में जीत भारत के लिए बेहद जरूरी थी, क्योंकि अगले दौर में पहुंचने के लिए उसे कम से कम दो गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी थी। मुकाबले के दौरान भारतीय कप्तान स्वीटी देवी और गोलकीपर पंथोई चोटिल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सिडनी में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने लंबे समय तक गेंद पर नियंत्रण रखा और कई मौके भी बनाए, लेकिन अंतिम हिस्से में टीम गोल करने में नाकाम रही। इसी वजह से टीम को हार झेलनी पड़ी और टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। भारत इससे पहले ग्रुप स्टेज में वियतनाम और जापान से भी हार चुका था। मैच के 12वें मिनट में चाइनीज ताइपे ने बढ़त बना ली। संजू के खराब बैक पास के बाद जे डब्ल्यू चेन ने गेंद वाई एच सू को पास की, जिन्होंने खाली गोलपोस्ट में गेंद डाल दी। भारत ने 39वें मिनट में वापसी की।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को सिर्फ 15.1 ओवर में हराया

पहले वनडे में 8 विकेट से जीत हासिल की; नाहिद राणा ने 5 विकेट लिए

ढाका, 11 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान की टीम 114 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

बांग्लादेशी पेसर नाहिद राणा ने 5 विकेट लिए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 115 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.1 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। तंजिद हसन तमीम ने नाबाद 67 रन की तेज पारी खेली। 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत ज्यादा अच्छी नहीं रही और सैफ हसन 4 रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार बने। इसके बाद तंजिद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतो ने दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर मैच लगभग एकतरफा कर दिया। तंजिद हसन ने 42 गेंद में 7 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। वहीं नजमुल हुसैन शांतो ने 33 गेंद में 27 रन बनाए। अंत में लिटन दास 3 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 30.4 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर में 24 रन देकर 5 विकेट झटके।

कप्तान मेहदी हसन मिराज ने भी 10 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान को एक-एक विकेट मिला। पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही और पहले विकेट के लिए साहिबजादा फरहान और माज सादाकत ने 41 रन जोड़े। फरहान ने 27 और सादाकत ने 18 रन बनाए, लेकिन इसके बाद टीम लगातार विकेट गंवाती रही।

संजू सैमसन से खुश नहीं हैं आर अश्विन

चेन्नई, 11 मार्च (एजेंसियां)। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाए. खास बात ये है कि आखिरी तीन करो या मरो मैच में संजू ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम इंडिया की जीत में अहम योगदान निभाया. इसके बाद भी अश्विन संजू सैमसन की बल्लेबाजी से खुश नहीं हैं. दरअसल, संजू ने आखिरी तीन मैच में 97*, 89 और 89 रनों की पारी खेली थी. ऐसे आर अश्विन को लगता है कि संजू सैमसन का तीनों ही मैच में शतक होना चाहिए था. उन्होंने इस बात का अफसोस जाहिर करते हुए कहा "एक क्रिकेटर और बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन के सच्चे प्रशंसक के रूप में, तीन शतक होने चाहिए थे. अश्विन ने आगे कहा "97 रन नाबाद, मैं समझता हूं. यह संभव है कि मैं एक कट्टर दक्षिण भारतीय पिता भी हो सकता हूं. मैं कह रहा हूं, दो मैच, यार. लगभग 90 रन बनाकर आउट हो गया था. वो आसानी से 10 सिंगल लेकर शतक बना सकता है. लेकिन यह लड़का ऐसा नहीं करता. वह हमेशा इरादे के साथ खेलता है.

दलबदल करने वाले विधायकों पर अध्यक्ष का निर्णय अलोकतांत्रिक : के.टी. रामाराव

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने बुधवार को दलबदल करने वाले विधायकों के विरुद्ध दायर अयोग्यता याचिकाओं पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए इसे अत्यंत अलोकतांत्रिक और चौंकाने वाला बताया।

बुधवार को जारी एक बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारी दबाव में लिया गया है और कांग्रेस नेतृत्व ने पूरे प्रकरण को सुनियोजित ढंग से संचालित किया है। के.टी. रामाराव ने कहा कि इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष की लगभग कोई स्वतंत्रता नहीं थी और कांग्रेस पार्टी स्वयं राज्य में दलबदल की पूरी प्रक्रिया को सीधे संचालित कर रही है। उनके अनुसार यह निर्णय लोकतंत्र और भारत के संविधान पर सीधा आघात है तथा इस अनैतिक कदम के मुख्य सूत्रधार राहुल गांधी हैं।

उन्होंने कहा, इस निर्णय के पीछे मुख्य अपराधी मानसिकता राहुल गांधी की है। वास्तविक दोषी वही हैं। उनकी अनुमति और स्वीकृति के बिना तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष ऐसा चौंकाने वाला निर्णय लेने का साहस नहीं कर सकते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी राज्य से आने वाले भारी धन प्रवाह के कारण इस प्रकार की अनैतिक राजनीतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसे राजनीतिक उद्देश्य से संचालित अभियान का हिस्सा बताया।

के.टी. रामाराव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के नैतिक अधिकार पर भी प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को राजनीतिक दलबदल पर किसी को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राहुल गांधी के राजनीतिक रुख को पाखंड बताते हुए उन्होंने कहा कि एक ओर राहुल गांधी स्वयं को संविधान का रक्षक बताते हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी पार्टी दलबदल को बढ़ावा दे रही है और दलबदल करने वालों को संरक्षण दे रही है। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ने यह भी सवाल उठाया कि जो विधायक भारत राष्ट्र समिति के प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतकर आया, वह विधानसभा से इस्तीफा दिए बिना कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में लोकसभा चुनाव कैसे लड़ सकता है और फिर भी उसकी सदस्यता समाप्त क्यों नहीं की जाती। उन्होंने कहा, एक विधायक एक दल के प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतता है और फिर दूसरे दल के प्रत्याशी के रूप में सांसद का चुनाव लड़ता है, लेकिन इसके बावजूद अध्यक्ष उसे अयोग्य घोषित नहीं करते। यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक चालबाज़ी है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में शायद ही कभी किसी विधानसभा अध्यक्ष ने इतना विवादास्पद निर्णय दिया हो। व्यंग्यात्मक लहजे में उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति ऐसे ऐतिहासिक निर्णय के लिए जिम्मेदार लोगों का सम्मान करने के लिए भी तैयार है। के.टी. रामाराव ने कहा कि सभी प्रमाण पहले से ही सार्वजनिक हैं। चुनाव आयोग के अभिलेख स्पष्ट बताते हैं कि विधायक ने विधानसभा चुनाव किस दल के प्रत्याशी के रूप में लड़ा और अब वह संसद के चुनाव में किस दल के प्रत्याशी के रूप में उतर रहा है। फिर और किस प्रकार की जांच की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी तेलंगाना में अपने भाषणों में दलबदल के मामलों में स्वतः अयोग्यता की बात करते हैं और न्याय पत्र की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस सरकार दलबदल करने वालों को संरक्षण दे रही है। के.टी. रामाराव ने कुछ नेताओं की टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिन लोगों ने कभी भारत राष्ट्र समिति के माध्यम से राजनीतिक अवसर प्राप्त किए, उन्हीं से दलबदल पर उपदेश सुनना विडंबनापूर्ण है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता इन घटनाक्रमों को ध्यानपूर्वक देख रही है और अंततः ऐसी राजनीतिक कपटता और चालबाज़ी का लोकतांत्रिक तरीके से कड़ा उत्तर देगी।

दस साल पुराने सड़क हादसे के आरोपी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने लगभग दस साल पहले हुए एक घातक सड़क हादसे के मामले में फरार आरोपी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। इस हादसे में नौ साल की बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह दुर्घटना 1 जुलाई 2016 को हुई थी। उस समय बच्ची राम्या अपने चाचा पी. राजेश और दादा मधुसूदन चारी के साथ स्कूल से घर लौटने के बाद कार से जा रही थी। परिवार नागार्जुन सर्कल से रोड नंबर 3 के रास्ते बंजारा हिल्स की ओर जा रहा था।

इसी दौरान आर. शाविल द्वारा कथित रूप से चलाई जा रही एक कार तेज गति से बंजारा हिल्स से नागार्जुन सर्कल और पंजागुट्टा की ओर जा रही थी। बताया गया कि चालक शराब के नशे में था और एक पब से निकलने के बाद गाड़ी चला रहा था। पंजागुट्टा श्मशान घाट के पास वाहन अनियंत्रित हो गया, सड़क के डिवाइडर से टकराया और दूसरी ओर जाकर पीड़ितों की कार पर गिर पड़ा। इस हादसे में राम्या, मधुसूदन चारी और राजेश की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद बंजारा हिल्स पुलिस ने दो आरोपियों श्राविल और के. विष्णु विनीत के खिलाफ मामला दर्ज कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विष्णु विनीत कथित तौर पर अमेरिका चला गया और कई वर्षों से फरार है। मामले की जल्द सुनवाई को देखते हुए पुलिस ने उसकी मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को भारत लाकर अदालत में पेश करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन की मदद से रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया गया है। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपी अभी भी इस मामले में दूसरा आरोपी है और लंबे समय से विदेश में छिपा हुआ है।

कावूरी सांबासिवा राव के निधन पर केटीआर ने जताया शोक

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कावूरी सांबासिवा राव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। एक बयान में रामाराव ने कहा कि कावूरी सांबासिवा राव का निधन जनजीवन के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के दौरान वस्त्र उद्योग को दिए गए उनके समर्थन को भी याद किया। रामाराव ने बताया कि वर्ष 2013 में तेलंगाना आंदोलन के चरम समय में उन्होंने तत्कालीन केंद्रीय वस्त्र मंत्री कावूरी सांबासिवा राव को सिरसिला आने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि उस समय पूर्व केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्र का दौरा किया और पावरलूम उद्योग को महत्वपूर्ण सहयोग दिया, जिससे वहां के बुनकरों को काफी मदद मिली।

साठ नागरिकों की सुरक्षित वापसी

परिवारों ने केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु परिवारों ने बहरीन से साठ भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित कराने में त्वरित और संवेदनशील हस्तक्षेप के लिए भारत सरकार और तेलंगाना सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। गोनेह सोलोमन राज, जोसेफ किशोर, दीवान कुमार, मोहना, प्रेम सागर, फेनी, बेंजामिन और अन्य लोगों ने नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस पुनर्वापसी अभियान के समन्वय में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए धन्यवाद दिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के प्रति भी विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने दमाम से कोच्चि तक विशेष विमान की व्यवस्था कर नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। यह सफल अभियान भारत सरकार के प्रभावी राजनयिक समन्वय के कारण संभव हो सका, जिसके माध्यम से सऊदी अरब से पारगमन वीजा जारी करवाया गया। परिवारों ने बहरीन तेलुगु एसोसिएशन और गल्फ एयर की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया, जिन्होंने प्रभावित परिवारों और सरकारी अधिकारियों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई। बहरीन में तेलुगु समुदाय ने भी कठिन समय में उल्लेखनीय एकजुटता दिखाई। 28 फरवरी से 10 मार्च तक स्थानीय तेलुगु परिवारों और चर्चों ने सभी साठ लोगों के लिए नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्रि भोजन की व्यवस्था कर उनकी देखभाल की। परिवारों ने बहरीन के तेलुगु समुदाय के प्रत्येक सदस्य के प्रति उनके निस्वार्थ सेवा भाव, संवेदना और सहयोग के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

कानून-व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं: नायडू

मुख्यमंत्री का जिलाधिकारियों को सख्ती बरतने का निर्देश

अमरावती,11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने बुधवार को जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू करें और किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देते हुए सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। राज्य सचिवालय में आयोजित छठे जिलाधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कृषि संबंधी चुनौतियों के समाधान और किसानों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि प्रौद्योगिकी सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कृषि विद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जो भारतीय व्यवसाय विद्यालय की तर्ज पर होगा। नायुडू ने घोषणा की कि खरीफ मौसम के लिए पानी 15 मई से छोड़ा जाएगा, जबकि उगादी के उपहार के रूप में दो लाख पचास हजार घरों का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने 'इंद्र धनुस्सु' योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क बस यात्रा की भी घोषणा की। जल सुरक्षा पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि भूजल स्तर बढ़कर 8.10 मीटर हो गया है और अधिकारियों को निर्देश दिया कि 1 अप्रैल से 90 दिन का जल संरक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें जलाशयों की गाद निकालने का कार्य भी शामिल होगा।

वर्तमान में राज्य के जलाशयों में 614 टीएमसी पानी उपलब्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि वेलिगोंडा परियोजना के इस वर्ष जुलाई तक पूर्ण होने की संभावना है, जबकि पोलावरम परियोजना वर्ष 2027 तक पूरी कर ली जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि वर्ष 2027 तक आंध्र प्रदेश को भूमि विवादों से मुक्त राज्य बनाया जाएगा और भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी तथा क्यूआर कोड युक्त पट्टेदार पासबुक के माध्यम से किया जाएगा। श्रीकाकुलम में दस्त के मामलों, राजमहेंद्रवरम में मिलावटी दूध से हुई मौतों तथा वेटलापालेम में पटाखा दुर्घटना जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए नायडू ने चेतावनी दी कि लापरवाही और नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जिलाधिकारी प्रत्येक माह आठ दिन क्षेत्रीय दौरे पर रहें, जबकि सचिवों को चार दिन जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करनी चाहिए।

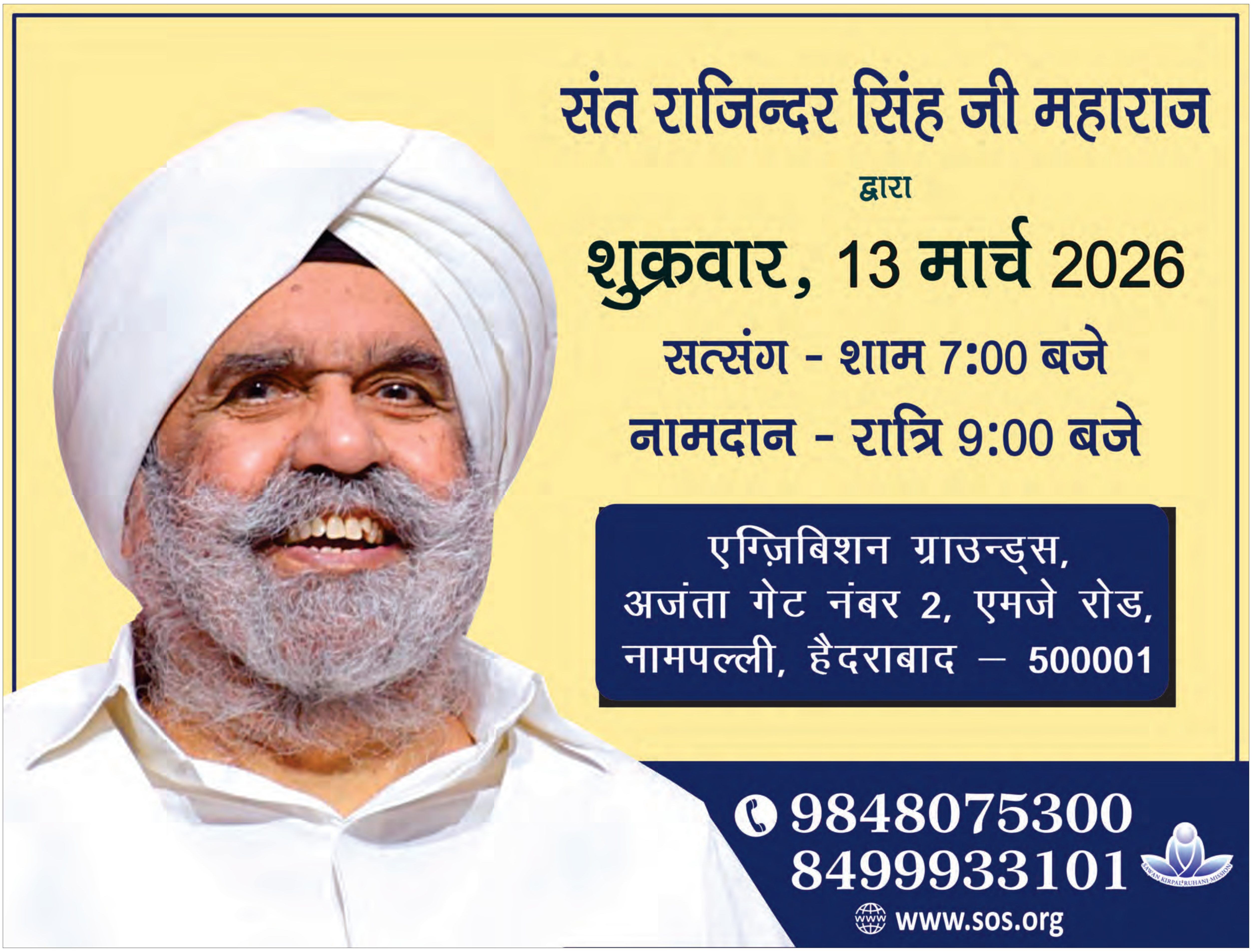

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.